खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 06 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-124

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से कहा

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ है रूस

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में पूर्ण समर्थन की घोषणा की। रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को कानून के दायरे में लाने के लिए भारत सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र रक्षा और सुरक्षा अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। उसी क्रम में आज भी प्रधानमंत्री ने देश के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मंत्रणा की। पाकिस्तान के खिलाफ घेरेबंदी सख्त करते हुए भारत सरकार ने चेनाब और सलाल बांध से पाकिस्तान को जा रहा पानी पूरी तरह बंद कर दिया। इस कार्रवाई से भारतीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से सेंधा नमक की खरीद का बड़ा सौदा भी रद्द कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूस के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री के बीच हुई बातचीत की आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने कहा, पुतिन ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए नरसंहार में मारे गए लोगों के प्रति शोक जताते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही है। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने का वादा किया। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुतिन को

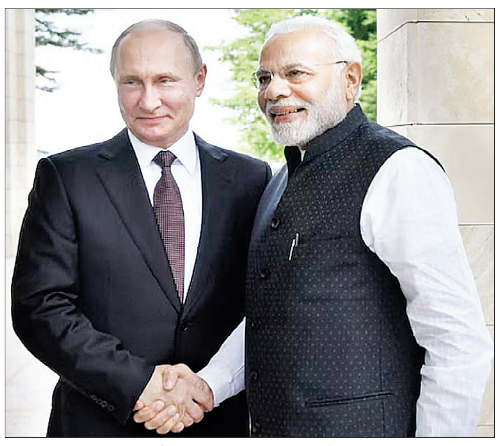

शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण स्वीकार

आतंकियों और षड्यंत्रकारियों पर एक्शन जरूरी है

प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षा सचिव से की खास मंत्रणा

बगलिहार और सलाल डैम से चेनाब का पानी बंद

झेलम के किशनगंगा डैम से भी शीघ्र रुकेगा पानी

कर लिया है। राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच हुई बातचीत का समय काफी अहम है। अभी पिछले ही दिनों पाकिस्तान रूस के सामने गिड़गिड़ाया था लेकिन रूस पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। मॉस्को में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने रूस से तनाव को कम करने में मदद मांगी थी। लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ और रूस ने आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को समर्थन दिया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जरूर जाहिर की, लेकिन उन्होंने भारत के प्रति समर्थन जताया था। इस मामले में भारत को पूरी दुनिया से समर्थन मिल रहा है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के एक ही दिन बाद हुई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच यह अहम मुलाकात चल रही है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में यह अहम बैठक हुई थी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें अरब सागर में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की समग्र स्थिति से अवगत कराया था। पहलगाम हमले के बाद से लगातार शीर्ष स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है। हमले के फौरन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसले लिए गए थे। केंद्र सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ सरकार की ओ से की गई किसी भी कार्रवाई के लिए अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया था। सीसीएस को दी गई ब्रीफिंग में आतंकी हमले के सीमा पार संबंधों को उजागर किया गया।

▶10 पर

पहलगाम पहुंचीं पूर्व सीएम जताई हार्दिक संवेदना

अर्से बाद महबूबा ने अमित शाह से बात की

पहलगाम, 05 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम में आतंकी हमले के 13 दिन बीत चुके हैं। इस हमले में 27 निर्दोष नागरिकों की जान गई थी। जम्मू कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना आतंकियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चला रही है। इस बीच जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती आज पहलगाम पहुंची। महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की। उन्होंने कहा कई सालों के बाद पहली बार मैंने अमित शाह से बात की।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैंने उन 27 लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन दिनों हमें युवा पुरुषों और महिलाओं, व्यापारियों से कई फोन कॉल आए, जिन्होंने बताया कि वे ख़तरे में हैं और डरे हुए हैं। इसलिए कई सालों के बाद पहली बार, मैंने अमित शाह से बात की और जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया। अमित ने कई सलाह मानी और कई अच्छे सलाह दिए और दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा भी दिया। पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए लोगों का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा, संदेश यह है कि पहलगाम के लोग बहुत दुखी हैं। वे दुखी हैं। वे चिंतित हैं क्योंकि यहां पकड़-धकड़ सबसे ज़्यादा है। हालांकि यहां के लोगों ने यथासंभव मदद करने की कोशिश की, लोगों को अस्पताल पहुंचाया,

▶10 पर

खुफिया तंत्र ने सतर्क किया 14 आतंकियों की सूची जारी

श्रीनगर और जम्मू की जेलों पर आतंकी हमले का खतरा

जम्मू, 05 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की जेलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि आतंकी जेलों पर हमला कर सकते हैं, खासकर श्रीनगर की सेंट्रल जेल और जम्मू की कोट बलवाल जेल पर खतरा मंडरा रहा है। खुफिया एजेंसियों ने 14 आतंकियों की लिस्ट भी जारी की है, जिनके जम्मू कश्मीर में सक्रिय होने को लेकर सतर्क किया गया है। जम्मू और कश्मीर जोन की इन जेलों में कई बड़े आतंकी और स्लीपर सेल के सदस्य बंद हैं, जो आतंकियों को लॉजिस्टिक मदद, ठिकाना और उनकी आवाजाही में सहायता देते हैं। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए हिंदुओं के नरसंहार के मामले की जांच जारी है, जिसमें इस आतंकी हमले का अंदेशा जताया गया है और अलर्ट जारी कर दिया गया है।

खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू और कश्मीर की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। रविवार 4 मई को सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) के डायरेक्टर जनरल ने श्रीनगर में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। सीआईएसएफ ने अक्टूबर 2023 में सीआरपीएफ से जम्मू-कश्मीर की जेलों की सुरक्षा का जिम्मा लिया था। बैठक में जेलों की सुरक्षा का जायजा लिया गया और किसी भी तरह की चूक रोकने के लिए कदम उठाए गए।

▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई टली

चीफ जस्टिस ने सुनवाई से खुद को अलग किया

रिटायर होने जा रहे इसलिए हटे संजीव खन्ना

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई टल गई। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। तमाम चर्चाओं और आकलनों के बरक्स आधिकारिक तौर पर बताया जा रहा है कि संजीव खन्ना रिटायर होने जा रहे हैं, इसलिए उन्होंने खुद को इस विवादास्पद केस से अलग कर लिया है। वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में आज ही सुनवाई होनी थी लेकिन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के केस से अलग होने के निर्णय से अब इस पर 15 मई को सुनवाई होगी। तब तक बीआर गवई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हो जाएंगे।

वक्फ मामले में 16-17 अप्रैल को कोर्ट ने सुनवाई की थी और कानून के कई प्रावधानों के लेकर सवाल खड़े किए थे। 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने जवाब देने के लिए समय मांगा था और यह भी कहा था कि अगली सुनवाई तक केंद्र सरकार आपत्ति वाले प्रावधानों को लागू नहीं करेगी। इस मामले में पहले सरकार ने जवाब दाखिल किया था। इसके बाद विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों समेत ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने हलफनामा दाखिल किया। आज मामले की सुनवाई होनी थी लेकिन सुनवाई टल गई।

▶10 पर

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक

सीबीआई के नए निदेशक के नाम पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के नए निदेशक के नाम पर मंथन के लिए प्रधानमंत्री आवास में बैठक हुई है। इस बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी ने की। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सीबीआई निदेशक की नियुक्ति के लिए समिति की बैठक की

अध्यक्षता की, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी शामिल हुए। यह बैठक मौजूदा सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के दो साल के कार्यकाल के 25 मई को समाप्त होने से पहले हुई है। सीबीआई निदेशक की नियुक्ति केंद्र सरकार की तरफ से तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। सीबीआई के डायरेक्टर की नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) करती है। इस उच्च-स्तरीय समिति में प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा के विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। यह समिति सीबीआई के डायरेक्टर के पद के लिए किसी एक नाम पर मुहर लगाती है। यह समिति साथ में बैठकर सीबीआई के डायरेक्टर की नियुक्ति के लिए नाम पर चर्चा करती है और फिर सरकार

▶10 पर

जस्टिस वर्मा के घर से नोटों की बरामदगी का मामला

जांच कमेटी ने मुख्य न्यायाधीश को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से मिले नोटों के जखीरे की जांच रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दी गई। जांच में क्या पाया गया, इस बारे में कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तक से मना कर दिया था।

जांच कमेटी ने 25 मार्च 2025 से अपनी जांच शुरू की और एक महीने सात दिन में, यानि 3 मई 2025 को अपनी रिपोर्ट पूरी कर ली। इस रिपोर्ट को 4 मई 2025 को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को सौंप दिया गया।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यों वाली जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थीं।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0

न्यूनतम : 26^0

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिया राज्यों को जरूरी निर्देश

युद्धकालीन सतर्कता का अभ्यास कराने को कहा

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

युद्ध के समय बरती जाने वाली नागरिकीय सतर्कताओं को लेकर गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को मॉक-ड्रिल (अभ्यास) कराने को कहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) के लिए देश के सभी राज्यों को 7 मई को मॉक ड्रिल कराने को कहा है, ताकि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इस मॉक ड्रिल में हवाई हमले (एयर रेड) चेतावनी सायरन को सक्रिय किया जाएगा। आम नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षित किया जाएगा कि अगर किसी तरह का हमला हो जाए, तो वे खुद को कैसे सुरक्षित रखें। ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। यानी जरूरत पड़ने पर बिजली बंद कर दी जाए ताकि दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखाई दे। महत्वपूर्ण कारखानों और ठिकानों को छिपाने की जल्दी व्यवस्था की जाएगी। निकासी योजना को अपडेट किया जाएगा और उसका अभ्यास (रिहर्सल) भी कराया जाएगा।

इससे पहले, रविवार को फिरोजपुर छावनी इलाके में 30 मिनट का ब्लैकआउट अभ्यास किया गया, जिसमें रात 9 बजे से 9:30 बजे तक सभी लाइटें बंद रहीं। अगर किसी वाहन की लाइट जलती

पाई गई तो उसे बंद करवाया गया। पुलिस पूरी तरह अलर्ट पर रही और हर चौराहे पर तैनाती की गई। फिरोजपुर छावनी थाने के एसएचओ गुरजंत सिंह ने यह जानकारी दी।

गृह मंत्रालय ने यह निर्देश ऐसे समय में दिए हैं, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और भारत पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस आतंकी हमले में 27 लोगों की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे।

इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, पाकिस्तानी उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करना, अटारी चेक पोस्ट को बंद करना और सभी श्रेणियों में डाक सेवाओं को बंद करने जैसे फैसले शामिल हैं।

आतंकी हमले के बाद सरकार ने सशस्त्र बलों को छूट दी है कि वह अपने समय और तरीके से फैसला ले सकते हैं। इस हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी और विपक्षी दलों ने भी इस हमले के दोषियों के खिलाफ सरकार की किसी भी कार्रवाई के लिए अपना समर्थन दिया है।

आतंकवादी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंध की जानकारी दी गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान की सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आगमन और पारगमन पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार प्रवाह प्रभावी रूप से रुक गया है।

अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हो सकते हैं स्टीफन मिलर

-राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा, अगला चुनाव लड़ने से भी इनकार, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को न हटाने का वादा

वाशिंगटन,05 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्टीफन मिलर हो सकते हैं। वह इस समय वह व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मिलर का आधिकारिक नामांकन छह माह के भीतर घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं है। न ही अपने मौजूदा कार्यकाल में फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को हटाएंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को मीट द प्रेस में और भी कई बातों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, मुझे यह नहीं पता कि संविधान का पालन करना चाहिए या नहीं। कानून का पालन करने के लिए मुझे अपने वकीलों पर निर्भर रहना होगा। हालांकि इस दौरान ट्रंप ने कहा कि उनके पास शानदार वकील हैं। वह स्पष्ट रूप से सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है उसका पालन करेंगे।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति के रूप में तीसरा कार्यकाल नहीं चाहेंगे।उन्होंने कहा कि वह 2026 में अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को नहीं हटाएंगे। ट्रंप ने रविवार शाम एयर फोर्स वन में पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन अच्छे न्यायाधीशों को नियुक्त करने के प्रयास कर रहाहै। देश को ऐसे न्यायाधीशों की आवश्यकता है जो हर एक अवैध अप्रवासी के लिए परीक्षण की मांग न करे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर को अगला राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाने पर विचार कर रहे हैं। स्टीफन मिलर इस समय अहम पद पर हैं। ट्रंप ने माइक वाल्ट्ज को पद से हटाने और उन्हें संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित करने के अपने फैसले का भी बचाव किया।

वाल्ट्ज के नए नामांकन के बारे में ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह एक उच्च पद है। ट्रंप ने कहा कि अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के लिए स्टीफन मिलर का आधिकारिक नामांकन छह महीने के भीतर आएगा।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल पुलिस की वेबसाइट हैक, 20 लाख नागरिकों का डेटा चोरी

काठमांडू। नेपाल पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट हैक हो गई है। साइबर अपराधियों ने 20 लाख से अधिक नागरिकों का डेटा चोरी कर लिया है। नागरिकों की संवेदनशील डेटा चोरी होने से सरकार की चिंता बढ़ गई है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, केएजेडयू नाम के हैकर समूह ने उनकी आधिकारिक वेबसाइट को हैक कर लिया है। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि सर्वर में मौजूद 20 लाख नागरिकों का डेटा चुरा लिया गया है। हैकरों यह डेटा डार्क वेब में रखा है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता डीआईजी दिनेश आचार्य ने बताया कि डार्क वेब में रखे गए नेपाल के संवेदनशील डेटा की कीमत हैकरों ने सात हजार अमेरिकी डॉलर रखी है। डार्क वेब पोस्ट में हैकर समूह ने लिखा है कि नेपाल पुलिस के केन्द्रीय डेटा पोर्टल को निशाना बनाया गया है। इस डेटा में एफआईआर, ट्रैकिंग, नागरिकता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट डिटेल्स, पर्सनल आइडेंटीफिकेशन इनफॉर्मेशन, आफिसर डिटेल्स आदि मौजूद है। यह भी दावा किया गया है कि ये सभी डेटा 2025 का है।

इस्लामाबाद पुलिस ने वकील से की मारपीट, शाहराह-ए-दस्तूर में विरोध रैली

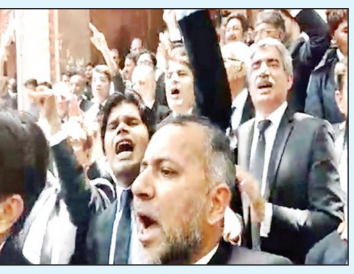

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद की कानूनी बिरादरी ने मुल्क की पुलिस के खिलाफ विरोध रैली के आयोजन की घोषणा की है। वकीलों की मांग है कि वरिष्ठ अधिवक्ता अदनान अब्बासी के साथ की गई मारपीट की घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान के समाचार द नेशन की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद बार काउंसिल (आईबीसी), इस्लामाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (आईएचसीबीए) और इस्लामाबाद बार एसोसिएशन (आईबीएस) सबसे पहले आईएचसी भवन में एक आम सभा की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद शाहराह-ए-दस्तूर में विरोध रैली आयोजित की जाएगी। यह जानकारी इस्लामाबाद बार काउंसिल के उपाध्यक्ष नसीर अहमद कियानी ने दी। उन्होंने कहा कि आईबीसी के सदस्यों ने इस्लामाबाद जिला न्यायालयों में हुई दुर्भाग्यपूर्ण और गैरकानूनी घटना की कड़ी निंदा की। इस्लामाबाद बार काउंसिल ने मांग की है कि इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक दोषी अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करें और उन्हें सक्षम न्यायालय के समक्ष तुरंत पेश करें। इस्लामाबाद बार काउंसिल ने कहा है कि संगठन अधिवक्ता अदनान अब्बासी के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है।

कनाडा को 51वां राज्य बनाने सैनिक कार्रवाई जरूरी नहीं: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आशंका से इनकार किया है कि कनाडा को 51वां राज्य

बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता होगी। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि व्हाइट हाउस के लिए तीसरे कार्यकाल की दौड़ में उनके शामिल होने की संभावना नहीं है। साथ ही ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस या उनके अन्य किसी करीबी नेता के 2028 की राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज किया। राष्ट्रपति पद संभालने के 100 दिन पूरे होने के बाद एनबीसी को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को उनके देश निर्वासित किए जाने से जुड़े सवालों पर कहा कि वह संविधान के अनुसार ही काम कर रहे हैं। हाल ही में प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव के दौरान अमेरिकी मतदाताओं से किए गए वादों से पीछे नहीं हट रहे हैं। आलोचकों का दावा है कि ट्रंप अमेरिका में संवैधानिक प्रक्रिया को कमजोर कर रहे हैं। सबसे उल्लेखनीय रूप से वे अल साल्वाडोर के किल्मर अब्रेगो गार्सिया के मामले का हवाला देते हैं, जो मैरीलैंड में रह रहा था। उसे गलती से अल साल्वाडोर भेज दिया गया और बिना किसी संचार के जेल में डाल दिया गया। ट्रंप का कहना है कि अब्रेगो गार्सिया एक हिंसक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा है। ट्रंप ने कहा, व्हाइट हाउस के लिए तीसरे कार्यकाल की दौड़ में उनके शामिल होने की संभावना नहीं हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया है कि प्रशासन को अब्रेगो गार्सिया को अमेरिका वापस लाने के लिए कदम उठाने चाहिए। ट्रंप ने कहा कि वह 'पृथ्वी के कुछ सबसे बुरे, सबसे खतरनाक लोगों' को निर्वासित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अदालतें उनके रास्ते में आ रही हैं।

रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान, राजनीतिक संकट के बीच लोकतंत्र की परीक्षा

बुखारेस्ट,05 मई (एजेंसियां)।

रोमानिया में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान संपन्न हुआ, जो देश के हाल के दशकों के सबसे बड़े राजनीतिक संकट के बाद कराया गया। यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य देश रोमानिया में यह चुनाव उस समय दोबारा कराया गया जब पिछले वर्ष हुए चुनाव को अदालत ने चुनावी गड़बड़ियों और रूस की कथित दखलंदाजी के चलते अमान्य घोषित कर दिया था। हालांकि, रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे मतदान समाप्त होने के साथ ही मतगणना का कार्य शुरू हो गया। प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक लगभग 95.7 लाख मतदाताओं, यानी कुल योग्य मतदाताओं के 53.2 प्रतिशत, ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विदेशों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर भी लगभग 9.73 लाख मत डाले गए।

इस पुनर्निर्वाचन में कुल 11 उम्मीदवारों ने भाग लिया और अब 18 मई को होने वाले संभावित दूसरे दौर की तैयारी शुरू हो गई है।

जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कट्टर राष्ट्रवादी और दूर-दराज़ विचारधारा वाले उम्मीदवार जॉर्ज सिमियन का दूसरे दौर में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि उनका मुकाबला या तो बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन या सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार क्रिन एंटोनेसकु से हो सकता है।

चुनाव के दौरान सिमियन ने पूर्व उम्मीदवार कैलिन जॉर्जेस्कु के साथ राजधानी बुखारेस्ट के एक मतदान केंद्र पर उपस्थित होकर कहा, हमारा मिशन स्पष्ट है- संवैधानिक व्यवस्था की वापसी और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना। मेरा एकमात्र लक्ष्य है कि रोमानियाई जनता के लिए पहला स्थान सुनिश्चित किया जाए।

वहीं, चुनाव से बाहर किए गए कैलिन जॉर्जेस्कु ने इस पुन: चुनाव को एक संगठित धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि यह उन लोगों द्वारा रचा गया है जो धोखे को राज्य की नीति बना चुके हैं। बावजूद इसके उन्होंने लोकतंत्र की ताकत और मत की शक्ति को स्वीकार करने की बात भी कही।

ट्रम्प की टैरिफ नीति की बदौलत ऑस्ट्रेलिया में भी बनी वामपंथी सरकार

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में हुए आम चुनाव में पीएम एंथनी अल्बनीज ने जीत हासिल की है। उनकी लेबर पार्टी को 150 में से 86 सीटों पर जीत हासिल हुई है। चुनाव से पहले हुए सर्वे में लेबर पार्टी को 48 फीसदी लोगों का ही समर्थन मिला था, जबकि विपक्षी लिबरल और नेशनल पार्टी के गठबंधन को 52 फीसदी लोगों ने पसंद किया था, लेकिन दो महीने बाद ही स्थिति बदल गई। फेवरेट माने जा रहे विपक्षी गठबंधन के नेता पीटर डटन भी चुनाव हार गए। वह देश में पहले ऐसे विपक्षी नेता बने जो अपनी ही सीट हार गए हैं। इसे ऑस्ट्रेलिया के इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक हार माना जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया की तरह कनाडा में भी दक्षिणपंथी पार्टी की हार हुई है। 28 अप्रैल को हुए चुनाव में लिबरल पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत तक लिबरल पार्टी की स्थिति बेहद खराब थी, लेकिन ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद स्थिति बदल गई। ऑस्ट्रेलिया-कनाडा में दक्षिणपंथी पार्टियों की हार को ट्रम्प के टैरिफ से जोड़कर देखा जा रहा है।

लेडी गागा के रियो कॉन्सर्ट में विस्फोट की साजिश नाकाम दो आरोपित गिरफ्तार

रियो डी जेनेरियो,05 मई (एजेंसियां)।

ब्राजील की पुलिस ने पॉप स्टार लेडी गागा के रियो डी जेनेरियो में आयोजित ऐतिहासिक मुफ्त कॉन्सर्ट में विस्फोट करने की साजिश रचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कॉन्सर्ट शनिवार को कोपाकबाना बीच पर आयोजित किया गया था, जिसमें अनुमानित 25 लाख से अधिक प्रशंसक शामिल हुए थे।

ब्राजीलियाई अधिकारियों के अनुसार, संदिग्धों को कॉन्सर्ट से कुछ घंटे पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ, जिससे कुछ लोगों ने खतरे की गंभीरता पर सवाल उठाए। आमतौर पर इस प्रकार के बड़े आयोजनों में सुरक्षा चिंताओं के चलते कार्यक्रम रद्द कर दिए जाते हैं, जैसा कि पिछले वर्ष विएना में टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट के साथ हुआ था।

पुलिस ने तत्काल साजिश की जानकारी सार्वजनिक नहीं की ताकि घबराहट और अफवाहों से बचा जा सके। रविवार को लेडी गागा की टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्हें इस साजिश की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स से ही मिली। बयान में कहा गया, शो से पहले और इसके दौरान सुरक्षा को लेकर कोई जानकारी या पुलिस की ओर से कोई सतर्कता नहीं दी गई थी। लेकिन टीम ने आयोजन की योजना और निष्पादन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया था। राज्य पुलिस और ब्राजील के न्याय मंत्रालय ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों का संबंध एक ऐसे समूह से है जो एलजीबीटीक्यू+ समुदाय और अन्य वर्गों के खिलाफ घृणा फैलाने वाला भाषण प्रसारित करता है। यह समूह सोशल मीडिया पर पहचान बनाने के लिए इस हमले को सामूहिक चुनौती के रूप में अंजाम देना चाहता था।

पत्थर फेंकते हुए फिलिस्तीन प्रदर्शन कारी

वेस्ट बैंक में इजरायली सेनाओं से संघर्ष के दौरान पत्थर फेंकते हुए फिलिस्तीन प्रदर्शन कारी।

भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के 12 सैन्य अफसर ट्रेनिंग के लिए नेपाल पहुंचे, रक्षा विशेषज्ञ आश्चर्यचकित

काठमांडू,05 मई (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जारी तनाव के बीच पाकिस्तान की सेना के 12 अधिकारी 12 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए काठमांडू पहुंचे हैं।

नेपाली सेना ने एक बयान में कहा कि यह अधिकारी पाकिस्तान सेना के नेशनल सिक्योरिटी एंड वार कॉलेज के हैं। पाकिस्तान के नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के मातहत रहे यह अधिकारी एयर कोमोडोर साद मंसूर अंसारी के नेतृत्व में नेपाल आए हैं। नेपाली सेना के माउंटेन वारफेयर कॉलेज में इन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद नेपाल ने आतंकवाद के मसले पर भारत को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। मगर इस घटनाक्रम से उसकी घोषणा पर सवाल खड़े हुए हैं। स्थानीय नागरिक पहलगाम हमले से खफा हैं। नेपाल में लगातार पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहा है। लोग पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के फैसले से आश्चर्यचकित हैं।

नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल विनोज बस्नेत ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस तरह के तनाव के बीच नेपाल द्वारा पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को बुलाना रणनीतिक रूप से सही नहीं है।

यूके में आतंकी साजिश की योजना बनाते हुए चार ईरानी नागरिक गिरफ्तार

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के काउंटर-टेररिज्म कमांड ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया

लंदन,05 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन में पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें चार ईरानी नागरिक हैं। इन पर आतंकवादी कृत्य की तैयारी का आरोप है, और ये एक खास जगह को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। ये खबर न सिर्फ ब्रिटेन, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चौंकाने वाली है। इस खबर के बाद से यूके में इमीग्रेशन को लेकर सवाल उठने लगे हैं।मेट्रोपॉलिटन पुलिस के काउंटर-टेररिज्म कमांड ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए लोग 29 से 46 साल की उम्र के हैं। चार ईरानी नागरिकों को

स्विंडन, वेस्ट लंदन, स्टॉकपोर्ट और रोचडेल में पकड़ा गया, जबकि पांचवें शख्स की राष्ट्रीयता और उम्र अभी साफ नहीं हुई है। उसे मैनचेस्टर में पुलिस और आपराधिक साक्ष्य अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया. पुलिस ने ग्रेटर मैनचेस्टर, लंदन और स्विंडन में कई ठिकानों पर तलाशी शुरू कर दी है, और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस, विल्टशायर पुलिस और देशभर के काउंटर-टेररिज्म ऑफिसर्स इस ऑपरेशन में जुटे हैं। पुलिस का कहना है कि ये साजिश एक 'खास जगह' को निशाना बनाने की थी, लेकिन ऑपरेशनल कारणों से उस जगह का नाम नहीं बताया गया। मेट पुलिस ने उस साइट के मालिकों या प्रबंधकों को सूचित कर दिया है और उन्हें सुरक्षा बढ़ाने से जुड़ी सहायता दी जा रही है।

पुर्तगाल सरकार का ऐलान, अप्रवासियों को निकालेंगे बाहर, 20 दिन की देंगे मोहलत

लिस्बन। पुर्तगाल में चोरी-छुपे रह रहे 18 हजार से ज्यादा विदेशी लोगों को सरकार ने देश से बाहर निकालने का फैसला लिया है। पुर्तगाल में 18 मई को मिड टर्म के चुनाव होना हैं। इसमें आप्रवासन बड़ा मुद्दा है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अंतोनियो लेइतो अमारो ने कहा कि कार्यवाहक सरकार जल्द ही इसके लिए नोटिफिकेशन जारी करेगी। शुरुआत में करीब 4,500 विदेशियों को स्वेच्छा से देश छोड़कर जाने का को कहा जाएगा। पुर्तगाल छोड़ने के लिए उन्हें 20 दिन की मोहलत दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोंटेनेग्रो ने मार्च में जल्द चुनाव कराए जाने की घोषणा की थी। दरअसल, उनकी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार संसद में विश्वास मत हार गई थी।

पानी बंद होने के बाद अब पैदल कर चेनाब पार

जम्मू, 05 मई (ब्यूरो)।
भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित करने के बाद अब पाकिस्तान को बूंद बूंद पानी के लिए तरसाना शुरू कर दिया है।

चेनाब नदी के सलाल प्रोजेक्ट द्वारा नदी का पानी रोक दिए जाने के कारण अखनूर चेनाब नदी का जलस्तर काफी कम हो गया है। यह इतिहास में अब तक मापी गई सबसे कम जल मात्रा है। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कुछ स्थानों पर स्थानीय लोग पैदल ही चेनाब दरिया पार कर रहे हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान में पानी की आवाजाही रुक गई है।

सिंधु जल संधि स्थगित करने के क्रम में भारत ने चेनाब दरिया के सभी बांधों से पानी को रोक कर पानी को पाकिस्तान में बहने से रोक दिया है। भारत सरकार ने सिंधु जल संधि तोड़ने के करीब 10 दिनों के भीतर यह कदम उठाया है।

इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत को चेनाब नदी से मिलने वाले पानी में भारी कटौती हो सकती है। दशकों पुरानी सिंधु जल संधि स्थगित करने के बाद भारत ने चेनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के गेट भी बंद कर दिए हैं। चेनाब का पानी रोकने का सीधा असर पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत पर देखा जा रहा है, जहां नदी के जलस्तर में भारी गिरावट आई है।

चेनाब पर बगलिहार बांध को रन आफ द रिवर हाईड्रो पावर प्लांट के तहत बनाया गया था। यानी इस बांध से पानी के बहाव को अभी तक रोका नहीं जा रहा था। पानी के बहाव को बाधित किए बिना बिजली पैदा की जा रही थी। संधि जल संधि के तहत जिन छह नदियों का जिक्र है उसमें चेनाब भी शामिल है। यह पश्चिमी नदी है और संधि के मुताबिक इस नदी के पानी का इस्तेमाल भारत पन बिजली उत्पादन के लिए कर सकता है।

इस वाटर अटैक के बाद भारत ने इसी सिंधु जल संधि को लेकर और बड़ा कदम उठाया है। उसने सिंधु जल संधि की नदी पर बन रहे किशनगंगा-रतले जल विद्युत परियोजना से जुड़े विवाद पर वर्ल्ड बैंक में चल रही सुनवाई को भी स्थगित करने को कहा है। इसको लेकर भारत जल्द ही इसको लेकर एक अनुरोध पत्र तटस्थ विशेषज्ञ को भेजने वाला है। इसकी एक प्रति वर्ल्ड बैंक को भी दी जाएगी।

भारत ने कहा है कि उसने खुद को सिंधु जल संधि से अलग कर लिया है। ऐसे में अब विवाद से जुड़ी तटस्थ विशेषज्ञ की विवाद समाधान प्रक्रिया को भी अब रोक दिया जाए। इस पर सुनवाई का कोई अर्थ नहीं रह गया है।

नए आपराधिक कानूनों से

ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी: शाह

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी।

श्री शाह ने सोमवार को यहां दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्-सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ राष्ट्रीय राजधानी में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के निदेशक सहित गृह मंत्रालय और

दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से ज़मीनी स्तर पर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और ज़िम्मेदारी बढ़ेगी। गृह मंत्री ने नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की ज़िम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 60 और 90 दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया की पूरी तथा निरंतर निगरानी होनी चाहिए और इस समयसीमा का कड़ाई से पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जघन्य अपराधों के मामलों में वर्तमान दोषसिद्धि दर को कम से कम 20 प्रतिशत बढ़ाए जाने के प्रयास किए जाएं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ई-समन को सीधे अदालत से ही प्रेषित किया जाना चाहिए और इनकी प्रति स्थानीय पुलिस स्टेशन को भी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियोजन निदेशालय में नियुक्ति की प्रक्रिया में तेज़ी लानी चाहिए और किसी भी मामले में अपील के बारे में निर्णय अभियोजन निदेशालय द्वारा ही लिया जाए।

पुंछ में आईईडी बरामदगी से हमलों की आशंका थमी

11वीं रात भी पाकिस्तानी सेना बरसाती रही गोलियां

जम्मू, 05 मई (ब्यूरो)।
सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। पहलगाम के बाद पुंछ में आतंकवादी बड़े हमले की फिराक में थे। समय रहते जवानों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। सुरक्षाबलों ने सोमवार को पुंछ से 5 आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े जब्त किए है।

इसके बाद इलाके में भारतीय सेना का आपरेशन जारी है। दूसरी ओर पाक सेना द्वारा लगातार 11वीं रात एलओसी के लगभग सभी सेक्टरों में की जा रही गोलीबारी का भारतीयपक्ष द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने का पर्दाफाश करते हुए 5 आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े बरामद किए हैं। जवानों को यह सफलता पुंछ के सूरनकोट में मारहोट गांव में मिली है। सुरक्षा बलों का कहना है कि यह आतंकियों के छिपने की जगह है।

इस्तेमाल के लिये तैयार पांचों आईईडी (जिनका वजन आधा किलोग्राम से पांच किलोग्राम के बीच था) को मौके पर ही

नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया। इससे सीमावर्ती जिले में विस्फोट करने की आतंकवादियों की साजिश विफल हो गई।

रविवार देर शाम सुरनकोट के मरहोटे इलाके के सुरंथल में सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। दो आईईडी स्टील की बाल्टियों में रखे हुए पाए गए, जबकि तीन अन्य को टिफिन बॉक्स में पैक किया गया था। इसके अलावा, ठिकाने से दो वायरलेस सेट, यूरिया के पांच पैकेट, पांच लीटर का एक गैस सिलेंडर, एक दूरबीन, तीन ऊनी टोपियां, तीन कंबल और कुछ पतलून और बर्तन बरामद किए गए हैं।

इस बीच पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर में एलओसी के पास आठ अग्रिम सेक्टरों में बिना उकसावे के गोलीबारी की और संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। भारतीय सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव के बीच नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी की यह लगातार 11वीं रात है। 4 और 5 मई की रात को, पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू कश्मीर में कुपवाड़ा, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के विपरीत इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना ने तुरंत और आनुपातिक रूप से जवाब दिया। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू क्षेत्र में पीर पंजाल पर्वतमाला के दक्षिण में पांच सीमावर्ती जिलों जम्मू, राजौरी और पुंछ तथा कश्मीर घाटी में बारामुला और कुपवाड़ा जिलों में रात भर गोलीबारी की।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामुला जिलों में नियंत्रण रेखा के पास कई चौकियों पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू करने के बाद, पाकिस्तान ने तेजी से पुंछ सेक्टर और उसके बाद जम्मू क्षेत्र के अखनूर सेक्टर में संघर्ष विराम संधि का उल्लंघन किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद सुरक्षित रखे गए निर्णयों पर सभी उच्च न्यायालयों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने वर्षों तक निर्णय सुरक्षित रखने के बाद भी फैसला न सुनाए जाने पर सोमवार को आपत्ति जतायी और सभी उच्च न्यायालयों से एक महीने के भीतर उन मामलों से संबंधित रिपोर्ट मांगी, जिनमें 31 जनवरी, 2025 को या उससे पहले निर्णय सुरक्षित रखे गए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए कहा कि यह अदालत उच्च न्यायालयों के लिए कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तय करेगी।

पीठ ने उच्च न्यायालय द्वारा इस तरह से निर्णय न सुनाए जाने को ' बहुत परेशान करने वाला मुद्दा' बताया।

पीठ ने कहा देखते हैं। ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत परेशान करने वाला मुद्दा है, लेकिन हमें परिस्थितियों का पता नहीं है - ऐसा क्यों हुआ - लेकिन हम निश्चित रूप से कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तय करना

चाहेंगे। इसे इस तरह से होने नहीं दिया जा सकता।

झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा चार आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों की याचिका पर एक रिपोर्ट दायर की गई थी, जिसमें शिकायत की थी कि उच्च न्यायालय ने 2022 में अपना आदेश सुरक्षित रखने के बावजूद उनकी आपराधिक अपीलों पर अपना फैसला नहीं सुनाया है।

पीठ ने कहा झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा भेजी गई रिपोर्ट को देखने के बाद, हमें ऐसा लगता है कि हमें सभी उच्च न्यायालयों से ऐसी रिपोर्ट मिलनी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने सभी उच्च न्यायालयों से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगते हुए कहा कि सूचना में आपराधिक अपीलों और दीवानी मामलों का अलग-अलग विवरण होना चाहिए, साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह खंडपीठ का मामला है या एकल न्यायाधीश का।

पीठ ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष कुल 67 मामले लंबित हैं, जिनमें आदेश सुरक्षित रखा गया है, लेकिन आज तक निर्णय नहीं सुनाया गया है।

शीर्ष अदालत ने पाया कि कुछ आपराधिक अपीलों सहित 56 मामले हैं, जिनमें उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 4 जनवरी, 2022 से लेकर 16 दिसंबर 2024 तक तक अलग-अलग तारीखों पर मामलों की सुनवाई की है लेकिन इन मामलों में अंतिम फैसले का इंतजार है।

पीठ ने अपने आदेश में दर्ज किया एक अन्य न्यायाधीश के समक्ष 11 एकल न्यायाधीश मामले भी हैं, जहां 25 जुलाई, 2024 से 27 सितंबर, 2024 तक अलग-अलग तारीखों पर आदेश सुरक्षित रखे गए हैं।

पीठ ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को उन 75 आपराधिक अपीलों की सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिनमें उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय सुनाए गए हैं।

चार आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों की ओर से पेश अधिवक्ता फौजिया शकील ने बताया कि इसी तरह के 10 दोषी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं और उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय नहीं सुनाया गया है।

पीठ ने चार दोषियों की याचिकाओं को 12 मई के लिए सूचीबद्ध करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर आपराधिक अपीलों के भविष्य के बारे में विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वे रांची जेल में बंद 10 कैदियों को कानूनी उपाय प्रदान करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि याचिकाकर्ताओं जैसे दोषियों को भी उपायहीन न छोड़ा जाए। शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई जुलाई में करेगी।

वैदिक ज्ञान आधुनिक पारिस्थितिक चुनौतियों के समाधान की कुंजी: धनखड़

सिरसी, 05 मई (एजेंसियां)।
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता और वैदिक संस्कृति ने लंबे समय से टिकाऊ जीवन शैली का समर्थन किया है। यह ज्ञान आधुनिक पारिस्थितिक चुनौतियों का समाधान करने की कुंजी है।

राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका पर एक विशेष कार्यक्रम के दौरान वानिकी महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा यह भूमि आध्यात्मिकता और स्थिरता का संगम है। स्थिरता केवल अर्थव्यवस्था के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है - यह स्वस्थ जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। हमारी वैदिक संस्कृति ने हजारों वर्षों से स्थिरता का उपदेश दिया है।

प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के खिलाफ चेतावनी देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा स्थायी विकास का कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने उपभोग-संचालित प्रथाओं से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

गहन पारिस्थितिक चेतना का आह्वान करते हुए श्री धनखड़ ने घोषणा की हम धरती माता के उपभोक्ता नहीं, बल्कि ट्रस्टी हैं। हम इसे भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए बाध्य हैं।

जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर जोर देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यह संकट खतरनाक रूप से चट्टान की तरह लटक रहा है और मानवता के पास धरती माता के अलावा रहने के लिए कोई दूसरा ग्रह नहीं है।

वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संतुलन के लिए अपरिहार्य हैं।

उन्होंने कहा यदि किसी देश के वन अच्छी स्थिति में हैं, तो उसके लोग अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे।

उन्होंने कहा कि कृषि देश की जीवन रेखा है, लेकिन वन जलवायु को नियंत्रित करते हैं, आपदाओं को रोकते हैं और गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की आजीविका का समर्थन करते हैं।

पर्यावरण क्षरण के सभी रूपों को प्रभावित करने की चेतावनी देते हुए श्री धनखड़ ने कहा आज हम एक महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना कर रहे हैं: पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करना, और सामने आ रहे गंभीर संकट को दूर करने के तरीके खोजना।

उन्होंने अंत:विषय शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा हमें सीखने के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, पर्यावरण और वन शिक्षा अब अलग-अलग नहीं रह सकती।

छात्रों से जिज्ञासा और नवाचार अपनाने का आग्रह करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा आज आप जिस विषय का अध्ययन कर रहे हैं, उसमें उपचार और उत्पादन की कुंजी छिपी है। आप वास्तव में शोध के लिए एक प्रभावी केंद्र बन सकते हैं, खासकर जब बात वन उपज की हो।

धर्मेंद्र से मिलने उनके घर पहुंचीं जया प्रदा तो झूमे ही मैन

ही मैन धर्मेंद्र का उस वक्त खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब जया प्रदा उनसे मिलने उनके घर पहुंचीं। धर्मेंद्र खुशी से झूम उठे और उन्होंने जया प्रदा संग कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। जया ने पीले रंग का शरारा और कुर्ता पहना था। वहीं धर्मेंद्र ने ऑफ व्हाइट शर्ट और नीले रंग की पैंट पहनी थी। धर्मेंद्र ने जैसे ही जया प्रदा संग तस्वीरें शेयर कीं, ये तुरंत ही वायरल हो गईं और फैंस ने प्यार बरसाना शुरू कर दिया।ही मैन धर्मेंद्र ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जया प्रदा संग तस्वीरें शेयर कर लिखा, जया प्रदा, मेरी प्यारी को-स्टार, अपने प्यारे परिवार और दोस्तों के साथ आज मुझसे मिलने आईं। मैं उन सभी को देखकर बहुत खुश हूं।

जया प्रदा के साथ धर्मेंद्र की फिल्में और जोड़ी

धर्मेंद्र के पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार बरसाया। वो लंबे समय बाद धर्मेंद्र और जया प्रदा का साथ देख खुश हो गए और उनकी जोड़ी की तारीफ की। जया प्रदा और धर्मेंद्र ने साथ में कई फिल्में कीं, जिनमें न्यायदादा, मर्दों वाली बात, गंगा तेरे देश में, शहजादे, धरम और कानून, पापी देवता, फरिश्ते और मैदान-ए-जंग जैसे कई नाम शामिल हैं।

जया ने धर्मेंद्र को बताया था सबसे बड़ा फ्लर्ट

वहीं, जब जया एक बार कपिल शर्मा के शो में आई थीं, तो उन्होंने बताया था कि सेट पर धर्मेंद्र सबसे ज्यादा फ्लर्ट करते थे। वहीं, इंडियन आइडल में जया प्रदा ने बचाया था कि रोमांटिक सीन के दौरान धर्मेंद्र की हालत खराब हो जाती थी। होस्ट जय भानुशाली ने तब जया प्रदा को धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा और ऋषि कपूर की तस्वीर दिखाकर पूछा था कि इनमें से रोमांटिक सीन में किसके सबसे ज्यादा पसीने छूटते थे।

जया प्रदा बोली थीं- धरम जी के पसीने छूट जाते थे

तो जया प्रदा ने बताया था, धरम जी के पसीने छूट जाते थे। हीरो से ज्यादा मुझे फ्रेंड नजर आते हैं। लेकिन जो रिहर्सल में करते हैं, वो टेक में नहीं होता, क्योंकि टेक में कुछ और करते हैं।

नागा चैतन्य के घर गूंजेगी की किलकारी?

शोभिता हैं प्रेग्नेंट!

शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य ने 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में शादी की थी। इस वेडिंग सेरेमनी में उनकी फैमिली और करीबी दोस्त ही शामि हुए थे। शादी के 6 महीने बाद अफवाह उड़ रही शोभिता मां बनने वाली ही में मुंबई में वेव्स 202 थीं। इस दौरान उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी और अपने पेट को छिपाया हुआ था। इसी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वो मां बनने वाली हैं।

हालांकि,शोभिता या नागा चैतन्य की तरफ से अभी तक इस पर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन परिवार के एक अंदरुनी सूत्र ने हमारे सहयोगी ईटाइम्स को दिए एक बयान में अटकलों को खारिज कर दिया है। सूत्र ने कहा, उन्होंने मेटरनिटी नहीं, एंटी-फिट पहना था। हैरानी है कि

एक बदलाव कैसे ई कहानी को जन्म दे सकता है।

सामंथा से हुई थी पहली शादी

नागा चैतन्य की हली शादी सामंथा प्रभु से हुई थी। दोनों 15 में डेट करना शुरू र 2007 में इन्होंने लेकिन इनके रिश्ते में खटास आ गई और 2021 में इनका तलाक हो गया।

2024 में शोभिता से की दूसरी शादी

इसके बाद नागा चैतन्य की मुलाकात शोभिता से हुई। दोनों ने डेटिंग के दो साल बाद 2024 में शादी कर ली। हालांकि, सामंथा के फैंस अक्सर शोभिता को ट्रोल करते हैं और उनके पोस्ट पर कॉमेंट्स करते हैं। सामंथा के फैंस लिखते हैं कि वो बेस्ट हैं।

मेट गाला 2025 से पहले गर्भवती कियारा का बैग थामे दिखे सिद्धार्थ मल्होत्रा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और उनकी प्रेग्नेंट वाइफ कियारा आडवाणी मेट गाला 2025 में डेब्यू से पहले न्यूयॉर्क के उनके होटल के बाहर नजर आए। यकीनन ये साल सिद्धार्थ और कियारा के लिए काफी स्पेशल होने जा रहा है। प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी मेट गाला 2025 में अपना जलवा बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। न्यूयॉर्क सिटी में उनके साथ शामिल होने कोई और नहीं बल्कि उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा हैं। बॉलीवुड में फैन्स के चहेते इस पावर कपल को हाल ही में न्यूयॉर्क की सड़कों पर टहलते हुए देखा गया।

सिद्धार्थ ने बीवी का सफेद हैंडबैग थाम रखा था

कियारा इस वक्त अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं, जो एक जैकेट में नजर आईं। इंटरनेट पर इस वक्त चर्चा इस बात को लेकर तेज हो रही है कि सिद्धार्थ ने बीवी का सफेद हैंडबैग थाम रखा था। ऐसा लग रहा था कि वे एक रोमांटिक आउटिंग से वापस आ रहे थे।

सिद्धार्थ का ये अंदाज फैन्स को काफी कूल लगा है

एनवाईएस में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की खूबसूरत पलों की ये एक अनदेखी तस्वीर रेडिट पर सामने आई, जिसमें दोनों एक डेट नाइट के बाद कैमरे में कैप्चर हुए । हालांकि, ये तस्वीर जरा धुंधली है, लेकिन सिद्धार्थ का ये अंदाज फैन्स को काफी कूल लगा है। लोगों ने उनके इस जेश्चर की तारीफ की है क्योंकि अगर तस्वीर को गौर से देखें तो सिद्धार्थ ने जो पर्स उठा रखा है वो बहुत भारी नहीं दिख रहा। ऐसे में लोग इस बात की तारीफ कर रहे हैं कि वो वाइफ का कितना खय़ाल रख रहे हैं।

वहीं दो हफ्ते पहले कियारा-सिद्धार्थ को एक अस्पताल के बाहर देखा गया था, जहां कियारा पहली बार अपना बेबी बंप और प्रेग्नेंसी ग्लो में दिखी थीं। अब अपने इस नए एहसास के साथ इस खुशी को और बढ़ाने के लिए कियारा मेट गाला में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि मेट गाला 2025 का आयोजन 5 मई 2025 से शुरू हो गया है। हर साल फैशन की दुनिया का ये शानदार इवेंट इस बार ये मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट, न्यूयॉर्क सिटी में आयोजित किया गया है।

जब एआर रहमान के कॉन्सर्ट में अचानक पहुंचे धनुष स्टेज पर जुगलबंदी देख खुशी से झूमे फैंस

साउथ स्टार धनुष ने हाल ही में अपने शूटिंग शेड्यूल से कुछ समय निकालकर मुंबई में म्यूजिक के उस्ताद एआर रहमान के साथ उनके कॉन्सर्ट में हिस्सा लिया।
एआर रहमान के वंडरमेंट टूर के मुंबई फेज के दौरान स्टेज पर आकर एक्टर ने अपने फैंस को हैरान कर दिया। दोनों ने फिल्म रायन के गाने अदंगाथा असुरन का एक पावरफुल लाइव परफॉर्म। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। धनुष को स्टेज पर कैजुअल कपड़ों में देखा गया। वो जैसे ही स्टेज पर आए, फैंस उनका नाम जोर-जोर से चिल्लाने लगे। एक्टर ने उनका अभिवादन किया और फिर गाना गाया। अदंगाथा असुरन गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है और बोल धनुष ने लिखे हैं।

सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन ने रायन फिल्म को प्रोड्यूस किया है। इसमें सेल्वा राघवन, सरवनन, एसजे सूर्या, संदीप किशन, दुशारा विजयन, प्रकाश राज, कालिदास जयराम और अपर्णा बालमुरली जैसे कलाकारों की टोली है। फिल्म चार भाई-बहनों की कहानी है, जो अपने गांव से भागकर शहर में शरण लेते हैं।

धनुष की अपकमिंग मूवीज

धनुष के पास कई अपकमिंग मूवीज है। इनमें तेरे इश्क में, शेखर कम्मुला की कुबेरा है। इडली कढ़ाई भी है, जिसका निर्देशन धनुष ने ही किया है। ये फिल्म 1 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। ये पहले अजीत कुमार की गुड बैड अगली के साथ रिलीज हो रही थी, लेकिन क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने इसे रीशेड्यूल किया।

कपूर लेडीज संग दिखे कपिल शर्मा और पत्नी गिन्नी

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा टीवी, ओटीटी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में तहलका मचा रहे हैं। वह अपने मस्ती भरे अंदाज से लोगों के दिलों में खास जगह बना रहे हैं। कपिल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। उनका हर एक पोस्ट शेयर करते ही इंटरनेट पर वायरल हो जाता है। इस बीच उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया है, जिसमें दिग्गज अदाकारा नीतू सिंह, उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर और बाकी अन्य लोग भी नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए फोटो में कपिल शर्मा अपनी पत्नी गिन्नी चतरथ, नीतू सिंह और उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर, एक्ट्रेस सादिया खातीब और फैशन डिजाइनर कोमल साहनी के साथ नजर आ रहे हैं। सभी मुस्कुराते हुए कैमरे की ओर पोज दे रहे हैं।इस फोटो को शेयर करते हुए कपिल ने कैप्शन में लिखा- सफर के मीलों, अनगिनत कहानियों, और पर्दे के पीछे ढेर सारा प्यार से भरा अनुभव। कपिल को कॉमेडी का बादशाह कहा जाता है, आज वह घर-घर में लोकप्रिय हैं। अपनी बातों से वह लोगों के चेहरे पर हंसी ला देते हैं। उन्होंने हंसदे हंसादे रवो टीवी शो से कॉमेडी की दुनिया में डेब्यू किया था। वह द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज- के विनर भी रहे। इस शो को जीतने के बाद उनकी किस्मत पलट गई और इसके बाद वे कॉमेडी सर्कस में नजर आए। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस के9 भी खोला। कपिल ने कलर्स चैनल के साथ मिलकर कॉमेडी नाइट्स विद कपिल शुरू किया, जो काफी हिट रहा।उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। 2016 में वह डायरेक्टर अब्बास-मस्तान की फिल्म किस किस को प्यार करूं में लीड रोल में नजर आए। इसके बाद उन्होंने फिरंगी और ज्विगाटो में काम किया और पंजाबी फिल्म सन ऑफ मंजीत सिंह प्रोड्यूस की।

20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर

साल 2007 की सुपरहिट फिल्म 'तारे ज़मीन पर' का स्पिरिचुअल सीक्वल कहे जा रहे आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर का एलान होते ही लोगों में एक्साइटमेंट बना हुआ था। और अब इंतज़ार खत्म हुआ है। फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है और इसका पहला ऑफिशियल पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है और साथ ही रिलीज़ डेट का भी ऐलान हुआ है। ये फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

अब जब फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ चुका है, तो फैन्स की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। पोस्टर में आमिर खान के साथ 10 नए चेहरे भी नज़र आ रहे हैं, जो इस बात का इशारा कर रहे हैं कि एक और खुबसूरत, ताज़गी भरी और दिल छू लेने वाली कहानी आने वाली है। सितारे ज़मीन पर के ज़रिए आमिर खान प्रोडक्शंस 10 डेब्यू एक्टर्स को लॉन्च कर रहा है जिसमें अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। फिल्म की पहली झलक काफी आकर्षक है और अब दर्शकों को इससे जुड़ी और भी चीज़ें देखने की बेसब्री है।

सितारे ज़मीन पर के जरिए आमिर खान लंबे वक्त बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं और इस बार उनके साथ नजर आएंगी जेनेलिया देशमुख। पोस्टर देखकर साफ लगता है कि आमिर कुछ बेहद खास लेकर आ रहे हैं। फैन्स इस फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

फिल्म का निर्देशन आर.एस. प्रसन्ना ने किया है, जो इससे पहले शुभ मंगल सावधान जैसी बैरियर तोड़ने वाली हिट फिल्म बना चुके हैं। उन्होंने स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की बायोपिक ऑन ए क्वेस्ट को भी प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया था, वही अध्यात्मिक गुरु जिन्होंने चिन्मय मिशन की शुरुआत की थी। आर.एस. प्रसन्ना ऐसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं जो सोचने पर मजबूर करें और दिल को भी छू जाएं।

सितारे ज़मीन पर आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही है, जिसमें आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने लिखे हैं अमिताभ भट्टाचार्य ने, और इसका म्यूज़िक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। स्क्रीनप्ले लिखा है दिव्य निधि शर्मा ने, और फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित प्रोड्यूस कर रहे हैं। आर.एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 जून को रिलीज होगी।

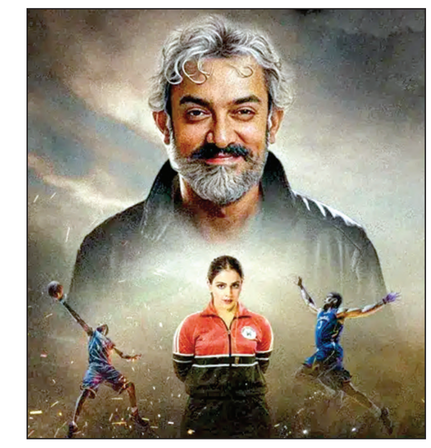

मई में 6 बड़े ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

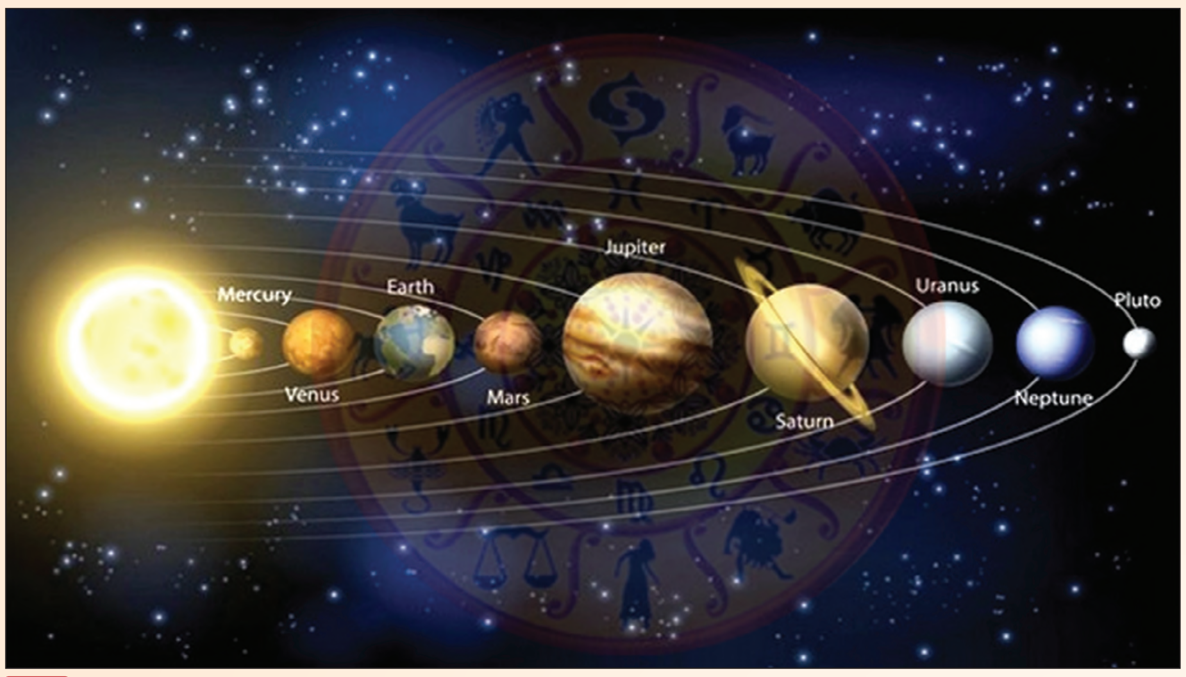

ज्योतिष की दृष्टि से वर्ष 2025 काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। अब अगस्त का महीना ज्योतिष और ग्रहों की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है। इसी कड़ी में मई माह में 5 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे। वैदिक ज्योति शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी राशि बदलते हैं जिसके कारण हर एक माह में कोई न कोई ग्रह अपना राशि परिवर्तन करते हैं जिसे ज्योतिष में ग्रहों का गोचर कहते हैं। । पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि मई 2025 का महीना खगोलीय दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण और दिलचस्प रहने वाला है। इस महीने में कुल 6 ग्रह अपनी राशियों में परिवर्तन करने जा रहे हैं, जो ज्योतिष शास्त्र में एक बड़ी घटना मानी जाती है। मई माह में 6 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। बुध सूर्य शुक्र गुरु राहु केतु राशि परिवर्तन करेंगे लेकिन बुध दो बार राशि परिवर्तन करेगा। जब ग्रह अपनी राशियों में प्रवेश करते हैं, तो उनका असर हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि करियर, पारिवारिक जीवन, स्वास्थ्य, और वित्तीय मामलों पर पड़ता है।

मई 2025 में होने वाले इन गोचर परिवर्तनों का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग होगा और यह समय विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव, अवसर और चुनौतियां लेकर आ सकता है। कुछ ग्रहों का गोचर शिक्षा, विवाह, धार्मिक कार्यों, और आध्यात्मिकता से संबंधित विषयों पर प्रभाव डाल सकता है, वहीं कुछ का असर संचार, व्यापार और व्यक्तिगत संबंधों पर हो सकता है। इस महीने के ग्रहों के गोचर का प्रभाव जानना आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है ताकि आप अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से बना सकें और इस समय का अधिकतम लाभ उठा सकें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल का असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष के नजरिए से भी ये माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस माह में 6 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में जो भी घटनाएं घटित होती हैं। उनका कारण ग्रहीय दशा, गोचर, उनकी चाल है। सौरमंडल में बैठे ग्रह ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा और मनुष्य जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि में बुध का गोचर

बुध ग्रह 7 मई 2025 को प्रातः 4:13 बजे मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध का यह गोचर आपकी सोच और संवाद शैली को प्रभावित करेगा। मेष राशि में बुध का प्रवेश शिक्षा, संवाद, और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी लेकर आएगा। यदि आप व्यापार या नौकरी के लिए कुछ नया सोच रहे हैं, तो यह समय लाभकारी हो सकता है। मानसिक चंचलता में वृद्धि हो सकती है, लेकिन यदि आप अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगे, तो आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

मिथुन राशि में गुरु का गोचर

गुरु ग्रह 14 मई 2025 को रात्रि 11:20 बजे मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। यह गोचर शिक्षा, विवाह, और धार्मिक कार्यों पर प्रभाव डालने वाला होगा। बृहस्पति का यह गोचर आपके जीवन में एक नई दिशा ला सकता है, विशेषकर उन व्यक्तियों के लिए जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं या धार्मिक कार्यों में रुचि रखते हैं। विवाह और भाग्य के मामलों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है।

वृषभ राशि में सूर्य का गोचर

15 मई 2025 को सूर्य रात्रि 12:20 बजे वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के इस गोचर का असर आपके आत्मविश्वास, ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता पर पड़ेगा। वृषभ राशि में सूर्य के गोचर के दौरान आपको अपने करियर और जीवन में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। यह समय आपके आत्म-संप्रभुता को स्थापित करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त रहेगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

राहु और केतु का गोचर

18 मई 2025 को राहु और केतु दोनों ग्रह अपनी राशियां बदलेंगे। राहु प्रातः 4:30 बजे कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे, और केतु भी ठीक उसी समय सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इन दोनों ग्रहों के गोचर का प्रभाव आध्यात्मिकता, भ्रम और अनिश्चितता पर पड़ेगा। कुंभ राशि में राहु के गोचर से मानसिक स्पष्टता में वृद्धि हो सकती है, जबकि सिंह राशि में केतु का प्रवेश व्यक्तिगत रिश्तों में कुछ बदलाव ला सकता है।

वृषभ राशि में बुध का गोचर

23 मई 2025 को बुध एक बार फिर अपनी राशि बदलेंगे। बुध दोपहर 1:05 बजे वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे। यह बुध का दूसरी बार गोचर होगा, और यह समय संवाद और सोच के तरीके में बदलाव ला सकता है। वृषभ राशि में बुध का प्रवेश वित्तीय मामलों में सावधानी बरतने की सलाह देता है। आप अपने बजट और खर्चों को नियंत्रित कर सकते हैं और फिजूलखर्ची से बच सकते हैं।

मेष राशि में शुक्र का गोचर

31 मई 2025 को शुक्र प्रातः 11:42 बजे मेष राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र का यह गोचर प्रेम, कला, सौंदर्य और विलासिता से जुड़े क्षेत्रों में बदलाव लाएगा। मेष राशि में शुक्र का गोचर आपके व्यक्तिगत संबंधों और रचनात्मक कार्यों को प्रभावित करेगा। यह समय प्रेम और रोमांस के मामलों में उत्साह और नई संभावनाओं का समय हो सकता है।

12 राशियों पर फायदा या नुकसान

शुभ प्रभाव - मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन
अशुभ प्रभाव - वृष, सिंह, तुला और कुंभ
मिलाजुला प्रभाव - मेष कर्क, कन्या और धनु

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

कल बुध करेंगे मेष राशि में गोचर

वैदिक ज्योतिष के अनुसार सभी ग्रह समय-समय पर अपनी राशि बदलते रहते हैं। वैदिक ज्योतिष में ग्रहों की युति विशेष महत्व रखती है, और जब सूर्य और बुध एक ही राशि में एक साथ आते हैं, तो यह बुधादित्य योग का निर्माण करता है। यह योग बुद्धि, वाणी, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाता है। 7 मई 2025 को बुध मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे, जहाँ पहले से ही सूर्य विराजमान होंगे। यह युति मेष राशि में बुधादित्य योग का निर्माण करेगी, जो विशेष रूप से कुछ राशियों के लिए अत्यंत शुभ फलदायी सिद्ध होगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि बुध को वाणी, व्यापार और बुद्धि के कारक माना जाता है। बुध 7 मई 2025 को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध के राशि परिवर्तन होने से इनकम, निवेश और लेन-देन पर असर पड़ता है। जिससे कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है तो कुछ लोगों को नुकसान भी होता है। इस ग्रह के कारण शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं। साथ ही शरीर में नसें, तंत्रिका तंत्र, गले और स्किन से जुड़ी बीमारी भी बुध की वजह से होती है। इस ग्रह के कारण तर्क शक्ति पर असर पड़ता है। साथ ही पत्रकारिता, शिक्षा, लेखन और वकालात से जुड़े लोगों के कामकाज में भी बड़े बदलाव होते हैं।

बुध है नपुंसक ग्रह

बुध पुरुष ग्रह होने के बावजूद नपुंसक ग्रह कहलाता है। अर्थात यह जिस ग्रह के साथ बैठ जाए उसकी तरह व्यवहार करने लगता है। वक्री बुध यदि किसी खराब ग्रह के साथ बैठ गया और उसके खराब फल में वृद्धि हो जाती है।

बुध का वैदिक मंत्र

ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च।
अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत।।
बुध का तांत्रिक मंत्र
ॐ बुं बुधाय नमः
बुध का बीज मंत्र
ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

क्या होगा असर

राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। शेयर मार्केट बढ़ने की संभावना है। कीमती धातुओं के दाम कम होंगे। बाजार में खरीदारी बढ़ सकती है। खाने-पीनी की चीजें महंगी हो सकती है। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। लेन-देन और निवेश में कई लोगों को फायदा मिल सकता है। कई नौकरीपेशा लोग जॉब बदलने का मन बना सकते हैं। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते। पहाड़ी क्षेत्रों से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। भारतीय स्टॉक मार्केट पर चर्चा ज्यादा। धार्मिक स्थल तीर्थ स्थल पवित्र स्थल पर कोई न कोई घटना घटित होगी। राजनीति से जुड़े नेताओं से दुखद समाचार, वाहन से जुड़ी घटना और हमला होने की संभावना।

बुध गोचर का पांच राशियों पर होगा शुभ प्रभाव

7 मई को सुबह 4 बजकर 13 मिनट पर बुध मेष राशि में प्रवेश करेगा। मेष में बुध ग्रह 23 मई को दोपहर 1 बजकर 5 मिनट तक रहेगा। बुध के राशि परिवर्तन से 5 राशि के जातकों की लॉटरी लग सकती है।

कर्क: बुध गोचर का शुभ फल कर्क राशि के लोगों को मिल सकता है। इन लोगों को बिजनेस से लाभ मिलने के संकेत हैं। नौकरी करने वाले लोगों की सैलरी बढ़ सकती है, अन्य स्रोतो से भी आपके इनकम में बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। इस समय में आपका भाग्य प्रबल होगा, जिसकी वजह से बिगड़े हुए काम भी बनेंगे। जो काम करेंगे, उसमें सफलता की प्राप्ति होगी। किस्मत का साथ मिलने से करियर में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। आपको नई जॉब मिल सकती है। आपके पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

कन्या: बुध का राशि परिवर्तन कन्या राशि के लोगों के लिए शुभकारी होगा। इस समय में आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा। माता लक्ष्मी की कृपा से धन की कमी दूर होगी। यदि आप किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो उससे छुटकारा मिल सकता है। इस समय में आपकी सेहत ठीक रहेगी। फिजूलखर्च पर नियंत्रण रखने में सफल होंगे, जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। बिजनेस करने वाले जातक पहले से अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

तुला: बुध का शुभ प्रभाव होने से बिजनेस करने वाले जातकों को लाभ होगा। आपके बिजनेस आइडिया सफल हो सकते हैं और आपके काम का विस्तार भी हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। यह समय निवेश के लिए भी ठीक रहेगा। हालांकि बड़े निवेश से पहले अच्छी तरह से सोच विचार करना जरूरी है। इस राशि के जातक आय के नए स्रोत पा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

धनु: बुध के राशि परिवर्तन की वजह से धनु राशि के लोगों को करियर में आगे बढ़ने के नए मार्ग प्राप्त होंगे। हो सकता है कि इस समय में आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का प्रस्ताव मिल जाए या फिर आपका बिजनेस आइडिया सफल हो जाए। बिजनेस करने वालों को नया पार्टनर मिल सकता है, जिससे आपका काम बढ़ सकता है

कुंभ: बुध देव की कृपा से कुंभ राशिवालों के पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। जॉब में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। आपका ट्रांसफर हो सकता है। इससे आपको फायदा होने की उम्मीद है। जो लोग उच्च शिक्षा पाना चाहते हैं, उनके लिए समय अनुकूल है। बड़े संस्थानों में पढ़ाई के लिए आवेदन कर सकते हैं। आमदनी की दृष्टि से भी यह समय अच्छा रहेगा।

बुध के उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि रहेगा शुभ

मेष राशि में बुध के आ जाने से मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन राशियों के लोगों को जॉब और बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के भी योग बन रहे हैं। लेन-देन और निवेश में फायदा हो सकता है। इसके अलावा इन राशियों के लोग बड़े कामकाज की योजनाएं बनाएंगे। इन लोगों की तर्क शक्ति भी बढ़ेगी।

मेष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि रहेगा सामान्य

बुध के राशि परिवर्तन से मेष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि वाले लोगों के लिए समय सामान्य रहेगा। इन 4 राशि वाले लोगों के सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज को लेकर नए और बड़े लोगों से मुलाकात हो सकती है। रोजमर्रा के कामों में मेहनत भी ज्यादा करनी पड़ेगी। दौड़-भाग बनी रहेगी। साथ ही लेन-देन और निवेश सोच-समझकर करना होगा। सेहत के मामलों में इन राशि वालों को संभलकर रहना होगा।

वृष, और मकर राशि रहेगा अशुभ

बुध के मेष राशि में आ जाने से वृष और मकर राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन 3 राशियों के लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। सेविंग खत्म होने और निवेश में नुकसान होने की आशंका है। लेन-देन में भी सावधानी रखनी होगी। किस्मत का साथ नहीं मिल पाएगा। नसों से संबंधी रोग हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में बदलाव और स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

शुक्र मेष राशि में करेंगे परिवर्तन, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

शुक्र देव को सुखों का कारक माना जाता है। वर्तमान समय में शुक्र देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में शुक्र देव 30 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन शुक्र देव राशि मेष राशि गोचर करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से तुला और कुंभ राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है और जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे। साथ ही शुक्र देव की कृपा बनी रहेगी।

कब करेंगे शुक्र राशि परिवर्तन?

ज्योतिष गणना के अनुसार, 31 मई को शुक्र ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन शुक्र मीन राशि से निकल कर मेष राशि में गोचर करेंगे। शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन का असर राशि के जातकों पर पड़ेगा।

तुला :शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन का असर तुला राशि के जातकों पर पड़ेगा। इस राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे। कारोबार में लाभ के योग बनेंगे। सभी कामों के सफलता मिलेगी, जिससे मन खुशियों से भर जाएगा। जातक पर शुक्र देव की कृपा बनी रहेगी।

जॉब से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ: इसके अलावा शुक्र का राशि परिवर्तन से कुंभ राशि के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस राशि के जातकों को धन की प्राप्ति होगी। आर्थिक तंगी की समस्या से छुटकारा मिलेगा। साथ ही नए काम की शुरुआत के लिए कोई योजना बना सकते हैं। किसी काम का ऑफर मिल सकता है। जॉब में प्रमोशन के योग बनेंगे।

अगर आप शुक्र देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो रोजाना पूजा के दौरान शुक्र देव के इन मंत्रों का जप करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुक्र देव की पूजा करने से साधक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

ऊँ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः
ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
ऊँ वस्त्रं मे देहि शुक्राय स्वाहा
ऊँ शुं शुक्राय नमः

साल 2025 कब-कब करेंगे शुक्र राशि परिवर्तन

31 मई को शुक्र देव मेष राशि में परिवर्तन करेंगे।

28 जून को शुक्र देव वृषभ राशि में परिवर्तन करेंगे।

24 जुलाई को शुक्र देव मिथुन राशि में परिवर्तन करेंगे।

19 अगस्त को शुक्र देव कर्क राशि में परिवर्तन करेंगे।

13 सितंबर को शुक्र देव सिंह राशि में परिवर्तन करेंगे।

08 अक्टूबर को शुक्र देव कन्या राशि में परिवर्तन करेंगे।

01 नवंबर को शुक्र देव तुला राशि में परिवर्तन करेंगे।

20 दिसंबर को धनु देव तुला राशि में परिवर्तन करेंगे।

11 को मनाई जाएगी नरसिंह जयंती

नरसिंह जयंती बेहद शुभ मानी जाती है। यह दिन भगवान विष्णु के उग्र स्वरूप भगवान नरसिंह को समर्पित है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय और भक्तों की रक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस साल नरसिंह जयंती दिन रविवार, 11 मई को मनाई जाएगी, जो हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को पड़ती है।

पंचांग गणना के आधार पर वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 10 मई को शाम 05 बजकर 29 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 11 मई को रात 09 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल यह पर्व 11 मई को ही मनाया जाएगा।

नरसिंह जयंती पूजा विधि

सुबह उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।
पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से पवित्र करें।
एक वेदी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं।
भगवान नरसिंह की प्रतिमा स्थापित करें।
अगर नरसिंह जी की प्रतिमा न हो तो भगवान विष्णु की तस्वीर भी स्थापित कर सकते हैं।
पूजा शुरू करने से पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
भगवान नरसिंह की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराएं।
चंदन, कुमकुम, हल्दी और गुलाल आदि चीजें अर्पित करें।
उन्हें पीले या लाल रंग के वस्त्र पहनाएं और पीले फूलों की माला चढ़ाएं।
भगवान नरसिंह को फल, मिठाई, विशेष रूप से गुड़ और चना अर्पित करें।
पूजा में तुलसी दल जरूर शामिल करें।
घी का दीपक जलाएं।
भगवान नरसिंह के मंत्रों का जाप करें।
अंत में भगवान नरसिंह की आरती करें।
पूजा के दौरान हुई गलतियों के लिए माफी मांगे।
अपनी क्षमतानुसार गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।

पूजा मंत्र

ॐ क्रोध नरसिंहाय नृम नमः
ध्याये न्नृसिंहं तरुणार्कनेत्रं सिताम्बुजातं ज्वलिताग्रिवक्त्रम्।
अनादिमध्यान्तमजं पुराणं परात्परेशं जगतां निधानम्।।
ॐ उग्रवीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्। नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्युमृत्युं नमाम्यहम्।।

संपादकीय

वक्त की आवाज़

ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड के बाद देश में गुस्से और आक्रोश का माहौल है, तब एक विवेक की आवाज का बुलंद होना सुखद ही है। पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा ' हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।' बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगरा में एक परेशान करने वाला मामला प्रकाश में आया, जहां एक बिरयानी विक्रेता की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया कि यह पहलगाम त्रासदी का प्रतिशोध है। निस्संदेह, ऐसी संकीर्ण मानसिकता का राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा विरोध न किया जाना, अक्षम्य ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से ऐसी अप्रिय व परेशान करने वाली घटनाएं हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को ही नुकसान पहुंचाती हैं। खासकर उस ताने-बाने को, जो पहले से ही कमजोर पड़ रहा है। निर्विवाद रूप से कश्मीर के पहलगाम में हुई सांप्रदायिक हत्याओं के जरिये आतंकवादियों का मुख्य मकसद देश में हिंदू-मुस्लिमों के बीच तनाव पैदा करके देश की एकता को कमजोर करना था। ऐसे में यदि हम भी उसी सोच के साथ प्रतिक्रिया देने लगे तो कहीं न कहीं हम परोक्ष रूप से आतंकवादियों के मंसूबों को ही पूरा कर रहे होंगे। यह निर्विवाद तथ्य है कि हमें इसी समाज में रहना है और बेहतर होगा कि हम तमाम संकीर्णताओं को त्यागकर और मिलजुलकर ही रहें। यदि हम आतंकवादियों की सोच का प्रतिकार उनके एजेंडे के अनुरूप करेंगे तो निश्चिय ही गंगा-जमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। आतंकवादियों का मंसूबा जम्मू-कश्मीर ही नहीं पूरे देश में शांति को भंग करना था। ऐसी किसी भी संकीर्ण सोच को सामूहिक संकल्प से ही नाकाम किया जा सकता है। इसी तरह की सार्थक व प्रेरक प्रतिक्रिया गुरमेहर कौर की तरफ से आई, जिनके पिता वर्ष 1999 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। उन्होंने देशकाल-परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद की असली हार तब ही होती है जब हम हिंसा की प्रतिक्रिया में खुद को विभाजित करने से मना कर देते हैं। निस्संदेह, राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में, नागरिकों को उन लोगों को दृढ़ता से दूर करना चाहिए, जो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को उन तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए, जो आतंकवादियों के जघन्य कृत्यों की कीमत निर्दोष लोगों से वसूलने पर तुले हुए हैं। निर्विवाद रूप से हमारी विवेकशील प्रतिक्रिया और एक अखंड भारत की सोच ही आतंकवाद पर करारी चोट कर सकती है। वक्त की मांग है कि हम सीमा पार से चलाए जा रहे विभाजनकारी अभियानों को एकजुटता से विफल कर दें।

पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में नौसेना अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपने जीवनभर सालने वाले दुख के बावजूद अपील की है कि इस आतंकी हमले के लिये जिम्मेदार अपराधियों के अलावा किसी को कोई सजा न मिले। विनय नरवाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने कहा ' हम नहीं चाहते कि लोग अल्पसंख्यकों व कश्मीरियों को अपने आक्रोश का शिकार बनाएं।' बाकायदा, उन्होंने इस मौके पर देश में शांति बनाये रखने और सांप्रदायिक सद्भाव कायम रखने की जोरदार अपील की। जो उस सोच के विपरीत है जो पहलगाम के बैसरन में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद देश में उभारी जा रही है। दरअसल, हिमांशी ने उन उग्र सोच के लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया, जो इस राष्ट्रीय त्रासदी का लाभ उठाकर सांप्रदायिक प्रतिशोध की सोच को बढ़ावा दे रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

योगेंद्र योगी

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू

जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापसंद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोकरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया।

दृष्टि कोण

मीडिया की आज़ादी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

किसी भी देश अथवा समाज में स्वतंत्र मीडिया के बिना स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं हो सकता, क्योंकि मीडिया वास्तव में लोकतंत्र का प्रहरी होता है। लोकतंत्र का ही क्यों, मीडिया तो राष्ट्र, मानवीय सभ्यता और संस्कृति, यहां तक कि मानवता का भी रक्षक होता है। आश्चर्य नहीं कि समय-समय पर भारत एवं दुनिया भर में मीडिया ने अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं से इसे सही साबित भी किया है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समय बीतने के साथ-साथ मीडिया ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं में अपेक्षित परिवर्तनों के साथ विस्तार दिया है। मीडिया के कार्य करने का मुख्य आधार 'जनपक्षधरता' और इसका प्रधान उद्देश्य 'जनता में जागृति' लाना होता है और इन्हीं दोनों कारणों से मीडियाकर्मियों यानी पत्रकारों के लिए बिना रोक-टोक, विरोध और अड़चन के अपने कार्यों का निष्पादन कर पाना कभी भी सहज नहीं रहा है। दरअसल, जनपक्षधरता और जनता में जागृति लाने का कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है। इसीलिए दुनिया भर में प्रायः पत्रकारिता को बेहद जोखिम भरा कार्य माना जाता है। दुर्भाग्य से, दिनोंदिन जोखिम बढ़ने के कारण विश्व भर के लोकतांत्रिक देशों में पत्रकारों के लिए निष्पक्ष रहकर कार्य कर पाना लगातार मुश्किल और जोखिम भरा होता जा रहा है। कई बार अपने कार्यों का निष्पादन करते हुए पत्रकारों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। अब तक विश्व भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आ भी चुके हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2006 से 2020 के बीच दुनिया भर में 1,200 से अधिक मीडिया पेशेवरों की हत्या कर दी गई। इनमें से 90 प्रतिशत मामलों में उनके हत्यारे दंडित नहीं किए जा सके। इसके बावजूद, पत्रकारिता के मानदंडों पर खरे उतरते हुए पत्रकार सत्य को उजागर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकते। अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर कार्य करने वाले पत्रकारों की आवाज को कोई भी ताकत दबा न सके और उनके निष्पक्ष और सशक्त अभियानों पर कोई भी व्यक्ति, संस्थान या सरकार अंकुश न लगा सके, इसके लिए उनकी स्वतंत्रता बहुत जरूरी और अहम है। जाहिर है कि यदि वे स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो अपने कार्यों को निष्पक्ष रहते हुए अच्छे ढंग से नहीं कर पाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेस की स्वतंत्रता के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने तथा पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। यह दिन उन पत्रकारों को स्मरण और सम्मानित करने तथा श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है, जिन्होंने सत्य को उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है अथवा जिन्होंने देश-दुनिया में अपनी पत्रकारिता के दम पर अपना नाम बनाया और एक मुकाम हासिल किया है। प्रतिवर्ष रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक एक वैश्विक सूची प्रकाशित की जाती है। इस सूची में विश्वभर के पत्रकारों को कार्य करने की उपलब्ध स्वतंत्रता के आधार पर देशों की रैंकिंग प्रस्तुत की जाती है। बता दें कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारतीय पत्रकारों को लेकर चिंताजनक रुझान दिखाई दिए हैं। दरअसल, 2024 के इस सूचकांक में भारत विश्व भर के 180 देशों में 159वें स्थान पर मौजूद है, जो पिछली रिपोर्ट से भी नीचे है। रिपोर्ट में मीडिया स्वामित्व संकेन्द्रण, पत्रकारों का उत्पीड़न और इंटरनेट शटडाउन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। गौरतलब है कि 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाने के लिए यूनेस्को की ओर से प्रत्येक वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में सामान्यतः पत्रकारों, मीडिया नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होती है।

कुछ अलग

तीर्थ भारतवर्ष की आत्मा हैं

तीर्थ भारतवर्ष की आत्मा हैं। प्रयागराज महाकुंभ के बाद चार धाम यात्रा शुरू हो चुकी है। भारतवर्ष के आत्म तत्व, जीवन तत्व, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तत्व एवं समग्रता में यदि भारत को जानना है तो तीर्थ एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। भारतभूमि समग्रता में देवभूमि है। यहां के कण कण में दिव्यता और भव्यता विद्यमान है। साक्षात प्रजापिता ब्रह्मा ने इस सृष्टि की रचना की है। हिमालय भगवान शिव का वास है तो क्षीरसागर में स्वयं भगवान विष्णु विराजते हैं। यही कारण है कि भारत की मूल चेतना आध्यात्मिक है। यहां न केवल मनुष्य अपितु जड़-चेतन सभी में परमात्मा का वास मानकर सभी के कल्याण की कामना की गई है। यही कारण है कि वैदिक चिंतन वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष करता है तो सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना भी करता है। इसी प्रकार के मंत्र और उद्घोष यहां जन मन में संस्कार और विचार का निर्माण करते हैं। यहां समष्टि कल्याण के लिए कहीं देव नदियां हैं, कहीं पर्वत हैं तो कहीं ऋषि, मुनि, संत और साधक निरंतर साधनारत रहते हैं। इस साधना के अथवा तप के बल से वह स्थान तीर्थ बनता चला जाता है। भारत में तीर्थ यात्रा की परंपरा अनादि है। समाज जीवन के लोग समय-समय पर ऐसे तप स्थलों अथवा तीर्थों पर जाकर साधनारत संतों के दर्शन करते हैं और उनके उपदेशों से ऊर्जा और सन्मार्ग का संदेश प्राप्त कर पुनः सांसारिक जीवन में जाकर अपने कार्य व्यापारों को पूरा करते हैं। विभिन्न तिथियां एवं पर्व उत्सवों पर स्वच्छ और निर्मल नदियों में स्नान सामान्य नहीं है अपितु उसमें संत और देव कृपा की दिव्यता विद्यमान रहती है। तीर्थों की यह परंपरा स्वयं को पावन करने की परंपरा है। सर्वविदित है कि भारतीय ज्ञान, अध्यात्म एवं पूजा पद्धतियों पर अनेक बार हमले होते रहे हैं। विभिन्न मंदिरों के विध्वंश के बाद भी सनातन और अध्यात्म में जन आस्था बनी रही। परिणामस्वरूप वे स्थान पुनः अधिकाधिक दिव्यता और भव्यता के साथ पुनर्स्थापित हो रहे हैं। श्रीअयोध्या जी में बना भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर इस बात का प्रमाण है। आदि शंकराचार्य ने प्रश्नोत्तर रतनमालिका नामक रचना में लिखा है- किं तीर्थमपि च मुख्यम् ? अर्थात तीर्थ में मुख्य क्या है? अथवा तीर्थ यात्रा का महत्व क्या है? इसका उत्तर देते हुए वे लिखते हैं- चित्तमलं यन्निवर्तयति। अर्थात तीर्थ वह है जो मन की अशुद्धता को दूर करता है। यहां ध्यान रहे तीर्थ यात्रा केवल भौतिक यात्रा नहीं है अपितु यह मन की शुद्धि और वासनाओं से मुक्ति प्राप्त करना है। इतिहास प्रसिद्ध है कि केरल के कालड़ी में जन्मे आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत दर्शन और सनातन धर्म की रक्षा के लिए हजारों वर्ष पूर्व उत्तर में ज्योर्तिमठ बद्रीनाथ, दक्षिण में श्रृंगेरी पीठ, पश्चिम में शारदा पीठ तो पूर्व में गोवर्धन पीठ की स्थापना की। उन्होंने देश के विभिन्न स्थानों पर अपनी यात्राओं के माध्यम से जन जागरण के साथ-साथ मठ और पीठों की स्थापना की। उन्होंने वहां साधना की जिससे वे स्थान आध्यात्मिक केंद्र अथवा तीर्थ बन गए। आज भी इन तीर्थों पर प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ध्यान रहे तीर्थ वहीं है जहां ऋषि, मुनि एवं संत समाज साधनारत हैं। तीर्थों को तीर्थत्व संतों की साधना से ही मिलता है। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने अनेक स्थानों पर तीर्थराज प्रयाग के महत्व का उद्घाटन किया है-

सकल कामप्रद तीरथराऊ।
बेद बिदित जग प्रगट प्रभाऊ।।

वनवास के समय अयोध्या से निकलने के बाद श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी तीर्थराज प्रयाग सहित कई नदियों पर स्नान करते हैं और दिव्यता का अनुभव करते हैं। हाल ही में मां गंगा आरती के समय परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने अपने उद्बोधन में कहा है कि- भारत की आत्मा तीर्थों में बसती है और तीर्थ वह हैं जो हमें पवित्र कर देते हैं।

देश दुनिया से

क्या उच्चतम न्यायालय का देश के राष्ट्रपति को आदेश देना उचित है?

यह सही है कि कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं संसद (विधायिका) तीनों ही अपने-अपने क्षेत्रों में सुप्रीम हैं पर भारत गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति को आदेश देकर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अधिकार क्षेत्रों को लांघने का काम किया है। बसंत वुमार अभी हाल ही में अपने एक निर्णय में इस अध्यादेशों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को समय सीमा के अंदर करने और संविधान के अनुच्छेद 142 के इस्तेमाल करने पर विवाद गहरा गया है। भारत के एक सांसद निशिकांत दुबे ने अपने बयान से इस विवाद को और अधीक गहरा दिया है उन्होंने कहा कि यदि कानून बनाना सर्वोच्च न्यायालय का काम है तो संसद को बंद कर दिया जाना चाहिए। दर असल देश के उपराष्ट्रपति जो जाने माने वकीलों भी रहे है श्री जगदीप धनकड़ ने सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारों पर सवाल उठाए, जिसके बाद भाजपा के दो सांसदों निशि कांत दुबे और दिनेश शर्मा की तीखे प्रतियिा आईं। इसके बाद इन बयाने पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट कपिल सिब्बल, पूर्व प्रेसिडेंट दुष्यन्त दवे और पूर्व जस्टिस जे चेलमेश्वर की प्रतिव्रिराया से इस मामले में तल्खी और बढ़ गईं है आखिर इस विवाद की शुरुआत वैसे हुई। सर्वोच्च अधिकारी ने 8 अप्रौल 2025 को एक ऐहितासिक पैसले से राज्य पाल के राज्य विधान मण्डल द्वारा पारित विधायकों पर कार्यवाही करने के लिए समय सीमा निर्धारित कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के लिए भी उन विधेयकों पर समय सीमा निर्धारित कर दी जिन्हें राजयपाल ने राष्ट्रपति कि स्वीवृति के लिए निर्धारित किया हो। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन पर सुनवाईं के दौरान सरकार से सीधे सवाल किए। इसके बाद ही सुप्रीम कोर्ट को लेकर अप राष्ट्रपति और अन्य नेताओं ने भी विवादित टिप्पणी की जिससे इस मामले में विवाद काफी गहरा हो गया। राज्य सभा इंटर्नस को संबोधित करते हुए उप राष्ट्रपति ने न्याय पालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समय सीमा तय किए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा की सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उनका कहना था की संविधान के तहत के कोर्ट के पास एक मात्र अधिकार है कि अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करने का। सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और ससद के प्रति जवाब देह होती हैं और सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति के कोईं आदेश नहीं दे सकता। हमारे देश में संसदीय लोकतन्त्र है और यह राजनीतिक विचारक मोंटस्क्यू के शत्ति पृथककरण के सिद्धांत पर काम करता है और संसदीय लोकतन्त्र में कार्यंपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों का अपना अपना रोल होता है तीनों एक दूसरे के कार्यं क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करते, हा न्याय पालिका कार्यं पालिका

बसंत वुमार अभी हाल ही में अपने एक निर्णय में इस अध्यादेशों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को समय सीमा के अंदर करने और संविधान के अनुच्छेद 142 के इस्तेमाल करने पर विवाद गहरा गया है। भारत के एक सांसद निशिकांत दुबे ने अपने बयान से इस विवाद को और अधीक गहरा दिया है

के कार्यो की समीक्षा कर सकती हैं अगर कोईं कानून संविधान के दायरे में नहीं है और किसी के मौलिक अधिकारों का हनन करना है तो न्यायपालिका उसे निरस्त कर देता है। केशवानंद भारतीय केस में सुप्रीम कोर्ट की 13 जजों की बेंच ने एक ऐतिहासिक पैसला दिया था कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती हैं लेकिन वह संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर से छेड़ छाड़ नहीं कर सकते। प्रश्न यह है कि सर्वोच्च न्यायालय संसद द्वारा बनाए गए नियमों की समीक्षा तो कर सकता तो है पर क्या वह देश के संवैधानिक हेड यानि राष्ट्रपति को अपनी शत्ति के उपयोगी के लिए समय सीमा का निर्देश दे सकते हैं। राष्ट्रपति को अपनी शत्तियों की गाइड लाइंस संविधान के अंदर ही निहित है उसे किसी व्यत्ति या संस्था द्वारा निर्देश नहीं दिया जा सकता। संसद द्वारा पारित विधेयक जब राष्ट्रपति की मंजूरी ले लेता है तो वह कानून बन जाता है परंतु यह भी प्राविधान है कि यदि राष्ट्रपति चाहे तो संसद द्वारा पारित विधेयक को संसद को पुर्नविचार के लिए वापस भेज सकता है पर यदि यह बिल संसद में पुर्नविचार के पात फिर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेज दिया जाता है तो तो महामहिम को इस बिल पर हस्ताक्षर ही करने होते है। कहने का मतलब यह है कि राष्ट्रपति देश का संवैधानिक प्रमुख होता है और उसके द्वारा उपयोग की जाने वाली शत्तियों के उपयोग भी संविधान के अंदर ही होता है और अन्य संस्था द्वारा निर्देश दिए जायेंगे तो देश में संसदीय लोकतन्त्र का ढांचा ही बिगड़ जाएगा। जहां तक सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति के लिए संसद द्वारा पारित विधेयक को अपनी मंजूरी देने की समय सीमा का निर्देश देने का प्रश्न है तो सर्वोच्च न्यायालय को अपने आधीन न्यायालयों का केसों का निपटाने का निर्देश दे। देश की अदालतों में करोड़ो केस दशकों से लम्बित पड़े है और यदि कोईं व्यत्ति ट्रायल कोर्ट द्वारा किसी आपराधिक मामले में दोषी करार दिया जाता है तो उसकी अपील का निस्तारण हाईं कोर्ट द्वारा बीस साल तक नहीं हो पाया और अपील कर्ता कनविक्ट का ठप्पा लगाए इस दुनिया से बिदा हो जाता है देश के अधिकांश अपील आम अपील कर्ता के लिए बेमानी होती है क्योंकि वह महंगे वकील की फीस दे नहीं सकता जो मेंशन करके उसको अपील लगवा सके। यदि संसद कानून बनाकर इन अपीलों का निस्तारण करने की समय सीमा तय कर दे तो क्या न्याय पालिका इसे अपने अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं मानेगी। जब संसद ने न्यायपालिका में जज की नियुत्ति में पारर्दशिता लाने के लिए एन जे ए सी बनाने के लिए कानून बनाया तो सुप्रीम कोर्ट ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप माना और इसे स्टे कर दिया, इसलिए देश में संसदीय लोक तंत्र सुचारू रूप से चले यह सुनिाति करने के लिए कार्यंपालिका विधायिका और न्यायपालिका को अपने अपने अधिकार क्षेत्र में रहकर चलना होगा।

आप का नजरिया

न रहेगी फीस की टीस

निस्संदेह सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए– बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते–नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता–पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमानी दिन गुज़ार सकते हैं, इससे आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 मई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 08:41 तक
नक्षत्र : मघा सायं 03:52 तक
योग : ध्रुव रात्रि 12:29 तक
करण : कौलव प्रातः 08:41 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री दुर्गा नवमी , गण्डमूल सायं 03:52 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राजस्थान सरकार : भजनलाल

वडोदरा/जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ–साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें।

भजनलाल शर्मा सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया था। इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई–बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक–एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

आमजन की समस्याएं सुन मौके पर ही दिए समाधान के निर्देश

जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की प्रत्येक समस्या को सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए प्रत्येक फरियादी को उसकी समस्या के निस्तारण के लिए चल रही प्रक्रिया के बारे में नियमित रूप से अवगत कराया जाए। जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा आमजन को राहत मिले।मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही, युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

डिजिटल अरेस्ट मामला

सीबीआई की मुंबई में दबिश, दो और जालसाज गिरफ्तार

जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में हुए सनसनीखेज डिजिटल अरेस्ट मामले की परतें सीबीआई की गहन जांच में खुलती जा रही हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस मामले में अपनी कार्रवाई तेज करते हुए मुंबई में कई ठिकानों पर छापेमारी की और साइबर अपराध गिरोह के दो और सदस्यों को धर दबोचा है। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही, इस अंतर्राज्यीय साइबर ठगी मामले में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। यह मामला तब सामने आया था जब राजस्थान सरकार ने सीबीआई से संपर्क साधा था।

जांच में पता चला कि शातिर साइबर अपराधियों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के फर्जी अधिकारी बनकर एक पीड़ित को डिजिटल रूप से अरेस्ट कर लिया था और अक्टूबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच उससे डरा–धमकाकर 7.67 करोड़ रुपए की भारी रकम ठग ली थी। सीबीआई ने इस जटिल मामले की तह तक पहुंचने के लिए ऑपरेशन चक्र–त चलाया। अप्रैल 2025 में इस ऑपरेशन के तहत राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था, जिसमें चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इन संयुक्त कार्रवाइयों में सिम कार्ड और फर्जी बैंक खातों की अवैध आपूर्ति करने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ था, जिनका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था।

ऑपरेशन चक्र–त के तहत ही, पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में मिले अहम सुरागों के आधार पर सीबीआई की टीमों ने मुंबई में साइबर अपराध सिंडिकेट के सदस्यों से जुड़े कुछ और महत्वपूर्ण ठिकानों पर दबिश दी। इस कार्रवाई में दो और महत्वपूर्ण ऑपरेटिव सीबीआई के हत्थे चढ़े। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से आपत्तिजनक दस्तावेज और साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आधुनिक डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं। सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए इन दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए राजस्थान के झुंझुनू जिले की सक्षम अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 8 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि वह इस साइबर अपराध सिंडिकेट के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और गहन, निष्पक्ष जांच जारी रखेगी। एजेंसी का लक्ष्य इस संगठित अपराध में शामिल अन्य सदस्यों और पीड़ितों की पहचान करना है।

राजस्थान पुलिस भी सीबीआई के साथ समन्वय बनाकर इस मामले में हर संभव सहयोग कर रही है। सीबीआई ने राजस्थान के आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस तरह के साइबर अपराधों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या सीबीआई को दें।

अजमेर अग्निकांड : विधानसभा अध्यक्ष ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, शहर के होटलों का होगा सर्वे

अजमेर, 05 मई (एजेंसियां)। डिग्गी बाजार में हाल ही में हुए अग्निकांड के बाद शहर में हड़कंप मच गया है। शनिवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और नगर निगम व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। उन्होंने शहर के सभी होटलों का सर्वे कराने और फायर एनओसी (नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) नहीं होने पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए।

देवनानी ने बताया कि तीन दिन पहले डिग्गी बाजार इलाके में हुए दर्दनाक अग्निकांड में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। इनमें से दो की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। इस हादसे में एक महिला फायर कर्मी भी धुएं के कारण बेहोश हो गई थी। उन्होंने बताया कि घटना की गहराई से जांच के लिए एक विशेष जांच कमेटी गठित की गई है, जो तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं की समीक्षा करेगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के सभी होटलों का रिकॉर्ड खंगाला जाए। उन्होंने कहा कि यह अजमेर में तीसरी बड़ी अग्निकांड की घटना है, जो लापरवाही की ओर इशारा करती है। अब हर होटल का फायर लाइसेंस, निर्माण संबंधी दस्तावेज और सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी।इसके लिए एक विशेष परफॉर्मा तैयार किया गया है, जिसमें प्रत्येक होटल संचालक को फायर एनओसी, स्टाफ की संख्या, इमरजेंसी एक्जिट, अग्निशमन यंत्रों की स्थिति जैसी जानकारियां भरनी होंगी।देवनानी ने स्पष्ट किया कि जिन होटलों में नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, उन्हें नोटिस जारी कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माण, बिना अनुमति के संशोधन अथवा बिना सुरक्षा मानकों के चल रहे होटलों के खिलाफ निगम और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से कार्रवाई करेगा। उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि सर्वे कार्य में कोई कोताही न बरती जाए और एक निश्चित समय–सीमा में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।देवनानी ने आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि उन्हें किसी होटल, रेस्टोरेंट या व्यावसायिक प्रतिष्ठान में सुरक्षा मानकों की कमी दिखे तो वे नगर निगम या अग्निशमन विभाग को तत्काल सूचना दें।

पंजाब सरकार द्वारा जानबूझकर पैदा किया जा रहा जल संकट, केंद्र सरकार करें हस्तक्षेप : हुड्डा

चंडीगढ़, 05 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में प्राकृतिक नहीं बल्कि पंजाब सरकार द्वारा जल संकट पैदा किया जा रहा है। उनका यह कदम पूरी तरह संघीय ढांचे के विपरीत, असंवैधानिक, अनैतिक और अमानवीय है। किसी भी प्रदेश सरकार के पास, दूसरे प्रदेश के पानी को रोकने का अधिकार नहीं है। हरियाणा कोई अतिरिक्त मात्रा नहीं बल्कि सिर्फ अपने हक का पानी मांग रहा है, जो लगातार कई साल से उसे मिलता आ रहा है। लेकिन पंजाब सरकार अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए बेवजह हरियाणा के साथ तनाव पैदा कर रही है।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जल बंटवारे के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने पूर्ण समर्थन का ऐलान किया है। प्रदेश सरकार अगर हरियाणा के हक में कोई भी उचित कदम उठाएगी तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। साथ ही कांग्रेस ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग करी है। कांग्रेस चाहती है कि जनता को जल संकट से बचाने के लिए पंजाब सरकार पर दबाव बनाया जाना चाहिए। इसके लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की प्रधानमंत्री से मुलाकात करवानी चाहिए। केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करके हरियाणा को उसके हक का पानी दिलाना चाहिए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बॉर्ड यानी बीबीएमबी के तमाम बड़े पदों पर पंजाब के अधिकारी बैठे हैं और हरियाणा सरकार की पैरवी करने वाला कोई नहीं है। इसी का नतीजा अब प्रदेश भुगत रहा है। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश को अपने हिस्सा का पूरा पानी मिलता था। क्योंकि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में कांग्रेस हरियाणा की पूरी भागीदारी सुनिश्चित करती थी।

हरियाणा को जल्द मिलेगा पानी, बीबीएमबी के पास है पर्याप्त स्टॉक : बडोली

चंडीगढ़, 05 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में पानी संकट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने आज प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि हरियाणा को जल्द ही पानी मिलेगा। उनका दावा है कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के पास पहले से ही पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है।

बडोली ने कहा, बीबीएमबी के पास ऑलरेडी पानी मौजूद है, और हरियाणा को उसका हक जरूर मिलेगा। हमने अगला कदम उठाने के लिए आज के घटनाक्रम का इंतजार किया है। आज पंजाब सरकार ने इस मुद्दे पर एक स्पेशल सेशन बुलाया है, जबकि हरियाणा में भी कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। माना जा रहा है कि यह बैठकें पानी के बंटवारे पर आगे की रणनीति तय करने के लिहाज से अहम साबित होंगी। प्रदेश अध्यक्ष बडोली ने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, धरम सिंह छोकर पर ईडी की जांच चल रही है, और कांग्रेस के कई नेताओं की छवि दागदार है।

पूर्व कांग्रेस विधायक ईडी की गिरफ्त में, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

चंडीगढ़, 05 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप में दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दीन दयाल आवास योजना से जुड़े वित्तीय घोटाले के सिलसिले में हुई है, जिसमें छौक्कर और उनकी कंपनी पर करीब 1500 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

ईडी ने छौक्कर को दिल्ली के पांच सितारा होटल शांग्रीला से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद ईडी उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी में है, जहां उनसे पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की जा सकती है। इस कार्रवाई ने हरियाणा की राजनीति में भूचाल ला दिया है, क्योंकि छौक्कर को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बेहद करीबी माना जाता है।

आरोप के मुताबिक, छौक्कर की कंपनी साई आइना फॉर्म्स ने गुरुग्राम में लोगों को घर देने का वादा कर उनसे भारी–भरकम राशि वसूली। हालांकि, न तो लोगों को घर दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने करीब 1500 लोगों के साथ धोखाधड़ी की, जिसमें बड़े पैमाने पर धन का दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग शामिल है। यह

घोटाला दीन दयाल आवास योजना के तहत गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए घर उपलब्ध कराने की योजना से जुड़ा है, जिसका गलत इस्तेमाल कर लोगों की गाढ़ी कमाई को हड़पने का आरोप है।इस मामले में केवल धर्म सिंह छौक्कर ही नहीं, बल्कि उनके बेटे सिकंदर छौक्कर भी जांच के दायरे में हैं। सिकंदर पर 400 करोड़ रुपये के एक अन्य घोटाले में शामिल होने का भी आरोप है, जिसके लिए ईडी ने अलग से केस दर्ज किया है। पिता–पुत्र की जोड़ी पर सैकड़ों लोगों को ठगने और उनकी मेहनत की कमाई को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप है।धर्म सिंह छौक्कर का राजनीतिक करियर भी काफी चर्चित रहा है। वे हरियाणा के समालखा विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके हैं और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे हैं।

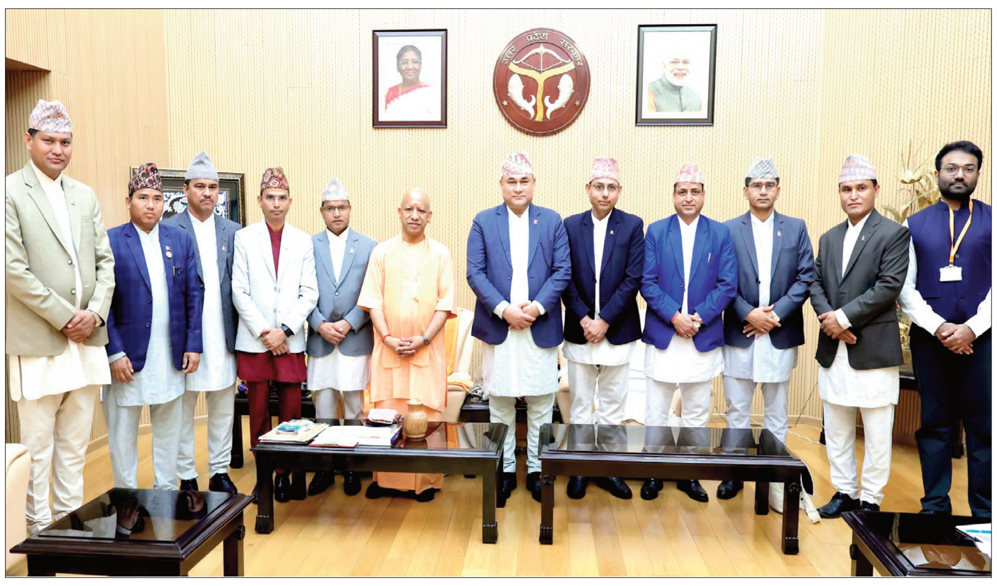

नेपाल के पश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

नागालैंड के शैक्षणिक अनुभव से संवरेगी यूपी की शिक्षा

एससीईआरटी प्रतिनिधिमंडल ने किया नागालैंड का दौरा

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की कोशिशें नए मुकाम की ओर बढ़ रही हैं। राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), लखनऊ के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नागालैंड का पाँच दिवसीय शैक्षणिक दौरा (26-30 अप्रैल 2025) किया, जहां उन्होंने वहां के प्रभावी शैक्षणिक मॉडल, सामुदायिक भागीदारी और नवा-चारों को नजदीक से देखा और अनुभव किया। यह दौरा प्रदेश के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट्स) को भविष्य में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रेरणा साबित हो सकता है।

दौरे का नेतृत्व कर रहे एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डायट्स के प्राचार्य, एससीईआरटी के अधिकारी और मंत्र फॉर चेंज के प्रतिनिधियों ने न केवल शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया, बल्कि गाँवों और स्कूलों में जाकर ग्रासरूट स्तर की वास्तविकताएं समझीं। कुल मिलाकर, यह दौरा कोई जादुई समाधान नहीं, बल्कि एक प्रेरक कदम है, जिससे उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार की मौजूदा यात्रा को नई ऊर्जा और दृष्टि मिल रही है।

महत्वपूर्ण यह है कि यह दौरा उत्तर प्रदेश में जारी शिक्षा सुधार प्रक्रियाओं के लिए एक नया दृष्टिकोण और प्रेरणा लेकर आया है।

एससीईआरटी लखनऊ इन अनुभवों का विश्लेषण कर अब विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल, रिसर्च यूनिट सुदृढ़ीकरण, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने वाली पहल और डिजिटल मॉनिटरिंग डैशबोर्ड की योजना बना रहा है। यह सब कुछ जल्द लागू नहीं होगा, बल्कि एक सुनियोजित कार्ययोजना के तहत धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल को नागालैंड की सामुदायिक भागीदारी, अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन मॉडल, रिसर्च और मूल्यांकन व्यवस्था से जुड़े कई अहम दस्तावेज और अनुभव मिले। खोनोमा हेरिटेज विलेज (भारत का सबसे हरा गांव), जखमा और चीचेमा जैसे स्कूलों में जाकर उन्होंने देखा कि वहां शिक्षा केवल संस्थागत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का साझा प्रयास है। नागालैंड दौरे का नेतृत्व करने वाले एससीईआरटी लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान ने कहा, हमें डायट्स में ईमानदारी, पारदर्शिता और समुदाय सहभागिता को मजबूत करना होगा। नागालैंड से मिले अनुभव हमें यह दिखाते हैं कि कैसे छोटे-छोटे नवाचार बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। हम इन अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यूपी में जारी सुधार प्रयासों को और अधिक मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं।

नागालैंड दौरे से यूपी को कई स्तरों पर लाभ होने की उम्मीद है। पहला, रिसर्च-बेस्ड इनोवेशन की दिशा में, जहाँ प्रदेश के डायट्स स्थानीय संदर्भों के अनुसार नव-ाचार विकसित कर सकेंगे। दूसरा, नेतृत्व और शिक्षक प्रशिक्षण में, जिसके लिए विशेष ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाए जाएंगे। तीसरा, सामुदायिक सशक्तिकरण के संदर्भ में, जिससे गांव-स्कूल सहयोग को नीति का हिस्सा बनाया जाएगा और चौथा, फाउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमैरेसी लक्ष्य की दिशा में, जहाँ शुरुआती कक्षाओं में पढ़ने-लिखने और गणना की क्षमताओं को मजबूत किया जाएगा।

बहुउपयोगी मक्के की खेती को प्रोत्साहन दे रही योगी सरकार

मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप चंद रोज पहले कृषि विभाग की ओर से लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय खरीफ गोष्ठी में प्रदेश के कृषि मंत्री ने किसानों से जिन फसलों का उत्पादन बढ़ाने की अपील की उसमें मक्का भी था। बाकी दो फसलें हैं अरहर (दलहनी) और सरसों (तिलहन)। सरकार के प्रोत्साहन के नतीजे भी शानदार रहे। मसलन योगी के शासन के आठ वर्षों में दलहन और तिलहन का उत्पादन दोगुना हो चुका है। बहुउपयोगी मक्के की खेती भी किसानों को खूब रास आ रही है। फिलहाल 2021-2022 में मक्के का उत्पादन 14.67 लाख मीट्रिक टन था। तय अवधि में इसे बढ़ाकर 27.30 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। इसके लिए रकबा बढ़ाने के साथ प्रति हेक्टेयर प्रति क्विंटल उत्पादन बढ़ाने पर भी बराबर का जोर है।

बात चाहे पोषक तत्वों की हो या उपयोगिता की। बेहतर उपज की करें या सहफसली खेती या औद्योगिक प्रयोग की। हर मौसम और हर तरह की भूमि में पैदा होने वाले मक्के का जवाब नहीं। बस जिस खेत में मक्का बोना है उसमें जल निकासी का बेहतर प्रबंधन जरूरी है। मालूम हो कि मक्के का प्रयोग इथेनॉल उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयों, पशुओं एवं पोल्ट्री लिए पोषाहार, दवा, पेपर और एल्कोहल इंडस्ट्री में होता है। इसके अलावा भुट्टा, आटा, बेबीकार्न और पापकार्न के रूप में ये खाया जाता है। किसी न किसी रूप में ये हर सूप का अनिवार्य हिस्सा होता है। ये सभी क्षेत्र संभावनाओं वाले हैं। बहुपयोगी होने की वजह से समय के साथ मक्के की मांग भी बढ़ेगी। इस बढ़ी मांग का अधिकतम लाभ प्रदेश के किसानों को हो इसके लिए सरकार मक्के को खेती के प्रति किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। उनको खेती के उन्नत तौर तरीकों की जानकारी दे रही है। किसानों को अपनी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए सरकार पहले ही इसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में ला चुकी है।

मक्के में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व भी पाए जाते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल मिलते हैं। इन्हीं खूबियों के नाते इसे अनाजों की रानी कहा गया है। विशेषज्ञों की मानें तो उन्नत खेती के जरिये मक्के की प्रति हेक्टेयर उपज 100 क्विंटल तक भी संभव है। प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक उत्पादन लेने वाले तमिलनाडु की औसत उपज 59.39 क्विंटल है। देश के उपज का औसत 26 क्विंटल एवं उत्तर प्रदेश के उपज का औसत 2021-22 में 21.63 क्विंटल प्रति हेक्टेयर था। ऐसे में यहां मक्के की उपज बढ़ने की भरपूर संभावना है।

कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार (गोरखपुर) प्रभारी डॉ. एसके तोमर के अनुसार खरीफ के फसल की बोआई के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त होता है। अगर सिंचाई की सुविधा हो तो मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते में भी इसकी बोआई की जा सकती है।

1008 संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन पर भव्य कार्यक्रम

संस्कृत संवर्धन के प्रयासों को मिला राष्ट्रीय सम्मान

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को विशेष सम्मान मिला

लखनऊ/नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और पुनरुत्थान के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को ऐतिहासिक सफलता मिली है। योगी आदित्यनाथ सरकार की नीतिगत प्रतिबद्धता और सक्रिय पहल के फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को राष्ट्रीय मंच पर विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिसर में संस्कृतभारती, दिल्ली एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 1008 सामूहिक संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने संस्कृत के प्रचार, संरक्षण एवं व्यवहारिक विस्तार को लेकर बीते वर्षों में जो योजनाएं क्रियान्वित कीं, जैसे संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति, संवादात्मक प्रशिक्षण शिविर, पाठ्यक्रमों का आधुनिकीकरण तथा संस्कृत के लिए विशेष बजट प्रावधान, उन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार न केवल संस्थान के लिए, बल्कि योगी सरकार की भाषा नीति के लिए एक राष्ट्रीय स्वीकृति भी है।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की ओर से समन्वयिका राधा शर्मा ने यह सम्मान ग्रहण करते हुए इसे योगी सरकार के मार्गदर्शन, समर्पण और संस्कृतभाषा के प्रति निष्ठा का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे प्रदेश की शिक्षा और संस्कृति नीति की विजय है।

संस्थान के अनेक प्रशिक्षकों ने इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिनमें प्रमुख नाम हैं अंजु मिश्रा, आस्था शुक्ला, दीपिका मिश्रा, डॉ. दिवाकर मिश्र, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, गरुण मिश्र, गीता वशिष्ठ, कीर्ति अत्रि, खुशी शर्मा, नीतू सक्सेना, प्रियंका शुक्ला, शिवप्रताप मिश्र, रजनीश तिवारी, रुद्रनारायण पांडेय आदि।

इस भव्य आयोजन में देशभर से आए संस्कृत प्रेमियों, विद्वानों, छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने इस सम्मान को उत्तर प्रदेश के लिए संस्कृत पुनर्जागरण का स्वर्ण क्षण कहा और भविष्य में और अधिक समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया। इस समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा मुख्य वक्ता संस्कृतभारती के संगठन मंत्री जयप्रकाश उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. वागीश बी.जी, प्रान्ताध्यक्ष, संस्कृतभारती, दिल्ली ने की।

किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान का मामला

समय पर भुगतान न करने वाली मिलों पर सख्ती होगी : योगी

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चीनी मिलों को गन्ना खरीद के लिए आवंटित कमांड एरिया का निर्धारण उनके द्वारा किसानों को किये जा रहे गन्ना मूल्य भुगतान के रिकॉर्ड के आधार पर किया जाए। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसानों को समयबद्ध भुगतान मिले। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जो मिलें भुगतान में देरी या हीलाहवाली करें, उनके विरुद्ध सख्ती होगी।

यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सोमवार को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में विभागीय प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गन्ना मूल्य भुगतान, उत्पादकता, आधारभूत संरचना, रोजगार और भावी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर गन्ना पैदावार के लिए किसानों को उन्नत किस्म के बीज समय पर उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), चीनी मिलों और गन्ना समितियों को मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अपने सरकारी आवास में चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए

मिल प्रतिनिधियों, समिति पदाधिकारियों और केवीके के अधिकारियों को खेतों का दौरा कर फसल का अवलोकन करना चाहिए और किसानों से सतत संवाद बनाए रखना चाहिए। साथ ही, किसान गोष्ठियों में मंत्रीगण की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने गन्ना समितियों को और सशक्त करने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान 142 कार्यदिवसों को बढ़ाकर 155 दिन करने की जरूरत बताई, साथ ही, कोऑपरेटिव व फेडरेशन की चीनी मिलों की गहन समीक्षा के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इन मिलों की उत्पादन क्षमता के साथ-साथ वहां कार्यरत कार्मिकों की योग्यता का भी आकलन किया जाएगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मिलवार अद्यतन गन्ना मूल्य भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। जानकारी दी गई कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 2,85,994 करोड़ का भुगतान हुआ है, जो 1995-2017 के 2,13,520 करोड़ की तुलना में 72,474 करोड़ अधिक है। वर्ष 2024-25 में निर्धारित 34,466.22 करोड़ में से 83.8 प्रतिशत यानी 28,873.55 करोड़ का भुगतान 2 मई तक संपन्न हो चुका है। मुख्यमंत्री ने भुगतान चक्र को और सुचारू बनाने के निर्देश दिए ताकि सभी किसानों को शीघ्र और पूर्ण भुगतान मिल सके।

गन्ने के क्षेत्रीय विस्तार की जानकारी देते हुए बताया गया कि 2016-17 में गन्ना क्षेत्रफल 20.54 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर हो गया है।

इसी अवधि में उत्पादकता भी 72.38 टन/हेक्टेयर से बढ़कर 84.10 टन/हेक्टेयर तक पहुंची है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उत्पादन और उत्पादकता में दो गुना वृद्धि की पूरी संभावना है, यदि सुनियोजित प्रयास किए जाएं। उन्होंने गन्ना किसानों के हित में पारदर्शिता, समयबद्धता और तकनीक आधारित नवाचार को सरकार की प्राथमिकता बताया और सभी संबंधित पक्षों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य में 45 जिलों में संचालित 122 चीनी मिलें, 236 खांडसारी इकाइयां, 8,707 कोल्हू इकाइयां, 65 कोजेन इकाइयां और 44 डिस्टिलरी इकाइयां सक्रिय हैं, जिनकी कुल क्रशिंग क्षमता 7,856 केएलपीडी है। इन इकाइयों से प्रत्यक्ष रूप से 9.81 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

एथेनॉल उत्पादन के संदर्भ में बताया गया कि 2023-24 में राज्य की 102 सक्रिय डिस्टिलरियों से 150.39 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ है। साथ ही, निजी निवेश से 6,771.87 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त 105.65 करोड़ लीटर उत्पादन क्षमता स्थापित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अत्यंत लाभकारी बताया और ईंधन मिश्रण में एथेनॉल अनुपात बढ़ाने की योजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

कुपोषण पर योगी सरकार का प्रहार, सवा दो करोड़ लोगों का जीवन बचाया

छह साल तक के एक करोड़ 82 लाख कुपोषित बच्चे हुए स्वस्थ

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कुपोषण के विरुद्ध निर्णायक अभियान चलाते हुए सवा दो करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को नई दिशा दी है। स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए प्रदेश के सभी 75 जिलों में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) की 897 परियोजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा गया है। जिसके तहत छह साल तक के एक करोड़ 82 लाख कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बनाया गया। प्रदेश में कुपोषण की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करोड़ों बच्चों, महिलाओं और किशोरियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के शत-प्रतिशत अनुपालन के स्पष्ट निर्देश दिए हैं, जिससे आमजन का स्वास्थ्य और पोषण स्तर बेहतर हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य एवं पोषण योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय से पहुंचे। आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी, पोषण ट्रैकिंग, बच्चों की समय-समय पर जांच और आवश्यक पोषक आहार की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। राज्य में छह वर्ष तक की उम्र के लगभग 1.82 करोड़ बच्चों की स्थिति में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। इनमें से 1.33 लाख अति-कुपोषित बच्चों की विशेष देखभाल की गई है। चिकित्सकों, पोषण विशेषज्ञों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सामूहिक भूमिका से बच्चों के स्वास्थ्य की काया-पलट हो रही है।

योगी सरकार गर्भवती और धात्री महिलाओं को विशेष पोषण सहायता और चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रही है।

13.5 लाख गर्भवती और 10.70 लाख धात्री महिलाओं को आईसीडीएस योजना के तहत नियमित पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह प्रयास शिशु मृत्यु दर में गिरावट लाने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में व्यापक स्तर पर कुपोषण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया है। ग्राम पंचायतों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य उपकेंद्रों में प्रचार-प्रसार कर लोगों को कुपोषण के दुष्प्रभाव और पोषण के महत्व की जानकारी दी जा रही है। साथ ही उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है।

इंग्लैंड दौरे में बुमराह को उपकप्तान नहीं बनाना चाहती बीसीसीआई

मुम्बई, 05 मई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे पर उपकप्तान के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी की तलाश की जा रही है जो सभी पांच मैच खेल सके।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान नहीं बनाया जाएगा क्योंकि उनकी फिटनेस को लेकर समस्या बनी रहती है।

शुभमन और ऋषभ में से किसी एक को मिल सकती है जिम्मेदारी

बीसीसीआई किसी ऐसे व्यक्ति को उपकप्तान बनाना चहती है जो सभी सभी मैच खेल सके। इसको देखते हुए उपकप्तानी की रेस में बल्लेबाज शुभमन गिल और ऋषभ पंत सबसे आगे हैं। शुभमन ने चैंपियंस ट्रॉफी में उपकप्तान की भूमिका निभाई थी।

वहीं ऋषभ ने साल 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी की थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरु होगी। ये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है। इस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कुछ समय में की जाने की उम्मीद है।

बुमराह को इंग्लैंड दौरे के दौरान उप्तान बनाने बीसीसीआई इसलिए तैयार नहीं हैं क्योंकि बुमराह का चोट का पुराना रिकार्ड रहा है।

बुमराह को 2024-25 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पांचवें टेस्ट के दौरान पीठ में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें तीन महीने तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह बाहर रहे थे।

आईपीएल में भी वह फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहे हैं। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम की कप्तानी करते हुए जीत दिलायी थी।

अब उनके चोट के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए ही बोर्ड उन्हें उप-कप्तान बनाने तैयार नहीं है। सिडनी टेस्ट से पहले भी बुमराह साल 2022 में सर्जरी के कारण ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप सहित लगभग 11 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा हम एक ऐसा खिलाड़ी चाहते हैं जो सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध हो और उसे उपकप्तान की भूमिका दी जानी चाहिए। बुमराह सभी पांच मैच नहीं खेलेंगे, इसलिए हम अलग-अलग खेलों के लिए अलग-अलग उपकप्तान नहीं बना सकते।

न्यूज़ ब्रीफ

एफ1 मियामी जीपी 2025: पियास्त्री ने लगाई जीत की हैट्रिक

मियामी। ऑस्कर पियास्त्री ने रविवार को मियामी ग्रां प्री जीतकर न केवल अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की, बल्कि मैकलॉरेन टीम को भी एक और यादगार वन-टू फिनिश दिलाया। चौथे स्थान से रेस शुरू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई ड्राइवर ने शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए जीत दर्ज की और अब वह चैंपियनशिप में टीममेट लैंडो नॉरिस से 16 अंकों से आगे हैं।
दो साल पहले मियामी में सबसे धीमी टीम कही जाने वाली मैकलॉरेन ने अब वही रेस 35 सेकंड से ज्यादा के अंतर से जीत ली। पियास्त्री ने जीत के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है कि हम वहीं हैं जहां पहले हम लैप डाउन होते थे। वेरस्टैपेन की पोल से जीत न होने की परंपरा बरकरार रेड बुल के मौजूदा चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन पोल पोजिशन से रेस शुरू करने के बावजूद चौथे स्थान पर रहे। मैकलॉरेन के दोनों ड्राइवरों ने उन्हें ओवरटेक किया और मियामी में पोल पोजिशन से जीत नहीं होने की परंपरा को कायम रखा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन वह भी विजेता से 37.644 सेकंड पीछे रहे। विलियम्स के एलेक्स एल्बोन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मर्सिडीज के किमी एंटोनेली और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर व लुईस हैमिल्टन क्रमशः छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे। रेस की शुरुआत में ही नॉरिस और वेरस्टैपेन की भिड़ंत रेस की पहली लैप में ही रोमांच देखने को मिला जब लैंडो नॉरिस और मैक्स वेरस्टैपेन के बीच टर्न-2 पर टक्कर हुई, जिससे नॉरिस को ट्रैक से बाहर जाना पड़ा और तीन स्थानों का नुकसान हुआ। हालांकि, स्टीवर्ड्स ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

बायर्न म्यूनिख ने जीता रिकॉर्ड 34वां बुंडेसलीगा खिताब, लेवरकुसेन की ड्रॉ से तय हुई जीत

बर्लिन। जर्मन फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने रविवार को बिना कोई मैच खेले ही अपना 34वां बुंडेसलीगा खिताब जीत लिया। यह उनकी लगातार 12वीं और कुल मिलाकर रिकॉर्ड 34वीं बार जर्मन लीग खिताब पर कब्जा है। खिताब की यह स्थिति तब बनी जब उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बायर लेवरकुसेन फ्राइबर्ग के खिलाफ 2-2 की बराबरी पर रुक गई। शनिवार को बायर्न म्यूनिख ने आरबी लाइपजिग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला था, जिससे लेवरकुसेन को खिताबी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जीत दर्ज करनी जरूरी थी। लेकिन रविवार को फ्राइबर्ग ने शानदार खेल दिखाते हुए उन्हें रोक दिया। फ्राइबर्ग ने पहले ही हाफ में बना ली बढ़त इबर्ग ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत की। 44वें मिनट में मैक्सिमिलियन एगेस्टीन के डिफ्लेक्टेड शॉट से टीम ने पहला गोल किया। दूसरे हाफ के चौथे मिनट में लेवरकुसेन के डिफेंडर पिएरो हिंकापी ने आत्मघाती गोल कर फ्राइबर्ग को 2-0 की बढ़त दिला दी। देर से आया लेवरकुसेन का जवाब, लेकिन नहीं बचा सका खिताब लेवरकुसेन ने मैच के अंतिम मिनटों में वापसी की कोशिश की। 82वें मिनट में फ्लोरियन विट्ज ने शानदार गोल किया और फिर स्टॉपेज टाइम में जोनाथन ताह ने बराबरी दिलाई। लेकिन तीसरा गोल नहीं कर पाने के कारण वे जीत से चूक गए।

आईपीएल से सामने आये इन युवा गेंदबाजों को मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में इस बार विघ्नेश पुथुर सहित पांच ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। अब इन गेंदबाजों को भारतीय टीम में जगह मिलने की संभावनएं हैं। अश्वनी कुमार (मुंबई इंडियंस) मुंबई इंडियंस की ओर से 23 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। अश्वनी के पास अच्छी गति, मूवमेंट और कुछ विविधताएं हैं, हालांकि वे अब भी निरंतरता की तलाश में हैं। इस तेज गेंदबाज ने 3 मैचों में अब तक 6 विकेट लिए हैं, उनका औसत 17.50 है। बांए हाथ के गेंदबाज होने का उन्हें लाभ मिल सकता है। यश दयाल (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) साल 2023 में यश दयाल ने एक ऐसे गेंदबाज के तौर पर उभरे हैं जो विकेट हासिल कर सकता है। आरसीबी के लिए खेले गए 11 मैचों में उन्होंने 34.60 के औसत से 10 विकेट लिए हैं। यश पहले ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम में शामिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव भी है। दिग्वेश राठी (लखनऊ सुपर जायंट्स) लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल रहे दिग्वेश सिंह राठीने 10 आईपीएल मैच में 10 विकेट लिए हैं इस दौरान उनका औसत सबसे अच्छा रहा है।

बारिश ने बिगाड़ा हैदराबाद का खेल, प्लेऑफ की दौड़ से हुई बाहर, दिल्ली की उम्मीदें बरकरार

हैदराबाद, 05 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद सनराइजर्स हैदराबाद का भी सफर आईपीएल 2025 में समाप्त हो गया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हैदराबाद जीत हासिल करती दिख रही थी लेकिन बारिश की वजह से मुकाबला बेनतीजा रहा। दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट मिले। हैदराबाद के 11 मैचों में 7 पॉइंट हैं। अब टीम अपने बाकी मैच जीतकर भी 13 पॉइंट तक ही पहुंच तक पाएगी। दिल्ली कैपिटल्स ने 133 रन बनाए थे। हैदराबाद की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई।

कप्तान पैट कमिंस की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 133 रन के स्कोर पर रोक दिया। कमिंस (19 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने दिल्ली ने 29 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 41, 36 गेंद, चार चौके) और आशुतोष शर्मा (41 रन, 26 गेंद, तीन छक्के, दो चौके) की उपयोगी पारियों और दोनों के बीच सातवें विकेट की 66 रन की साझेदारी की सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।

जयदेव उनादकट ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 13 रन देकर एक विकेट चटकाया। ईशान मलिंगा (28 रन पर एक विकेट) और हर्षल पटेल (36 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट हासिल किया।

कमिंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और फिर टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए 15 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों करुण नायर (00) और फाफ डु प्लेसी (03) तथा अभिषेक पोरेल (08) को पवेलियन भेज दिया।कमिंस ने मैच की पहली ही गेंद पर नायर को विकेटकीपर इशान किशन के हाथों कैच कराया। सनराइजर्स के कप्तान के अगले ओवर में डु प्लेसी भी इशान को कैच दे बैठे।

अच्छी फॉर्म में चल रहे पोरेल ने कमिंस पर चौका जड़ा लेकिन फिर उन्हीं की गेंद पर इशान के हाथों लपके गए। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल (06) ने कमिंस पर चौके से खाता खोला लेकिन हर्षल पटेल की गेंद को मिड ऑफ पर सनराइजर्स के कप्तान के हाथों में खेल गए।

दिल्ली की टीम पावर प्ले में चार विकेट पर 26 रन ही बना सकी। मौजूदा सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज लोकेश राहुल भी सिर्फ 10 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट की गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जिससे टीम का स्कोर पांच विकेट पर 29 रन हो गया। विपराज निगम ने 10वें ओवर में जीशान अंसारी पर मैच का पहला छक्का जड़ा और फिर इसी ओवर में चौका भी मारा।

दिल्ली के रनों का अर्धशतक 11वें ओवर में पूरा हुआ। विपराज हालांकि इसके बाद स्टब्स के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए। स्टब्स ने अंसारी की गेंद पर शॉट खेला और एक रन पूरा करने के बाद दूसरे रन के लिए दौड़ पड़े।

विपराज हालांकि रन के इच्छुक नहीं थे और दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुंच गए जिसके बाद विपराज ने अपने विकेट का बलिदान दिया और गेंदबाजी छोर पर रन आउट हो गए। उन्होंने 18 रन बनाए।

आशुतोष ने आते ही अंसारी पर दो छक्के लगाए और फिर हर्षल पर लगातार दो चौकों के साथ 17वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। स्टब्स ने 18वें ओवर में ईशान मलिंगा पर दो चौके मारे। आशुतोष ने अगले ओवर में हर्षल पर छक्का जड़ा लेकिन अंतिम ओवर में मलिंगा का शिकार बने।

मेड्रिड ओपन 2025: कैस्पर रूड ने जैक ड्रेपर को हराकर जीता पहला मास्टर्स खिताब

मैड्रिड, 05 मई (एजेंसियां)।

नॉर्वे के टेनिस स्टार कैस्पर रूड ने रविवार देर रात को मेड्रिड ओपन 2025 का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। 14वीं वरीयता प्राप्त रूड ने खिताबी मुकाबले में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से मात दी। यह रूड का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। 26 वर्षीय रूड ने इस खिताब को अपने 18वें क्लेकोर्ट फाइनल में हासिल किया।

नार्वे के कैस्पर रूड ने मेड्रिड ओपन 2025 में अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता

फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से हराया

रूड ने चोट के बावजूद दिखाया दम, पहले ही मेडवेडेव, फ्रिट्ज और सेरुंडोलो को हराया

चोट के बावजूद दिखाया जज्बा, दिग्गजों को दी मात

रूड ने सेमीफाइनल में पसली में चोट लगने के बावजूद दमदार प्रदर्शन किया और ड्रेपर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने टेलर फ्रिट्ज, दानिल मेदवेदेव और फ्रांसिस्को सेरुंडोलो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हराया था।

ड्रेपर से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी

पहले सेट में रूड 3-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दो बार ड्रेपर की सर्विस तोड़कर सेट 7-5 से अपने नाम किया। हालांकि ड्रेपर ने दूसरा सेट 3-6 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में रूड ने 3-2 की बढ़त बनाते हुए अंत में 6-4 से सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

ड्रेपर बने वर्ल्ड नंबर 5, रूड को दी बधाई

हालांकि जैक ड्रेपर को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अब जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च रैंकिंग यानी विश्व नंबर 5 पर पहुंच जाएंगे। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, कैस्पर, तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। तुमने मुश्किल पलों में मुझसे ज्यादा हिम्मत दिखाई। यह खिताब तुम्हारे मेहनत का फल है।

नेल्सन गोल्फ टूर्नामेंट में विजेता

टेक्सास में सीजे कप नेल्सन गोल्फ टूर्नामेंट में विजेता ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए अमेरिका के स्कोटी शिफलर।

प्रीमियर लीग 2024-25: चेल्सी ने गत चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराया

लंदन, 05 मई (एजेंसियां)।

प्रीमियर लीग 2024-25 के एक अहम मुकाबले में चेल्सी ने रविवार को चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराकर चैंपियंस लीग क्वालिफिकेशन की अपनी उम्मीदों को ज़िंदा रखा। चेल्सी के लिए एनजो फर्नांडीज, कोल पाल्मर और एक आत्मघाती गोल स्कोरिंग में शामिल रहे।

शुरुआत से ही हावी रही चेल्सी

मैच की शुरुआत से ही चेल्सी ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। कोल पाल्मर के पास पर नेटो ने गेंद एनजो फर्नांडीज को दी, जिन्होंने गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

क्वांसाह का आत्मघाती गोल और पाल्मर की वापसी

दूसरा गोल भी पाल्मर की चालाकी से आया, जब उनकी एक क्रॉस को क्लीयर करने की कोशिश में लिवरपूल डिफेंडर जारेल क्वांसाह ने अपने ही गोल में बॉल डाल दी। मैच के अंतिम पलों में पाल्मर ने पेनल्टी के जरिए अपना पहला गोल जनवरी के बाद किया। यह पेनल्टी क्वांसाह द्वारा मोइसेस कैइसेडो को गिराने के बाद मिली।

वैन डाइक ने की कोशिश, लेकिन देर हो चुकी थी

84वें मिनट में वर्जिल वैन डाइक ने कॉर्नर पर गोल कर लिवरपूल को एकमात्र संजीवनी दी, लेकिन टीम इस बढ़त को पाट नहीं सकी।

चेल्सी पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर

एंजो मारेस्का की कोचिंग में चेल्सी अब 63 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और चौथे स्थान पर मौजूद न्यूकैसल से केवल गोलों के आधार पर पीछे है। दोनों टीमें तीसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं, जबकि तीन मुकाबले शेष हैं।

एक छोटे गांव से लेकर सीनियर नेशनल कैंप तक के सफर पर प्रताप लाकड़ा ने कहा- कभी हार नहीं मानी

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के एक छोटे से गांव से निकले 24 वर्षीय डिफेंडर प्रताप लाकड़ा की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। कोरोना महामारी के दौरान जब ज़्यादातर खिलाड़ी अपनी दिशा खो बैठे, लाकड़ा ने न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि अपनी मेहनत से भारत की सीनियर हॉकी टीम के नेशनल कैंप तक जगह बना ली।

प्रताप लाकड़ा की ज़िंदगी में एक समय ऐसा आया जब सब कुछ हाथ से फिसलता महसूस हो रहा था। वर्ष 2020 में जब कोविड-19 की वजह से देशभर में लॉकडाउन हुआ, तो उन्हें जूनियर कैंप से बाहर कर दिया गया। फिटनेस गिर गई और मौके भी कम होने लगे। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वे रेलवे की टीम के मैदान पर अकेले ट्रेनिंग करते रहे।

लाकड़ा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, उस दौर में कुछ भी तय नहीं था, लेकिन मैं रोज़ मैदान पर जाता था। प्रताप की हॉकी यात्रा गांव के मैदान से शुरू हुई थी, जहां वे नंगे पांव हॉकी खेला करते थे। उनके पिता गांव में हॉकी खेल चुके थे और उनकी बहन प्रीति ओडिशा की नेशनल प्लेयर रही हैं।

उन्होंने कहा, हम किसान हैं, लेकिन हमारे खून में हॉकी है।आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। एक बार उनके पास खेलने के लिए सही जूते भी नहीं थे, तब हॉकी गंगपुर ओडिशा

के एक अधिकारी ने उनकी मदद की। वर्ष 2011 में लाकड़ा पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल, राउरकेला में शामिल हुए और जल्दी ही जूनियर टीम का हिस्सा बन गए। उन्होंने वर्ष 2017 और 2019 में सुल्तान ऑफ जोहोर कप और स्पेन में 8 नेशन्स टूर्नामेंट खेले। लेकिन महामारी ने करियर पर ब्रेक लगा दिया। इसके बाद वे रेलवे के टूर्नामेंट्स में खेले और 2018 में साउथ सेंट्रल रेलवे में नौकरी मिली, जिससे उन्हें स्थिरता और खेल में वापसी का प्लेटफॉर्म मिला।

2025 में वापसी और नेशनल कैंप में एंट्री-

2024 में उन्होंने ओडिशा की ओर से सीनियर नेशनल खेला और फिर 2025 में मध्य प्रदेश की ओर से। इस बार उनका प्रदर्शन इतना शानदार था कि वे टीम को सिल्वर मेडल दिलाने में मददगार बने और नेशनल कैंप के लिए चुने गए। लाकड़ा ने बताया, फाइनल मुकाबला बेहद कठिन था। पंजाब जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलकर बहुत कुछ सीखने को मिला। लाकड़ा की प्रेरणा भारतीय डिफेंडर बीरेन्द्र लाकड़ा और ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह हैं। उन्होंने कहा, बीरेन्द्र सर का डिफेंस में नियंत्रण और रूपिंदर सर की तकनीक-दोनों से बहुत सीखा। वर्ष 2024-25 में वेदांता कलिंगा लांसर की ओर से हॉकी इंडिया लीग में भी शामिल हुए। हालांकि ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच रहकर उन्हें खेल की बारीकियां समझने का मौका मिला। फिलहाल वे सीनियर नेशनल कैंप का हिस्सा हैं और उनका सपना है, भारतीय टीम की जर्सी पहनकर देश को ओलंपिक गोल्ड दिलाना। बहन प्रीति हमेशा उन्हें याद दिलाती हैं — कैंप में नाम आना बस शुरुआत है, असली मेहनत अब शुरू होती है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

आईएमएफ के बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किए गए परमेश्वरन अय्यर

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

नौ मई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले सौंपी जिम्मेदारी

विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ईडी) परमेश्वरन अय्यर को नौ मई को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड में अस्थायी रूप से भारत के नामित निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सरकार ने आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक के रूप में केवी सुब्रमण्यन की सेवाओं को उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा होने से छह महीने पहले समाप्त कर दिया था। सरकार का यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की नौ मई को बैठक होनी है जिसमें जलवायु कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर के नए ऋण के साथ मौजूदा सात अरब डॉलर के राहत पैकेज की पहली समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि भारत कूटनीतिक और विभिन्न वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को घेरने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यदि भारत ने अय्यर को नामित नहीं किया होता, बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी के नियमों के तहत श्रीलंका के वैकल्पिक कार्यकारी निदेशक हरिश्चंद्र पहाथ कुम्बुरे गेदारा ईडी के कर्तव्यों का निर्वहन करते। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 30 अप्रैल, 2025 से सुब्रमण्यन की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। हालांकि, सुब्रमण्यन को हटाने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है।

न्यूज ब्रीफ

सैमसंग ने सीईएसटीएटी में 50 करोड़ डॉलर जुर्माने को चुनौती दी!

नई दिल्ली। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग इंडिया ने उस पर लगाए गए 50 करोड़ डॉलर से अधिक के जुर्माने को चुनौती देते हुए सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) का दरवाजा खटखटाया है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों ने इसी साल सैमसंग पर नेटवर्किंग गियर सहित दूरसंचार उपकरणों के आयात को कथित रूप से गलत तरीके से वर्गीकृत करने के लिए 50 करोड़ डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया था। सूत्रों ने बताया कि सैमसंग इंडिया ने उक्त आदेश को अपीलीय न्यायाधिकरण सीईएसटीएटी की मुंबई पीठ के समक्ष चुनौती दी है। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। बताया गया कि यह याचिका लॉ फर्म लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन के माध्यम से अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष पेश की गई है। याचिका अभी तक सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है।

ओबेरॉय रियलटी ने गोरेगांव में 970 करोड़ लक्जरी अपार्टमेंट बेचे

मुंबई । ओबेरॉय रियल्टी ने मुंबई के गोरेगांव में अपनी एकीकृत टाउनशिप परियोजना में 970 करोड़ रुपये के लक्जरी अपार्टमेंट बेचे हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसने 30 अप्रैल को गोरेगांव में अपनी टाउनशिप परियोजना ओबेरॉय गार्डन सिटी में 'एलिसियन टॉवर डी' की पेशकश की है। कंपनी ने कहा कि उसने 2.1 लाख वर्ग फुट (रेरा कार्पेट क्षेत्र) और 3.25 लाख वर्ग फुट के बिक्री योग्य क्षेत्र के लिए लगभग 970 करोड़ रुपये का कुल बुकिंग मूल्य दर्ज किया है।' इन अपार्टमेंट का आकार 2,009 से 3,430 वर्ग फुट तक है ।अपार्टमेंट का आकार 2,009 से 3,430 वर्गफुट तक है ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन ने कहा कि कंपनी को इस परियोजना के लिए ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह सफलता न केवल ओबेरॉय रियल्टी ब्रांड की स्थायी ताकत को दर्शाती है, बल्कि लक्जरी जीवन को फिर से परिभाषित करने वाले एकीकृत शहरी विकास के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी मान्यता प्रदान करती है।

जिओमार्ट ने क्यों बंद कर दी अपनी क्विक डिलीवरी सर्विस एक्सप्रेस कर्मचारियों का क्या

नई दिल्ली। रिलायंस जिओ मार्ट के 1 साल में 2155 स्टोर बंद हो गए हैं। जिओमार्ट एक्सप्रेस डिलीवरी का मुकाबला नहीं कर पाया जिसके कारण अब वह अपने स्टोर घाटे के कारण बंद कर रहा है। रिलायंस स्टोर की त्वरित डिलीवरी सेवा बंद हो गई है। रिलायंस रिटेल इस तरह के व्यवसाय में नहीं रहना चाहती है। पिछले साल इस सेवा को शुरू किया गया था। अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से अपने स्टोर बंद कर रही है। 90 मिनट में डिलीवरी रिलायंस जिओ मार्ट 90 मिनट में किराने का सामान पहुंचाने का वादा करती थी। रिलायंस रिटेल ने बताया इस सेवा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पाई। रिटेल बाजार में स्विगी, ज़ोमैटो, ज़ेप्टो और बिगबास्केट जैसी कंपनियां पहले से ही त्वरित डिलीवरी सेवा प्रदान कर रही हैं। रिलायंस रिटेल के लिए इन कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो गया था। इस सेवा के लिए जिओमार्ट एक्सप्रेस की लागत अधिक थी। खर्च ज्यादा था,इससे कंपनी को नुकसान हो रहा था। जिओ मार्ट अभी भी किराना, फैशन, और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उत्पादों की डिलीवरी करता है। रिटेल स्टोर्स में खर्च ज्यादा हो रहा है। कमाई कम हो रही है। जिसके कारण 2155 स्टोर अभी तक रिलायंस ने बंद कर दिए हैं।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.47 प्रतिशत उछल कर 5,686.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 266.99 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,977.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 292.15 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,025.28 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 99.55 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,596.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 176.61 अंक यानी 2.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,770.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 589.67 अंक यानी 2.55 प्रतिशत उछल कर 23,086.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजारों में से तीन के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। निक्केई इंडेक्स, हैंग सेंग इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स, सेट कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में छुट्टी होने की वजह से कोई कारोबार नहीं हो रहा है।

गिफ्ट निफ्टी 201.50 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,605 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत उछल कर 6,848.67 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,849.11अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 175.82 अंक यानी 0.85 प्रतिशत टूट कर 20,622.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

ट्रंप ने फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना बनाई, ट्रंप ने कहा, विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक और बड़ा निर्णय लिया, जो हो सकता है कि फिल्म उद्योग में तहलका मचा दे। ट्रंप ने कहा किया कि वह विदेशों में बनी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जिससे फिल्म इंडस्ट्री को अमेरिका में वापस लाने को लेकर जीवन में पहली बार इतनी मुश्किलें आ सकती हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस निर्णय को साझा करते हुए कहा है कि विदेशी फिल्मों पर टैरिफ लगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए। हालांकि इसके परिणाम और इसका तात्पर्य क्या होगा, यह स्पष्ट नहीं है। हॉलीवुड में इस निर्णय का प्रभाव हो सकता है, जैसे कि विदेश में शूट हुई फिल्मों पर क्या होगा, और इसके फैसले के परिणामस्वरूप विदेशी निर्माताओं के साथ संबंध कैसे बिगड़ेंगे। यह ट्रंप के चीन पर आक्रामक टैरिफ के सिलसिले में एक और कदम है, जिसे चीन ने अमेरिकी फिल्मों की मात्रा कम करके जवाब दिया था। क्या इस क्रम में फिल्म इंडस्ट्री में एक नया युग आ रहा है, या यह केवल आकस्मिक घटना है, यह देखने योग्य है। चिंतन करने के लिए फिल्मों के लिए यह संकेत भविष्य की दिशा में कहानियों को एक नया पटल भी सुझाएगा। हालांकि अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री दुनिया की सबसे प्रभावशाली फिल्म इंडस्ट्री मानी जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में विदेशी फिल्मों की लोकप्रियता में भी तेजी आई है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवॉर्ड भी मिले हैं। उदाहरण के तौर पर, साउथ कोरियन थ्रिलर फिल्म 'पैरासाइट' ने 2020 में चार ऑस्कर अवॉर्ड जीते थे, जिनमें सबसे प्रतिष्ठित 'बेस्ट पिक्चर' का अवॉर्ड भी शामिल था।

वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल में बढ़कर 22.87 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)।

वाणिज्यिक वाहनों को छोड़कर सभी श्रेणियों में अप्रैल में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई

देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री इस साल अप्रैल में मामूली 2.95 प्रतिशत बढ़कर 22,87,952 इकाई हो गई। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने यह जानकारी दी है। फाडा ने कहा कि चैत्र नवरात्रि, अक्षय तृतीया, बंगाली नव वर्ष, बैसाखी और विशु के आसपास ग्राहकों द्वारा खरीदारी पूरी करने से अप्रैल का अंत सकारात्मक रुख के साथ हुआ।

अप्रैल, 2024 में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 22,22,463 इकाई रही थी। फाडा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) को छोड़कर सभी श्रेणियों में अप्रैल में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। समीक्षाधीन अवधि में दोपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और ट्रैक्टर बिक्री में क्रमश: 2.25 प्रतिशत, 24.5 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री एक प्रतिशत घट गई।

अप्रैल में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 16,86,774 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 16,49,591 इकाई रही थी। इस तरह दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। समीक्षाधीन महीने में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 3,49,939 इकाई रही, जबकि अप्रैल, 2024 में यह आंकड़ा 3,44,594 इकाई रहा था। इस तरह यात्री वाहनों की बिक्री 1.55 प्रतिशत बढ़ी।

पिछले महीने वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 1.05 प्रतिशत घटकर 90,558 इकाई रह गई, जबकि अप्रैल, 2024 में यह 91,516 इकाई रही थी। दूसरी ओर, ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री 7.56 प्रतिशत बढ़कर 60,915 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 56,635 इकाई थी।

फाडा ने कहा कि अप्रैल में तिपहिया खंड में जोरदार तेजी देखने को मिली। माह के दौरान तिपहिया की खुदरा बिक्री 24.51 प्रतिशत बढ़कर 99,766 इकाई हो गई। अप्रैल, 2024 में 80,127 तिपहिया बिके थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अर्से बाद महबूबा ने...

रक्तदान किया और लोगों की जान बचाई। सभी को ओ-वरग्राउंड वर्कर या आतंकवादी माना जाता है। उन्हें बुलाया जा रहा है, बंद किया जा रहा है और शाम को छोड़ दिया जा रहा है। पहलगाम में सैकड़ों लोग अभी भी बंद हैं। यही हाल दूसरी जगहों पर भी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह सही नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि जब कश्मीरी खुले दिल के हैं, तो देश के लोगों को भी उन पर भरोसा करना चाहिए। पुलिस या सेना द्वारा की जाने वाली यह पकड़-धकड़ बंद होनी चाहिए।महबूबा मुफ्ती ने कहा, मैं आज पहलगाम आई क्योंकि मैं लोगों की बात सुनना चाहती थी। मैंने सुना कि लोगों में डर है। मैं इसे दूर करना चाहती थी। मैं यहां आए पर्यटकों को सलाम करती हूं। मैं उन्हें यह बताने आई हूं कि कश्मीर आपका इंतजार कर रहा है, खासकर उन यात्रियों का जो यहां (अमरनाथ यात्रा के लिए) आएंगे। पहलगाम में यात्रियों पर कभी हमला नहीं हुआ। यह पहली बार है कि पर्यटकों पर हमला हुआ है। पहलगाम के लोगों ने हमेशा यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया है। जब एक बार आंधी आई थी, तब न सिर्फ पहलगाम बल्कि पूरे कश्मीर के लोगों ने उन्हें अपने घरों में रखा था। यात्री हमारे मेहमान हैं, वे पहले भी यहां आ चुके हैं, उन्हें अब भी यहां आना चाहिए।

आतंकवाद के...

यह पाया गया कि यह हमला जम्मू-कश्मीर में चुनावों के सफल आयोजन और आर्थिक विकास की दिशा में इसकी निरंतर प्रगति के मद्देनजर हुआ। सरकार ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कड़ी कार्रवाइयां कीं। सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। इसके अलावा भी मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगाई।उधर, भारत सरकार ने बगलिहार और सलाल डैम के पूरी तरह बंद कर बाद पाकिस्तान पर वाटर स्ट्राइक कर दी है। चेनाब नदी के वाटर लेवल में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बगलिहार और सलाल बांधों से पाकिस्तान को जाने वाला चेनाब नदी का पानी रोक दिए जाने से सीमा पर रहने वाले भारतीयों में खुशी का माहौल है। चेनाब नदी का नजारा देख कर स्थानीय लोग हैरान भी हैं और प्रसन्न भी है। नागरिकों ने कहा, पहली बार ऐसा नजारा देखा है, पहले चेनाब का बहाव बहुत तेज होता था। अखनूर निवासी रामसुर शर्मा ने कहा, मैं 75 साल का हूं, लेकिन यह पहली बार है जब मैंने देखा है कि चेनाब नदी का पानी रोका जा सकता है। मैं पीएम मोदी को उनके इस फैसले के लिए धन्यवाद देता हूं। स्थानीय निवासी कल्याण सिंह ने कहा, मैं आज चेनाब के किनारे आया था। मैंने यहां पर देखा यहां पर जो पानी है कम से कम 25 से 30 फुट बहता था और आज इसमें महज डेढ़ से दो फुट पानी ही बचा हुआ है। ये सब हमारे मोदी जी के कारण है। उग्रवादियों ने हमारे जो 28 लोगों की जान ली है उसके संदर्भ में जो मोदी जी ने सिंधु जल समझौते को रद्द किया है। उससे हमें बहुत ज्यादा खुशी है। पाकिस्तान आने वाले समय में बूंद-बूंद को तरसेगा। हम यह चाहते हैं कि एक बूंद पानी भी पाकिस्तान को नहीं दिया जाना चाहिए। यह पानी किसी और जगह पर इस्तेमाल किया जाए। हमारा पूरा अखनूर का इलाका, हम भारतीय सेना के साथ हैं और पीएम मोदी के साथ हैं। पीएम मोदी का जो भी फैसला है वो बहुत ही अच्छा है।चेनाब नदी पर बने बगलिहार डैम और सलाल डैम से पानी रोक दिए जाने के बाद अब झेलम नदी पर बनाए गए किशनगंगा बांध से पानी रोकने की योजना बनाई जा रही है। रामबन में प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रविवार को सुबह-सुबह बगलिहार डैम से पानी रोक दिया गया था। बांध के सभी गेट बंद कर दिए गए। कुछ दिन पहले ऊपरी इलाकों में भारी बारिश हुई थी और रियासी की ओर पानी के प्रवाह की अनुमति देने के लिए गेट खोले गए थे और सलाल डैम से पानी का प्रवाह फिर से रोक दिया गया था। रियासी और अखनूर के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इससे पाकिस्तान में कुछ नुकसान हुआ। लेकिन आज सुबह बगलिहार डैम के गेट बंद कर दिए गए और पानी का बहाव पूरी तरह बंद हो गया। रामबन और डाउनस्ट्रीम में चेनाब नदी का तल पूरी तरह सूख गया है। रियासी में सलाल डैम से पानी का बहाव भी कम हो गया है और अखनूर और जौरियन में भी पानी का स्तर काफी कम हो गया है। इससे पाकिस्तान में पानी का संकट और बढ़ गया है। बगलिहार बांध में पर्याप्त जलभराव बनने में करीब तीन दिन लगते हैं। पुल डोडा से आगे, बटोटे-किश्तवाड़ रोड पर डोडा जिले के प्रेम नगर कस्बे के पास एक बड़ी झील बन जाती है।रियासी में सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में एनएचपीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डोडा और किश्तवाड़ के ऊपरी इलाकों में बारिश हुई है और बगलिहार में जलाशय ऊपर तक भर गया है। बाढ़ के साथ गाद बनती है और फ्लशिंग की प्रक्रिया जरूरी हो जाती है। इस कारण पहले गेट खोले जाते हैं ताकि गाद और कीचड़ बाहर निकल जाए और फिर बंद कर दिए जाते हैं। इसके बाद डाउनस्ट्रीम में नदी सूख जाती है और जलाशय को फिर से भरने में कुछ समय लगता है। एनएचपीसी अधिकारी ने जल प्रतिबंध से संबंधित मुद्दे को कमतर आंकते हुए कहा कि बमुश्किल दो दिन पहले ही अखनूर और जौरियां क्षेत्रों में चेनाब नदी में भारी बाढ़ आई थी। बांध भर जाने के बाद सलाल बांध के गेट खोल दिए गए थे। गाद को बाहर निकाल दिया गया है और यह प्रक्रिया जारी है। उन्होंने सिंधु जल संधि के उल्लंघन पर टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि वे भारत सरकार के निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, लेकिन इस समय चेनाब के पानी को पूरी तरह से रोकना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है।भारतीय अधिकारी अखनूर से एक और बड़ी नहर बनाने पर विचार कर रहे हैं, ताकि जम्मू जिले के शेष क्षेत्रों को रामगढ़ और सांबा और कथूस जिलों के कुछ हिस्सों में सिंचाई की जा सके। अखनूर, जौरियां और खौर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में पड़ने वाली पुरानी प्रताप नहर को एडवांस करने और पानी को अंतिम छोर तक ले जाने की व्यवहार्यता की भी जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि इतना ही नहीं अधिकारी परगवाल सेक्टर के लगभग 35 गांवों और घरोटा और कोट भलवाल के कंडी बेल्ट को भी चेनाब नदी के पानी का लाभ देने की योजना बना रहे हैं।बगलिहार डैम, जो रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रो पावर प्लांट के रूप में बनाया गया था, अब पानी के प्रवाह को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले इस डैम से बिना रुकावट पानी बहता था और बिजली पैदा की जाती थी, लेकिन अब भारत ने इसे हथियार बना लिया है। चेनाब नदी का पानी पाकिस्तान के पंजाब में खेतों की सिंचाई के लिए जीवन रेखा है। इस कदम से वहां की कृषि और अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान होगा। इतना ही नहीं, भारत अब झेलम नदी पर बने किशनगंगा डैम के जरिए भी पानी रोकने की तैयारी कर रहा है। इन डैमों से भारत पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है, यानी बिना चेतावनी के पानी कम या ज्यादा कर सकता है, जो पाकिस्तान के लिए तबाही ला सकता है।उल्लेखनीय है कि सिंधु जल संधि के तहत छह नदियों का बंटवारा हुआ था। पूर्वी नदियां (सतलुज, ब्यास, रवि) भारत को और पश्चिमी नदियां (सिंधु, चेनाब, झेलम) पाकिस्तान को मिली थीं। लेकिन भारत में लंबे समय से इस संधि पर सवाल उठते रहे हैं। कई लोग मानते हैं कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसमें जरूरत से ज्यादा उदारता दिखाई। 1965, 1971 और 1999 की जंगों में भी भारत ने यह संधि नहीं तोड़ी, लेकिन इस बार पाकिस्तान की आतंकी हरकतों का जवाब देने के लिए भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। पहलगाम हमले के बाद संधि को निलंबित कर चेनाब का पानी रोकना भारत का कूटनीतिक और रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक है। पाकिस्तान, जो अपनी 80 प्रतिशत कृषि के लिए सिंधु नदी सिस्टम पर निर्भर है, अब जंग की धमकी दे रहा है। लेकिन भारत का यह वाटर अटैक तो बस शुरुआत है, आगे और सबक सिखाए जाएंगे, ऐसे संकेत मिल रहे हैं।पाकिस्तान के खिलाफ आर्थिक शिकंजा कसते हुए भारत सरकार ने आयात पर रोक लगा दी है और बड़ी संख्या में वहां से आने वाले सेंधा नमक के ऑर्डर भी रद्द कर दिए हैं। नए ऑर्डर भी लेना बंद कर दिया गया है। चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के मंत्री अशोक लालवानी ने बताया कि पाकिस्तान से सेंधा (लाहौरी) नमक, छुहारे, काली किशमिश और सब्जा के बीज पाकिस्तान से आयात होते थे। अंजीर, मुनक्का अफगानिस्तान से पाकिस्तान के जरिए पहुंचते थे। लेकिन इन सब पर पूरी तरह रोक लग गई है। सेंधा नमक की हर महीने 250 से 300 टन, 550-600 टन छुहारे, 15 टन में पिस्ता-काली किशमिश और सब्जा के बीज का व्यापार होता है। पाकिस्तान से आयात बंद होने से थोक विक्रेताओं ने फिलहाल सेंधा नमक के बड़े ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। नए ऑर्डर नहीं लिए जा रहे हैं। आगरा किराना कलर एंड केमिकल कमेटी के सदस्य पवनदीप कपूर ने बताया कि जिले में मेवे के करीब 30 थोक व्यापारी हैं। हमारे यहां मुनक्का, पिस्ता, अंजीर अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते आते हैं। आगरा में 25-30 टन अंजीर, 40-50 टन मुनक्का का व्यापार है। अब दूसरे देशों के रास्ते से इनका आयात होगा। यातायात का खर्च बढ़ने से असर इनकी कीमतों पर पड़ेगा। वैसे, देशहित में पूरा व्यापारी वर्ग भारत सरकार के निर्णय के साथ खड़ा है। पाकिस्तान से आयात बंद होने से सूती कपड़ों की कीमतों पर असर पड़ सकता है। वहां से कपास का आयात होता है। सूती कपड़ों की मांग तेजी से बढ़ी है। इससे शर्ट, धोती, अंडरगारमेंट, महिलाओं के परिधान बनाए जा रहे हैं। बांग्लादेश से भी रिश्ते बेहतर नहीं हैं। ऐसे में सूती कपड़ों की कीमत बढ़ सकती है। पाकिस्तान से आयात बंद होने से हमारे देश में चंद पर ही असर पड़ेगा, लेकिन पाकिस्तान को भारी नुकसान होगा।

श्रीनगर और जम्मू ...

पहलगाम हमले की जांच में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी सहयोगियों निसार और मुश्ताक से पूछताछ की, जो पहले एक सेना की गाड़ी पर हुए हमले से भी जुड़े थे। दक्षिण कश्मीर के जंगलों में अभी भी आतंकी छिपे हो सकते हैं। खुफिया जानकारी के मुताबिक, पहलगाम हमले के दौरान कुछ आतंकी दूर से कवर फायर देने के लिए तैनात थे, ताकि सुरक्षाबलों को जवाबी कार्रवाई से रोका जा सके। इसका मतलब है कि पहलगाम में हमले के दौरान हमला करने वाले आतंकियों के अलावा बैकअप में भी आतंकियों का ग्रुप मौजूद था। इन आतंकियों के पास खाने-पीने का सामान और अन्य जरूरी चीजें हैं, जिससे वे जंगलों में लंबे समय तक टिक सकते हैं। इस खतरे को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित हमले को रोका जा सके।

चीफ जस्टिस ने...

अब 15 मई को नए मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी।

सीबीआई के नए...

को नाम का सिफारिश देती है। उसी के आधार पर केंद्र सरकार सीबीआई के अगले डायरेक्टर की नियुक्ति करती है।

सीबीआई के वर्तमान निदेशक प्रवीण सूद हैं। उन्होंने 25 मई, 2023 को प्रमुख जांच एजेंसी के निदेशक का पदभार संभाला। उन्हें 2024 में रिटायर होना था, लेकिन उन्हें सीबीआई के निदेशक के रूप में दो साल का कार्यकाल दिया गया था। इससे पहले, वे कर्नाटक के डीजीपी थे और मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। प्रवीण सूद 1986 बैच के कर्नाटक कैडर के आईपीएस अफसर हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा आईआईटी-दिल्ली से पूरी की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 06 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

नामपल्ली स्थित ललीत कला तोरणम में विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा आयोजित गौ वॉक, हवन, महाहारती कार्यक्रम के मे उपस्थित महंत मुकेशनाथ, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, आर. के. जैन, कमलेश महाराज, मुकेश चौहान, जसराज श्रीश्रीमाल, बालकृष्ण गुरूस्वामी, चंद्रशेखर चवान, डॉ. हरीकुमार, प्रमोद गोयल, रमेश मजेठीया, आयोजक वैभव सुर्या, डॉ. समता व अन्य। (विस्तृत समाचार पृष्ठ 12 पर...)

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को स्व. श्रीमती सरोजदेवी अग्रवाल की मासिक पुण्यतिथि पर श्यामलाल रोहितकुमार अग्रवाल परिवार एवं स्व. श्री कालीचरण गुप्ता की पुण्यतिथि (निर्वाण दिवस) पर श्रीमती शकुंतला गुप्ता, अशोक गुप्ता एवं परिवार (गुप्ता जेम्स एंड ज्वेल्स, हैदराबाद) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर –सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता, ई–जगन (चंपा पेट), गोपाल गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, अशोक गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, अरविन्द गुप्ता, भगतराम गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

अंबरपेट में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा किशन रेड्डी के स्वागत समारोह में उपस्थित भाजपा नेता सपना गुप्ता, लक्ष्मी, अनुराधा, प्रिया, गौतामी, दयानंद, महंश, रमन, सुधाकर, क्रांति, उमा सुधाकर, सत्यनारायण चंद्रशेखर,अनीता व अन्य।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की वार्षिक साधारण सभा 25 को

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की घांसी बाजार झूला शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं पांच पदाधिकारीयों तथा दो केंद्रीय समिति सदस्यों के लिए द्विवार्षिक चुनाव (2025–2027) दिनांक 25 मई रविवार को काचीगुड़ा चौराहा स्थित दिया सुस्वागत बैंक्वेट हॉल बालाजी रतनलाल मीठाई शॉप के बाजू रीलायंस डीजिटल के उपर तीसरे माले स्थित गोल्ड हॉल में शाखाध्यक्ष गोविन्द राम पचेरिया की अध्यक्षता में मध्याह्न 11.30 बजे से शुरू होगी। साधारण सभा में अध्यक्षीय भाषण , मानद मंत्री द्वारा शाखा की गतिविधियों पर प्रकाश तथा कौषाध्पक्ष द्वारा आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जायेगा । द्विवार्षिक चुनाव को सुचारू रूप से से सम्पन्न कराने के लिए अशोक अग्रवाल (सौलानावाला) को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। कमल किशोर अग्रवाल चुनाव अधिकारी को सहयोग करेंगे। पांच पदाधिकारी व दो केंद्रीय समिति सदस्य के लिए इच्छुक सदस्य अपना नामांकन पत्र 10 मई से चुनाव अधिकारी से सम्पर्क कर प्राप्त कर 15 मई तक जमा करा कर प्राप्ति रसीद प्राप्त कर लेवें। नामांकन पत्र की एक प्रतिलिपि बंद लिफाफे में शाखा परामर्शदाता नारायण दास अग्रवाल के पास देनी होगी। तत्पश्चात नामांकन पत्रों की जांच होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख तारीख 20 मई है। चुनाव (अगर जरुरी हुआ) तो मतपत्रों द्वारा वार्षिक साधारण सभा के दौरान ही मध्याह्न 2.00 बजे होंगे। कार्यकारिणी का गठन भी चुनाव उपरांत किया जायेगा। शाखा के सदस्य जिन्होंने अपना सालाना शुल्क 30 अप्रेल से पहले–पहले जमा करवा दिया है वे ही चुनाव लड़ने व मत डालने के अधिकारी होंगे। साधारण सभा के पश्चात दोपहर भोजन की समुचित व्यवस्था भी रखी गई है।

बेल्लारी से भरत भूतड़ा श्री गोदा रंगनाथ के विग्रह के साथ हैदराबाद में रामलाल गंगाविशन सारडा मोजमजाही मार्केट के निवास पर पधारे। दर्शन करते हुए भक्त।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक अग्रसेन भवन सिकंदराबाद में आयोजित की गई ।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल द्वारा उपस्थित ट्रस्टियों का स्वागत किया गया ।

व्हाट्सअप द्वारा उपाध्यक्ष अजीत गुप्ता ने उपाध्यक्ष पद से तथा कार्यकारिणी सदस्य विनोद कुमार अग्रवाल ने कार्यकारिणी सदस्यता से त्यागपत्र दिया जिसे स्वीकार किया गया । पिछली वार्षिक साधारण सभा में निर्णय लिया गया था कि जो सदस्य लगातार तीन मीटिंग में अनुपस्थित रहते हैं उनकी कार्यकारिणी की सदस्यता निरस्त मानी जाएगी अतः कार्यकारिणी में सुनील कुमार अग्रवाल, संजय कुमार सिंघानिया, कैलाश चंद्र अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, विनोद अग्रवाल लगातार तीन मीटिंग में अनुपस्थित थे अतः उनकी कार्यकारिणी की सदस्यता निरस्त मानी गई ।

निम्न सदस्यों के नए ट्रस्टी बनने हेतु आवेदन प्राप्त हुए – संघी ज्वैलर्स, गोविन्द राम ग्यारसी लाल दिल्ली वाले, मुन्ना लाल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सुभाष कुमार गोयंका, विजय कुमार दोचानिया, आनंद मोर को सदस्यता प्रदान की गई । यदि किसी अग्रबंधु को सदस्य बनना हो तो वे सहमंत्री मनोज अग्रवाल से संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं । बैठक में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल तथा उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल को नई कार्यकारिणी एवं नए पदाधिकारी नियुक्त करने हेतु अधिकृत किया गया । आगे भवन नवीनीकरण हेतु विचार विमर्श किया गया जिसमे चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल को संयोजक बनाया गया सभी ट्रस्टी ने अपनी सेवा प्रदान करने हेतु आश्वासन दिया ।

कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता ने अभी तक का हिसाब प्रस्तुत किया जिसे स्वीकार किया गया । बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, चेयरमैन नरेन्द्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष प्रमोद वकुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता, सह मंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, ट्रस्टी किशन लाल अग्रवाल, विशेष आमंत्रित सदस्य सी.ए. ऋषभ अग्रवाल एवं अमित सरावगी आदि उपस्थित थे ।

आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल के लिए 10वीं कक्षा के वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम 100% जो बहुत ही उत्साहवर्धक रहे।विद्यार्थीयों के अथक परिश्रम और अध्यापिकाओं के ध्यान और मार्गदर्शन के परिणाम स्वरुप, सभी विद्यार्थी दसवीं कक्षा में अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त किये । शिक्षण समिति के संचालकों ने सभी विद्यार्थियों को जीवन में उंचाई तक पहुंचे संदेश देते हुए हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,796.84
+294.85 +0.37%
एनएसई :24,461.15
114.45 (0.47%) ↑

अग्र अध्या महिला संगठन पैराडाइज महिला शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव 10 को

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्र अध्या महिला संगठन पैराडाइज महिला शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव का आयोजन आगामी 10 मई को सिकंदराबाद स्थित होटल मुंबई मसाला में सायंकाल 3:00 बजे किया जाएगा। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने जानकारी दी कि श्रीमती कंचन अग्रवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है, नामांकन उसी समय भरे जाएंगे।

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 98,000/– (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 96,225/– (प्रति किलोग्राम)

राधे राधे ग्रुप ने दी नन्दगोपाल भट्टड को बधाई

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दीपक इसलिए वंदनीय है, क्योंकि...
वह दूसरों के लिए जलता है...

उक्त पंक्तियां हैदराबाद के प्रसिद्ध कवि एवं कई साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी नंदगोपाल भट्टड़ जी के हैं। उक्त पंक्तियों में उन्होंने अपने मन की व्यथा को सामने रखा है कि दीपक हमेशा दूसरों के लिए रौशनी बिखेरती है।

ऐसे विचारों के धनी व्यक्तित्व को आरजीए स्वर्ण जयंती शिक्षा न्यास के चेयरमैन बनाने पर राधे राधे ग्रुप की ओर से बहुत–बहुत बधाई। राधे राधे ग्रुप के सभी सदस्य आपसे आशा करते हैं कि आपके कार्यकाल में आरजीए स्वर्ण जयंती शिक्षा न्यास इतनी मजबूत बने और इसका प्रकाश चारो दिशाओं में फैले तथा समाज का कोई भी छात्र अर्थ के अभाव के कारण शिक्षा से वंचित ना हो...इस कार्य का भार अपने कन्धे पर लेने के लिए आपका हृदय की गहराई से साधुवाद।आपके कुशल नेतृत्व एवं क्षमता से आर.जी.ए. शिक्षा न्यास का कार्य बुलंदी की ऊंचाइयों को छूते हुए नया आयाम निश्चित तौर पर स्थापित करेगा और जरूरतमंद समाज के छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। नंदू भाई आपने एक बार विद्यार्थियों को प्रोत्साहन करते हुए कहा था–

कच्चा रास्ता है मेरे घर का
इरादा पक्का हो तो ही आना...

आज समाज के हर छात्र का इरादा पक्का है उन्हें उड़ान की जरूरत है। बस उन्हें ऊँची उड़ान भरने का मौका दिलायें । आप ही के शब्दों में –

मुस्कुराहट में तो हर कोई साथ दे देगा
बात तो तब बनें, जब आंसुओं का भी कोई हिस्सेदार बनें।।

इन्हीं कामनाओं के साथ...
राधे–राधे ।

सनातन धर्म संस्कृति बाल संस्कार शिविर नर्सिंग मंदिर सुल्तान बाजार के बच्चों को पुलिस विभाग द्वारा रोड सेफ्टी समर कैंप में बुलाया गया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

श्रीमती सरोजदेवी अग्रवाल
की सामिक पुण्यतिथि के अवसर पर
श्री श्यामलालजी रोहितकुमारजी अग्रवाल, मेसर्स सुमन एजेन्सी
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

गौ संरक्षण के लिए गौ वॉक, हवन एवं गोमाता महाआरती का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोमाता राष्ट्र माता घोषीत हो इस संकल्प एवं गौ संरक्षण के लिए गौ वॉक, विशेष हवन, गोमाता महाआरती का आयोजन बडी संख्या में उपस्थित गौभक्तो, गौशाला प्रबंधको, सामाजकि एवं धार्मिक गुरूओ के मार्गदर्शन में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ ।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में फिल्म अभिनेता एवं विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष वैभव सूर्या, महामंत्री डा. समताने बताया कि कार्यक्रम में विश्व हिन्दु महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक महंत मुकेशनाथ, अखिल भारत हिन्दू महासभा के पूर्व महामंत्री स्वामी कमलेश महाराज, लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीदार, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट आर. के. जैन, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन के मुकेश चौहान, भारतीय प्राणी मित्र संघ अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल, गो-वत्स फाउडेशन अध्यक्ष एम. एम. पलोड, मंत्री बद्रीविशाल लोया, समाजसेवी रमेश मजेठीया, प्रमोदकुमार गोयल, अखिल भारत गो सेवा फाउंडेशन चेरमेन वालकृष्ण गुरूस्वामी, शिवाजी फाउंडेशन के चंद्रशेखर चवान, युग तुलसी फाउंडेशन चेरमेन के. शिवकुमार, डा. रमादेवी, बीजेपी नेता नरसिम्हा राव, स्किन स्पेश्यलिस्ट डा. हरीकुमार, फिल्म स्टार हिना भाटीया, फिल्म स्टार वुप्पला शारदा, श्रीमती कवीता, एक्टर राधा कृष्ण, एक्ट्रेस मीर्ची माधवी आदि ने भाग लिया ।

विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष वैभव सूर्या ने बताया कि रविवार ता. 4 मई 2025 को प्रात 6 बजे गौ वॉक का आयोजन नामपल्ली पब्लीक गार्डन से ललित कला तोरणम तक किया गया। तत्पश्चात सुबह 8 से 12 बजे तक गौ माता की रक्षा और कल्याण के लिए विशेष तौर पर महाचंडी हवन, 12 वजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन रखा गया। मंच कार्यक्रम में विश्व हिन्दु महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक महंत मुकेशनाथ, अखिल भारत हिन्दू महासभा के पूर्व महामंत्री स्वामी कमलेश महाराज, लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल, शिवाजी फाउंडेशन के चंद्रशेखर चवान, अखिल भारत गो सेवा फाउंडेशन चेरमेन वालकृष्ण गुरूस्वामी आदि का अभिनंदन किया गया। मंच कार्यक्रम का शुभारंभ दिप प्रजवलन द्वारा किया गया। तत्-पश्चात हाल में कश्मीर में हुई आतंकवादी घठना में शहीद हुए लोगों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।महंत मुकेशनाथ ने कहा कि गावो विश्वस्य मातरः हमारे ऋषि मुनियों ने गहन चिन्तं के वाद यह उद्घोष किया है, किन्तु आज योजना बद्ध तरीके से गोवंश को समाप्त किया जा रहा है, यह कृत्य अत्यन्त घृणित व सम्पूर्ण सृष्टि के लिये विनाशकारी है। अगर हम अभी सावधान नहीं हुए तो भविष्य में पश्चाताप के अलावा कुछ नही बचेगा। माँ शब्द गाय से ही आया है, गाय का बच्छडा जन्मते ही माँ पुकारता है । वात्सल्य शब्द गाय से आया है । जल, जमीन, जंगल, जीव, पर्यावरण, मनुष्य व संस्कारो को बचाये रखने का आधार गौ माता है । अत: गौ माता का संरक्षण संवर्धन अत्यन्त आवश्यक है ।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल ने कहा गोमाता का संरक्षण और सम्मान करना न केवल आस्था का विषय है, वल्कि एक पारिस्थितिक और आर्थिक आवश्यकता भी है। इस पहल का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, जन भागीदारी को संगठित करना और गोरक्षा के बारे में नीति-स्तरीय वातचीत को प्रोत्साहित करना है । हमारे शास्त्रों के अनुसार गौमाता केवल कृषि भूमि को उपजाऊ ही नहीं वनाती । वल्कि पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त कर अपने दुध दही और घी से मनुष्य को व्याधि मुक्त कर दीर्घायु प्रदान करतीं हैं । आज वर्तमान समय की नवीन पीढ़ी जिस जहर का आस्वादन कर रही है उससे हमें केवल गौमाता ही बचा सकती है ।कमलेश महाराज ने कहा कि घर पर बैठकर गौमाता की जय जय कार करने से कुछ नही बदलेगा, यदी हम वास्तव में गौभक्त प्रतीदिन गौमाता का ही दुध पिये । कमलेश स्वामी ने आगे कहा कि अमीर हो या गरीब प्राय: हर परिवार में रोजाना कम से कम आधा लीटर दूध तो अवश्य उपयोग में लाया जाता है भारत के गोभक्त गौ माता को कत्लखाने से बचाने के लिये यदि वास्तव में सक्रीय भूमिका निभाना चाहते है तो आज ही शपथ ले कि अपने घर पर सिर्फ और सिर्फ गाय के दूध से बनी चाय ही पियेंगे और अपने बच्चो को भी गाय का ही दुध पिलायेंगे। इससे बाजार में गाय के दूध की मांग बढ़ेगी, इस तरह दुध के व्यापार से जुडे लोग चाहे वे कोई भी धर्मावलंबी हो ज्यादा से ज्यादा संख्या में गो पालन करेंगे। गाय के दूध की मांग बढने पर गो हत्या में स्वत: ही कमी आयेगी । आप गाय का दूध पियेगे तो गोमाता का स्वत: ही संरक्षण हो जायेगा । तो वस कसम खाईये सर्व मंगलकारिणी गोमाता का ही दुध पियेगे। जसराज श्रीश्रीमाल ने आगे बताया तेलंगाना सरकार के गौप्रमी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से निवेदन है कि गौशालाओ के विषय पर आप भी संज्ञान लेकर आर्थिक संकट से जुझ रही गौशालाओ को गौ ग्रास, दवाईया आदि से सहायता करके अपने गौप्रेमी धर्म का पालन करें और गौवंश के प्रति अपनी आस्था को मजबूत करे । बहुत जलदी ही एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मुलाकत करके इस विषय पर अपनी जानकारी देगा ।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि हम सभी (गौभक्तो, गौशाला प्रबंधको, सामाजिक कार्यकरो) को संगठीत होने पडेगा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भी यही है, देश में जो भी लोग गो सेवा के लिए काम कर रहे है वे हमारे है वे किस जाती, पंथ, दल के है हम उनसे भेदभाव नहि करते, वे गो-सेवा के क्षेत्र में जो जो काम कर रहे है उन कामो को समझना, भिन्न भिन्न प्रकार के लोगो को एक मंच पर लाना उनके अच्छे कार्यो की जानकारी का परस्कपर आदान प्रदान करवाना है। उन्होने आगे कहा कि आगर हमें गौवंश की रक्षा करना है तो हम सभी को मिलकर यह प्रण करना होगा की हम गौ उत्पादो का ही प्रयोग करे तो गौरक्षा आंदोलन की जरूरत ही नही पडेगी ।

विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष के अभिनेता वैभव सूर्या ने कहा कि इस कार्यकर्म का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक भारतीय मूल्यों को पुनर्जीवित करने और पारिस्थितिक स्थिरता को बढ़ावा देने के एक हार्दिक प्रयास में, हैदरावाद में जल्द ही एक अनूठा और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी कार्यक्रम 'गोमाता हारथी' का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य गौ संरक्षण और संरक्षण (गौ संरक्षण) के बारे में जागरूकता फैलाना है । यह

विश्व हिंदू महासंघ द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम आध्यात्मिक नेताओं, पर्यावरणविदों, किसानों, गौभक्तो और आम जनता को भारतीय संस्कृति, कृषि और दैनिक जीवन में गोमाता (गाय) की पवित्र भूमिका का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है। कार्यक्रम में वैदिक होम, पारंपरिक हरथी अनुष्ठान और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे जिसमें देशी गाय की नस्लों, जैविक खेती के तरीकों और पंचगव्य-आधारित स्थिरता मॉडल के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना मंत्री डॉ. समता ने कहा कि यह आयोजन आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल के तहत प्राकृतिक खेती, ग्रामीण आजीविका और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप किया गया। इसफें बडी संख्या में गौशाला के पदाधिकारी, गौसेवी संस्थायें, समाजीक संगठन भाग लिया। कार्यक्रम को लव फॉर काऊ फाउंडेशन, गोवत्स फाउंडेशन, प्राणि मित्र रमेश जागीरादार मेमोरियल फाउंडेशन, भारतीय प्राणीमित्र संघ, युग तुल्सी फाउंडेशन, गोल्बल हिन्दू फाउंडेशन, अखिल भारत हिन्दू महासभा, श्री छत्रपती शिवाजी महाराज फाउंडेशन, आल इंडीया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट, मारवाडी युवा मंच, कांची वेलफेर सोसायटी, श्री कामधेनु गौशाला ट्रस्ट, पूज्य रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला, समाजसेवी नरेन्द्र गोयल, समाजसेवी रमेश मजेठिया, समाजसेवी प्रमोद गोयल, वुप्पल शारदा, प्रभाकर आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ ।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन कवि गोष्ठी में पत्रिका प्रकृति मंथन पर सारगर्भित चर्चा सम्पन्न

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-331 का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में सारगर्भित और विचारोत्तेजक वातावरण में संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस गोष्ठी में देश की सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्रीमती मन्नू भंडारी (जन्म : 3 अप्रैल, 1931 – मृत्यु : 15 नवंबर, 2021) के व्यक्तित्व और कृतित्व पर कवि अशोक दोषी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य में महिला कथाकारों में मन्नू भंडारी प्रथम स्थान रखती हैं। नई कहानी के अंतर्गत मन्नू भंडारी का अपना एक विशिष्ट स्थान है। उन्होंने साहित्य क्षेत्र की बहुत-सी विधाओं में रचनाएँ की हैं, परंतु फिर भी कहानी साहित्य में उन्हें अधिक महारथ हासिल है। उनकी लिखी रचनाएँ आम आदमी के जीवन के ईद-गिर्द घूमती हैं। मन्नू भंडारी को उनके महाभोज उपन्यास के लिए भारतीय भाषा परिषद ने रामकुमार भुवालका पुरस्कार दिया। 1976 में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया, परंतु उन्होंने उसे लेने से इंकार कर दिया। इनकी रचनाओं को फ़िल्म का रूप भी मिल चुका है। इनके साहित्य पर देशभर के विश्वविद्यालयों में अनेक पीएच.डी. के शोध संपन्न हो चुके हैं। मन्नू भंडारी का साहित्य आज भी पाठकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। उन्होंने हिंदी साहित्य जगत को अपनी लेखनी से नवीनता और विकास का मार्ग दिखाया। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया और गीत चाँदनी की 44 वर्षों की सतत काव्य यात्रा का परिचय और संस्था की विशेष गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने आगे बताया कि इस मूल्यांकन कवि गोष्ठी में मेरठ (उत्तर प्रदेश) की त्रैमासिक हिंदी पत्रिका प्रकृति मंथन (प्रकृति और संस्कृति की संवाहक) के वर्ष : 12, अंक : 1 जनवरी-मार्च, 2025 अंक में प्रकाशित रचनाओं पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों द्वारा चर्चा की जा रही है। कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि यह पत्रिका भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत है। पत्रिका के संपादक : मुकेश नादान, उप-संपादक : महेश चंद शर्मा, प्रबंध संपादक : निरुपमा वर्मा, साहित्य परामर्शदाता : राजकुमारी चौकसे और डॉ. स्वर्णलता कदम हैं। मूल्यांकन गोष्ठी में श्री श्रुतिकांत भारती विशेष अतिथि थे। वक्ताओं ने मूल्यांकन गोष्ठी में आलोच्य पत्रिका प्रकृति मंथन पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तत किये। विचार प्रस्तुत करने वाले विद्वान साहित्यकारों में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, कवयित्री रत्नकला मिश्र, आरती कुमारी, सुनील मिश्रा, चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, श्रुतिकांत भारती आदि ने अपने वक्तव्यों से प्रकृति मंथन में प्रकाशित सामग्री की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति मंथन जैसी पत्रिकाओं की समाज को अत्यंत आवश्यकता है। इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय के कविगण देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ कर ख़ूब समाँ बाँधा और श्रोताओं को आनंदित किया। इस अवसर पर बैंगलोर शहर में पुरस्कारों से सम्मानित होने के उपलक्ष्य में कवि गोविंद अक्षय और कवि अंजनी कुमार गोयल का भव्य सम्मान किया गया। गीत चाँदनी के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ कवि शिव कुमार तिवारी कोहिरी के द्वितीय सुपुत्र चक्रदीप तिवारी के आकस्मिक निधन पर उनकी सेवाओं को याद किया गया और 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम हमले के मृतकों को तथा चक्रदीप तिवारी को दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गयी।

तेरापंथ भवन हिमायतनगर में नवीनीकृत तेरापंथ होमियो क्लिनिक का उद्घाटन

हैदराबाद, 5 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) हैदराबाद द्वारा संचालित और हाल ही में नवीनीकृत तेरापंथ होमियो क्लिनिक तथा तेयुप कार्यालय का आज जैन संस्कार विधि के साथ भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ।राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार यह कार्यक्रम क्लिनिक के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो पिछले 15 वर्षों से समुदाय की सेवा कर रहा है।

सभा को संबोधित करते हुए, तेयुप हैदराबाद के अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने क्लिनिक की स्थापना के बाद से लेकर अब तक की सफल यात्रा का वर्णन किया, जिसकी शुरुआत पूर्व अध्यक्ष श्री राजेंद्र बोथरा के कार्यकाल में हुई थी। उन्होंने श्री विजय कुंडलियाँ की समर्पित सेवा को सराहा, जिन्होंने लगभग एक दशक तक क्लिनिक के संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके पश्चात सेवारत श्री प्रदीप कोठारी और वर्तमान संयोजक श्री राहुल गोलछा के सेवा भावना की सराहना करते हुए अनुमोदना की ।नवीनीकृत क्लिनिक का फीता खोलकर उद्घाटन श्री विजयकुमार बाफ़ना ने किया। मुख्य जैन संस्कारक श्री ललित लुनिया ने मंगल मंत्रोच्चारण के साथ विधिपूर्वक पूजन संपन्न कराया, जिसमें श्री जिनेंद्र बैद ने सह संस्कारक के रूप में सहयोग दिया। भिक्षु प्रज्ञा मंडली के सह संयोजक श्री शुभम बैद और साथीगण ने इस अवसर पर प्रेरणादायक विजय गीत प्रस्तुत किया, जिससे कार्यक्रम में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हुआ।कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण गौरवशाली संगठन - कल आज कल नामक एक विशेष दो-भाग श्रृंखला का अनावरण था। इसका पहला भाग पूर्व अध्यक्ष श्री केवलचंद लुनावत द्वारा और दूसरा भाग पूर्व अध्यक्ष श्री राजेंद्र बोथरा और श्री विजय कुंडलियाँ द्वारा संयुक्त रूप से अनावरण किया गया। पूर्व अध्यक्ष श्री प्रवीण श्यामसुखा ने अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के आयाम पट का भी अनावरण किया।

इस अवसर पर एक सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें तेरापंथ होमो क्लिनिक की समर्पित डॉ. स्वप्ना और वासन आई केयर हॉस्पिटल से पधारे डॉ. अरविंद व उनकी टीम को तेयुप हैदराबाद द्वारा सम्मानित किया गया। सहमंत्री श्री जिनेंद्र सेठिया ने कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया, जबकि संगठन मंत्री श्री जिनेंद्र बैद ने पूरे कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन किया।

मंत्री श्री अनिल दुगड़ ने नवीनीकरण कार्य में अथक परिश्रम करने वाले श्री जिनेंद्र बैद की सराहना की और अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा के कुशल नेतृत्व की प्रशंसा की। इस वर्ष के मुख्य सहयोगी श्री मांगीलाल विजयकुमार बाफ़ना परिवार का सम्मान करते हुए उनको साधुवाद संप्रेषित किया । उपस्थित पूर्व अध्यक्षों ने अपने व्यक्तव्यों के दौरान वर्तमान कार्यकारिणी को बधाई दी और सर्वसम्मति से अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा और मंत्री अनिल दुगड़ से अगले कार्यकाल में भी अध्यक्ष-मंत्री की जोड़ी में पद पर बने रहने का आग्रह किया।

उद्घाटन समारोह के साथ-साथ, क्लिनिक में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों को मुफ्त डॉक्टरी परामर्श और दवाइयाँ वितरित की गईं। कार्यक्रम में श्री सुरेश जी संचेती, सलाहकार श्री दीपक साँखला, साहित्य प्रभारी श्री प्रकाश दुगड़ और आईटी प्रभारी प्रांजल दुगड़ सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज महिला विंग गच्चीबावली शाखा का चुनाव 24 को

हैदराबाद, 4 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महिला विंग गच्ची बोली शाखा की अध्यक्ष श्रीमती कमलेश अग्रवाल द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 24 मई 2025 शनिवार को साँय 5 बजे साधारण सभा एवं चुनाव का आयोजन किया जाएगा।

श्रीमती संगीता टांटिया जी को चुनाव अधिकारी के रूप में अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल द्वारा नियुक्त किया गया है।इसमें नामांकन दाखिल करने की तिथि 14 मई जांच की अंतिम तिथि 16 मई ,नाम वापस लेने की तिथि 21 मई रखी गई है। सभी कार्यकारिणी के सदस्यों ने इसका अनुमोदन कर स्वीकृति प्रदान की है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के दर्शन कराएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर वीरता और विरासत की रेल यात्रा

हैरिटेज स्पेशल टूर में पर्यटकों को रायगढ़ किला, पुणे (लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि), शिवनेरी किला, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, प्रतापगढ़ किला और कोल्हापुर (महालक्ष्मी मंदिर और पन्हाला किला) दिखाए जाएंगे

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल पहली बार 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर हैरिटेज टूर का आयोजन करने जा रही है। इस टूर में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को कवर किया जाएगा। भारत गौरव ट्रेन अपनी यात्रा की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (उड्चढ) से करेगी, और कोंकण रेलवे नेटवर्क पर स्थित मनगांव रेलवे स्टेशन पहुंचेगी - जो रायगढ़ किले का सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन है। रायगढ़ वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में उनकी राजधानी भी बना। रायगढ़ किला घूमने के बाद पर्यटक ट्रेन पर वापस आएंगे और पुणे के लिए रवाना होंगे, जहां रात के खाने और होटल में रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी।

यात्रा के दूसरे दिन पर्यटकों को पुणे के प्रमुख स्थलों - लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि - दिखाए जाएंगे। लाल महल का निर्माण 1630 ई. में शाहजी भोंसले ने अपनी पत्नी जीजाबाई और पुत्र शिवाजी के लिए करवाया था। वर्तमान संरचना 1984 में पुनर्निर्मित हुई है और इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़ी तैल चित्रों की एक विशाल श्रृंखला लगी है। कसबा गणपति मंदिर, पुणे के ग्रामदेवता के रूप में प्रसिद्ध है जिसे 1893 में स्थापित किया गया। माना जाता है कि इस स्थान को छत्रपति शिवाजी की माता जीजाबाई द्वारा चुना गया था। इसके बाद से ही पुणे को भगवान गणेश का नगर कहा जाने लगा। पर्यटक यहां से शिवसृष्टी जाएंगे, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित भारत का सबसे बड़ा थीम पार्क है। यहां पर्यटक 3ऊ में शिवाजी के जीवन दर्शन और अन्य इंटरैक्टिव सेशंस का आनंद लेंगे।

पुणे में रात्रि विश्राम के बाद पर्यटक यात्रा के तीसरे दिन पुणे से लगभग 95 किलोमीटर दूर स्थित शिवनेरी किले की यात्रा करेंगे, जो जुन्नार सिटी के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव का प्रतीक है। इसी दिन दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके बाद रात्रि विश्राम के लिए पर्यटक पुणे लौटेंगे।

'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट टूर' के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन यात्रा 09 जून 2025 को प्रस्थान करेगी। 5 रात और 6 दिन की इस यात्रा की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से होगी। अत्याधुनिक भारत गौरव एसी टूरिस्ट ट्रेन, स्लीपर, सेकेंड एसी और थर्ड एसी कोच के साथ कुल 748 पर्यटकों को समायोजित करने की क्षमता रखती है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दादर और ठाणे रेलवे स्टेशनों से भी सवार हो सकते हैं। इस विरासत यात्रा के टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

चौथे दिन पर्यटक भारत गौरव ट्रेन के साथ सतारा के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रतापगढ़ किले का भ्रमण करेंगे। यह वही ऐतिहासिक किला है जहाँ 1659 में अफ़ज़ल खान और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच युद्ध हुआ था, जिसने मराठा साम्राज्य की नींव रखी। दिन में लंच के बाद ट्रेन अपने अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए रवाना होगी।

पांचवें दिन की सुबह ट्रेन छत्रपति शाहू जी महाराज टर्मिनस, कोल्हापुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यहां होटल में नाश्ते और तैयारियों के बाद पर्यटक महालक्ष्मी मंदिर (अंबाबाई) और फिर पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्री पर्वत पर स्थित यह किला कई ऐतिहासिक लड़ाइयों का साक्षी रहा है। यहीं शिवाजी महाराज 500 दिनों तक रुके और फिर सफलतापूर्वक निकल भागे थे।

पन्हाला किला अपने साँप- जैसे आकार के कारण 'फोर्ट ऑफ स्नेक्स' भी कहलाता है। यह किला शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के जीवन से जुड़ा है। यह स्थल शिवाजी महाराज के कमांडर बाजी प्रभु देशपांडे की वीरता के लिए भी याद किया जाता है। यहां से देर शाम को ट्रेन मुंबई के लिए वापसी यात्रा पर निकलेगी और छठे दिन सुबह मुंबई पहुंचेगी।

इस यात्रा का आयोजन भारतीय रेल के टूरिज्म एंड कैटरिंग कॉरपोरेशन द्वारा किया जा रहा है, जिसमें होटल में रात्रि विश्राम, शाकाहारी भोजन, बसों के जरिए दर्शनीय स्थल भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर एस्कॉर्ट आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

बंजारा हिल्स में एक व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स के फर्स्ट लांसर इलाके में एक व्यक्ति की उसके साले ने कथित तौर पर पूर्व रंजिश के चलते हत्या कर दी।पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोहम्मद इलियास और संदिग्ध अब्दुल सत्तार के बीच कथित तौर पर एक मामूली बात पर बहस हुई थी। सत्तार ने कथित तौर पर चाकू उठाया और इलियास पर कई वार किए, जिससे उसके शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं और वह वहीं गिर पड़ा।उन्हें तुरंत उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, M SHANTI KUMARI spouse of Service No. 15470185K Ex.DFR YESUDASS S, R/o.H.No. 2-2-123/171, Sai Reddy Colony, MachaBolarum, Secunderabad - 500010, MedchalMalkajgiri Dist, Telangana have changed my name and DOB from M SHANTI KUMARI, DOB:14-05-1978 to SWARNA SHANTI, DOB:14-05-1976 vide affidavit dt:5-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SAROJA Mother of Service No. 15691866K L/Hav RAVI KUMAR VEMULA, R/o. Vill and PO:Ravivalasa, Teh:Tekkali, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532212 have changed my name from SAROJA to VEMULA SAROJA vide Affidavit dated:5-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, ARMUGAM V father of Service No. 15691866K L/Hav RAVI KUMAR VEMULA, R/o. Vill and PO:Ravivalasa, Teh:Tekkali, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532212 have changed my name from ARMUGAM V to VEMULA ARMUGAM vide affidavit dt:5-5-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No.JC 209173H Sub YELLAPU PAIDI RAJU, R/o. 5-3-110/96, SaiKrupa Colony, Vill:Yapral, P.O:J.J.Nagar, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500087 hereby declare that my daughter name and DOB is to be changed from NAAG SATYA, DOB:07-02-1979 to VELAGA KARUNA KUMARI, DOB:07-02-1980 vide affidavit dt:03-05-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, D HARI PRIYA DEVI Mother of Service No.JC 291332Y Nb Sub (TA) D VISWANATHA REDDY, R/o. Vill&P.O:Mayalur, Teh:Uyyalawada, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518155 have changed my name and DOB from D HARI PRIYA DEVI, DOB:01-07-1958 to DUDDEKUNTA HARI PRIYA DEVI, DOB:01-01-1963 vide affidavit dt:03-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, D SIVA RAMI REDDY Father of Service No.JC 291332Y Nb Sub (TA) D VISWANATHA REDDY, R/o. Vill&P.O:Mayalur, Teh:Uyyalawada, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518155 have changed my name and DOB from D SIVA RAMI REDDY, DOB:01-07-1949 to DUDDEKUNTA SIVA RAMI REDDY, DOB:01-01-1955 vide affidavit dt:03-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, D HARITHA Spouse of Service No.JC 291332Y Nb Sub (TA) D VISWANATHA REDDY, R/o. Vill and PO:Mayalur, Teh:Uyyalawada, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh - 518155 have changed my name from D HARITHA to DUDDEKUNTA HARITHA vide affidavit dt:03-05-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

राजीव युवा विकासम योजना के लिए सिबिल स्कोर अनिवार्य

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार ने सोमवार, 5 मई को घोषणा की कि राजीव युवा विकासम योजना का लाभ उठाने के लिए सिबिल स्कोर अनिवार्य है।

यह योजना तेलंगाना में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है। चूंकि उखइखङ स्कोर महत्वपूर्ण हो गया है, इसलिए जिन आवेदकों ने पहले कभी लोन नहीं लिया है, उनके आवेदन खारिज होने का खतरा है।

राज्य सरकार ने राजीव युवा विकास योजना के क्रियान्वयन के तहत लोगों के ऋण विवरण एकत्र करने के लिए कदम उठाए हैं। अब तक 16.25 लाख लोगों ने इस योजना के लिए आवेदन

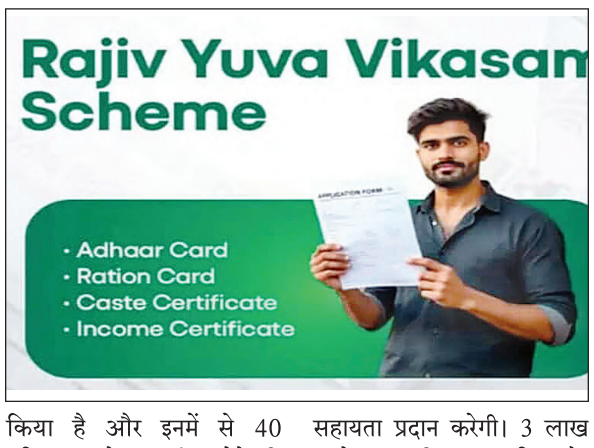

किया है और इनमें से 40 प्रतिशत आवेदन खारिज होने की संभावना है।

15 मार्च, 2025 को शुरू की गई राजीव युवा विकास योजना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को स्वरोजगार उद्यम शुरू करने में सशक्त बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। 3 लाख रुपये तक की ऋण राशि और 60-80 प्रतिशत तक की सब्सिडी के साथ, इस योजना का उद्देश्य उद्यमिता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

3-4 लाख रुपये तक के ऋण पर 60 प्रतिशत तथा 2 लाख रुपये तक के ऋण पर 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। छोटी इकाइयों तथा लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 50,000 रुपये तक के ऋण पर, चाहे बैंक किसी भी बैंक से जुड़ा हो, 100 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

अप्रैल में, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि राजीव युवा विकास योजना के लाभार्थियों को सफल व्यवसाय और अधिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए 3-15 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बैंकर्स के साथ बैठक के दौरान विक्रमार्क ने कहा कि राजीव युवा विकासम को महज एक कल्याणकारी योजना नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि इसे रोजगार योग्य युवाओं के जीवन में स्वरोजगार लाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने बैंकर्स से आग्रह किया कि वे इस योजना को मानवीय आधार पर देखें तथा इस नेकनीयत योजना के लिए 1,600 करोड़ रुपये का ऋण लिंकेज देकर राज्य सरकार के साथ सहयोग करें, जिसके लिए राज्य सरकार 6,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धनराशि जारी करने के बाद बैंकर्स को भी अपनी ऋण लिंकेज धनराशि जारी करने के लिए तैयार रहना चाहिए।उपमुख्यमंत्री ने बैंकर्स को शीघ्र ही जिला कलेक्टरों के साथ बैठक करने के निर्देश देते हुए कहा कि लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र दिए जाने के बाद राज्य स्तरीय बैंकर्स बैठक आयोजित की जाएगी।

हरीश राव ने किसानों की मौत के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया

5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की मांग की

सिद्दीपेट, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने सोमवार को राज्य में धान खरीद केंद्रों पर चार किसानों की मौत को कांग्रेस सरकार द्वारा की गई हत्या करार दिया और आरोप लगाया कि देरी और लापरवाही के कारण किसानों को कठोर परिस्थितियों में कई दिनों तक इंतजार करना पड़ा।

कृषि बाजार में बारिश से क्षतिग्रस्त धान का निरीक्षण करने के बाद सिद्दीपेट में पत्रकारों से बात करते हुए राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की कि वे मिस वर्ल्ड जैसे आयोजनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जबकि किसान खरीद केंद्रों पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार मृतक किसानों के परिवारों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा करे। राव ने कहा कि किसानों को अपनी उपज को बारिश और चोरी से बचाने के लिए खरीद केंद्रों पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, तिरपाल, बोरियों, धान साफ करने वालों और हमाली की कमी के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मार्केटिंग अधिकारियों से बात करते हुए राव ने धान को चावल मिलों तक पहुंचाने के लिए हमाली और लॉरियों की व्यवस्था करने में देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी और मिल मालिक नमी और गुणवत्ता के मुद्दों का हवाला देकर प्रति क्विंटल 5 से 8 किलोग्राम की गलत कटौती कर रहे हैं, जो किसानों के साथ घोर अन्याय है।राव ने कहा कि कांग्रेस के नेता जो विपक्ष में रहते हुए खरीद केंद्रों पर जाते थे, अब उनसे बच रहे हैं क्योंकि सरकार किसानों की समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। उन्होंने भीगे हुए धान को तुरंत खरीदने की मांग की ताकि उसे और सड़ने से बचाया जा सके।

उन्होंने भुगतान में देरी के लिए भी सरकार को दोषी ठहराया और कहा कि खरीद के 10 दिन बाद भी किसानों को उनका बकाया नहीं मिला है। उन्होंने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के इस दावे का खंडन किया कि भुगतान 48 घंटे के भीतर कर दिया गया था।राव ने कांग्रेस पर किसानों के कर्ज माफी और रायतु भरोसा लाभ जैसे वादे पूरे न करके उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने किसानों से बातचीत की और यह समझने की कोशिश की कि खरीद केंद्रों पर उन्हें कितना इंतजार करना पड़ता है।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर राहगीरों को सुविधाएं देगा ई-वे हब

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उन्नत सुविधाओं युक्त उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार द्वारा प्रदेश में एक्सप्रेस-वेज को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से युक्त करने प्रक्रिया जा रही है। देश में एक्सप्रेस-वे प्रदेश के तौर पर प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश न केवल योगी सरकार के प्रयास से लैंड लॉक स्टेट की छवि को तोड़ रहा है बल्कि आधुनिक तकनीक, उन्नत प्रणाली और उत्तम नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इसी कड़ी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर राहगीरों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं देने के लिए ई-वे हब का निर्माण व विकास किया जाएगा। हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा खाका मुख्य सचिव के सामने पेश किया गया था। इसी के आधार पर प्रदेश में इन दोनों एक्सप्रेस-वे पर कुल 12 ई-वे हब्स के निर्माण व विकास को पूर्ण करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है।

यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर कुल 4 ई-वे हब का निर्माण व विकास किया जाएगा। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर कुल 40 हेक्टेयर क्षेत्र में ई-वे हब का निर्माण व विकास किया जाएगा। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से जुड़ने वाले जिलों में बांदा, हमीरपुर व जालौन में ई-वे हब के निर्माण व विकास की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रक्रिया के अंतर्गत बांदा में एक्सप्रेस-वे के दाहिनी ओर 10 हेक्टेयर क्षेत्र में तथा हमीरपुर में एक्सप्रेस-वे की बायीं ओर 10 हेक्टेयर क्षेत्र में ई-वे हब का निर्माण व विकास किया जाएगा। इसी प्रकार जालौन में 2 ई-वे हब्स का निर्माण एक्सप्रेस-वे की दोनों तरफ क्रमशः 10-10 हेक्टेयर भूमि पर किया जाएगा।

यूपीडा की कार्ययोजना के अनुसार, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 8 ई-वे हब्स का निर्माण व विकास निर्धारित किया गया है, जो कि कुल 81.89 हेक्टेयर क्षेत्र में होगा। बाराबंकी में एक्सप्रेस-वे के बायीं तरफ 10 हेक्टेयर में, अमेठी में 10.12 हेक्टेयर में एक्सप्रेस-वे की दाहिनी तरफ, मऊ में 10.10 हेक्टेयर में बायीं तरफ तथा गाजीपुर में 10.52 हेक्टेयर क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर दाहिनी तरफ ई-वे हब का निर्माण व विकास किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सुल्तानपुर व आजमगढ़ में एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ 10.42, 10.58, 10.11 तथा 10.04 हेक्टेयर क्षेत्र में ई-वे हब का निर्माण किया जाएगा।खास बात यह है कि यूपीडा द्वारा तैयार की गई योजना में दोनों एक्सप्रेस-वे के किनारे विभिन्न प्रक्रार की सुविधाओं का विकास किए जाने का खाका तैयार किया गया है। इसमें एक्सप्रेस-वे किनारे पेट्रोल-सीएनजी पंप, चार्जिंग स्टेशन, कमर्शियल स्पेसेस, पेयजल व टॉयलेट ब्लॉक्स, फूडकोर्ट व आउटलेट्स, बजट होटल, थीमपार्क तथा लॉजिस्टिक्स प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, एक्सप्रेस-वे के किनारे इंडस्ट्रियल व कमर्शियल क्षेत्रों का भी विकास किया जाएगा। इन सभी ई-वे हब को अत्याधुनिक सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम का कवरेज दिया जाएगा जिससे कि एक्सप्रेस-वे व आसपास के क्षेत्र की मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त, यहां किड्स प्लेइंग एरिया, हेल्थकेयर व एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। सभी निर्माण व विकास प्रक्रियाओं को ईपीसी मोड पर पूरा किया जाएगा।

डॉक्टर ने व्हाट्सएप के जरिए की सर्जरी, जुड़वां बच्चों की मौत

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में चिकित्सा लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है , जहां नवजात जुड़वा बच्चों की जन्म के कुछ समय बाद ही दुखद मौत हो गई। यह घटना इब्राहिमपटनम के विजयलक्ष्मी अस्पताल में हुई , जिससे आपातकालीन प्रसूति मामलों से निपटने में अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।रिपोर्ट के अनुसार, एक गर्भवती महिला गंभीर प्रसव पीड़ा के साथ अस्पताल पहुंची। हालांकि, उस समय उपस्थित डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे । एक आश्चर्यजनक मोड़ में, नर्सों ने डॉक्टर से परामर्श करने के लिए व्हाट्सएप के माध्यम से एक वीडियो कॉल शुरू की । कॉल पर प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए, नर्सों ने आगे बढ़कर सी-सेक्शन ऑपरेशन किया ।

कोत्तागुडेम में मुर्रेदु कारकट्टा का काम अभी भी शुरू नहीं हुआ है

कोत्तागुडेम, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कोत्तागुडेम कस्बे में मुर्रेदु धारा के किनारे तटबंध (करकट्टा) का निर्माण कार्य प्रस्तावित होने के तीन साल बाद भी शुरू नहीं हो पाया है।हर मानसून में जब नाले में बाढ़ आती है तो नाले के दोनों ओर की मिट्टी कट जाती है, जिससे नाले के किनारे बसे घरों को खतरा पैदा हो जाता है। लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल में श्रीनगर कॉलोनी, संजय नगर और हमाली कॉलोनी बाढ़ के कारण प्रभावित हुए। नाले के उफान पर आने से नाले के किनारे बसे 20 से ज़्यादा घर ढह गए जबकि कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। इसी तरह पिछले कई सालों में बाढ़ के कारण कृषि भूमि भी जलमग्न हो गई और सिंचाई पंप सेट बह गए।वर्ष 2023 में तत्कालीन विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव ने नदी के दोनों ओर 'करकट्टा' बनाने का प्रस्ताव रखा था।

सिंचाई अधिकारियों ने उन्नत तकनीक से तटबंध निर्माण के लिए 30 करोड़ रुपए का अनुमान तैयार किया और कहा गया कि धनराशि स्वीकृत हो गई है। बाद में वर्तमान विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने सिंचाई अधिकारियों को संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। संशोधित अनुमान के बाद निर्माण लागत 50 करोड़ रुपए बताई गई, लेकिन अभी तक धनराशि स्वीकृत नहीं हुई है।चूंकि मानसून एक महीने बाद शुरू होने वाला है, इसलिए नदी के किनारे रहने वाले लोग अपने घरों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 'करकट्टा' निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है। निवासी चाहते हैं कि विधायक इस मुद्दे पर ध्यान दें और सुनिश्चित करें कि 'करकट्टा' जल्द से जल्द पूरा हो।सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अर्जुन ने बताया कि उच्चाधिकारियों से मिले सुझावों के बाद संशोधित प्राक्कलन प्रस्तुत कर दिया गया है। राज्य सरकार से धनराशि स्वीकृत होते ही कार्य के टेंडर आमंत्रित कर दिए जाएंगे।

एक-एक गरीब पात्र को चिन्हित कर राशनकार्ड दे रही योगी सरकार

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत योगी सरकार एक-एक पात्र गरीब को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही है। प्रदेश में अंत्योदय कार्ड लाभार्थियों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है। अब तक प्रदेश में 3.16 करोड़ से अधिक परिवारों के सामान्य राशन कार्ड और 40.73 लाख से अधिक परिवारों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। सरकार का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है और इसके लिए अभियान चलाकर पात्रता की पहचान की जा रही है।

खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, राशन कार्ड वितरण में प्रयागराज जिला सबसे आगे है। इस जिले में 9,34,677 सामान्य राशन कार्ड और 40,29,226 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर सीतापुर जिला है, जहां 7,74,576 राशन कार्ड और 31,60,253 लाभार्थी हैं। आगरा ने तीसरा स्थान हासिल किया है, यहां 7,38,939 राशन कार्ड बनाए, जिनसे 30,80,875 लाभार्थी जुड़े हैं। चौथे स्थान पर लखनऊ हैं जहां 7,01,070 राशन कार्ड के जरिए 29,08,145 लाभार्थी जुड़े हैं, जबकि जौनपुर पांचवें स्थान पर है, जहां 6,91,216 राशन कार्ड और 30,56,416 लाभार्थी हैं। छठे स्थान पर गोरखपुर हैं जहां 6,72,749 राशन कार्ड बनाए गए, जिनसे 26,79,692 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। सातवें स्थान पर आजमगढ़ है जहां 6,70,679 राशन कार्ड और 30,86,602 लाभार्थी हैं। राशनकार्ड वितरण में बरेली आठवां स्थान हासिल किया है यहां 6,70,677 राशन कार्ड के जरिए 29,19,581 लाभार्थियों के मुफ्त राशन का लाभ मिल रह है। वहीं नौवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है यहां 5,89,160 राशन कार्ड और 16,97,709 लाभार्थी हैं, जबकि 10वें स्थान पर लखीमपुर खीरी है जहां 5,86,592 राशन कार्ड और 23,95,374 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े योगी सरकार की इस योजना की सफलता को दर्शाते हैं।

अंत्योदय राशन कार्ड वितरण में भी कई जिले शीर्ष पर हैं। आंकड़े के अनुसार, गोरखपुर ने अत्यंत गरीबों को चिन्हित कर उनको राशन कार्ड जारी करने में बाजी मारी है। यहां 1,26,392 अंत्योदय राशन कार्ड बनाए, जिनसे 4,56,750 लाभार्थी जुड़े हैं। दूसरे स्थान पर सीतापुर है जहां 1,11,714 अंत्योदय राशन कार्ड और 3,09,470 लाभार्थी हैं। लखीमपुर खीरी ने तीसरा स्थान हालिल किया है जहां 1,09,395 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,95,862 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। चौथे स्थान पर आजमगढ़ है यहां 1,05,782 अंत्योदय राशन कार्ड के जरिए 41,4,541 लाभार्थियों को राशन का लाभ मिल रहा है। पांचवें स्थान पर बरेली में 97,996 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,97,077 लाभार्थी हैं। छठवें स्थान पर प्रयागराज है जहां 86,613 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,61,220 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। सातवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है जहां 82,334 अंत्योदय राशन कार्ड से 2,46,418 लाभार्थियों को राशन मिल रहा है। अभी तक के प्राप्त आंकड़े में जौनपुर ने आठवां स्थान हासिल किया है, जिसमें 1,25,472 अंत्योदय राशन कार्ड और 4,14,788 लाभार्थी हैं। नौवे स्थान पर लखनऊ है जहां 48,903 अंत्योदय राशन कार्ड और 1,48,216 लाभार्थी दर्ज हैं वहीं अबतक के आंकड़े के अनुसार, 10वें स्थान पर फिरोजाबाद है 32,231 अंत्योदय राशन कार्ड और 99,599 गरीब लाभार्थी राशन का लाभ रहे हैं। इन जिलों ने अंत्योदय योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया है। अभी राशनकार्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है।

योगी सरकार ने पात्र गरीबों की पहचान के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। आधार-लिंक्ड सत्यापन और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के जरिए यह प्रक्रिया पारदर्शी बनाई गई है। जिला प्रशासन को नियमित निगरानी और समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र परिवार राशन से वंचित न रहे। राशन दुकानों को डिजिटल करने और पीओएस मशीनों के उपयोग से वितरण प्रणाली को और मजबूत किया गया है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर महीने पात्र परिवारों को गेहूं, चावल, दाल और अन्य आवश्यक वस्तुएं मुफ्त में मिलें।

योगी सरकार की इस पहल से प्रदेश के करीब 15 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। अंत्योदय कार्ड धारकों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है, जो सबसे गरीब परिवारों को लक्षित करती है। सरकार का मकसद है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में राशन वितरण को प्रभावी बनाया गया है।

पत्नी के चले जाने से परेशान होकर व्यक्ति ने संगारेड्डी में बच्चों और खुद की हत्या कर दी

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। संगारेड्डी जिले के कोंडापुर मंडल के मलकापुर गांव में 5 मई की सुबह एक 41 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों और फिर खुद को मार डाला।

पेशे से ग्रामीण चिकित्सक (आरएमपी) सुभाष नामक व्यक्ति अपने बच्चों मारिन (13) और आराध्या (10) के साथ मृत पाया गया।

सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में भेज दिया।

पुलिस को संदेह है कि अपनी पत्नी के छोड़ कर चले जाने से दुखी होकर व्यक्ति ने यह कदम उठाया होगा।मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की प्रतिभागी युवतियां पोचमपल्ली गांव का दौरा करेंगी

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'मिस वर्ल्ड 2025' के ग्रुप 2 के प्रतिभागी देशों की युवतियां वैश्विक स्तर पर हथकरघा गांव के रूप में लोकप्रिय पोचमपल्ली गांव का दौरा करेंगी।यहां आज जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह दौरा आगामी 15 मई को होगा । इस दौरान प्रतिभागी युवतिया भारत की सबसे प्रसिद्ध कपड़ा परंपराओं में से एक पोचमपल्ली इकत के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगी।

माधापुर में युवाओं ने मचाया उत्पात

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रविवार को कथित तौर पर नशे की हालत में युवाओं के एक समूह ने माधापुर मुख्य सड़क पर सार्वजनिक रूप से उत्पात मचाया।सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो क्लिप में कुछ अज्ञात युवकों ने कथित तौर पर नशे की हालत में एक पब के बाहर सड़क पर एक-दूसरे से बहस की और एक-दूसरे को गाली-गलौज और मारपीट की। नशे में धुत युवकों के समूह ने सड़क पर भी उत्पात मचाया और पैदल चलने वालों और वाहन चालकों के साथ गाली-

गलौज और मारपीट की।उन्होंने कथित तौर पर पब के सुरक्षाकर्मियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया, जिन्होंने उन्हें रोकने की कोशिश की। माधापुर पुलिस जांच कर रही है।

तूफान आने वाला है

क्या अगले महीने तेलंगाना में सरकारी सेवाएं बंद हो जाएंगी?

तेलंगाना सरकार के कर्मचारियों में असंतोष पनप रहा है, जो लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर जून में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। कर्मचारी यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति के अनुसार, 9 जून को हैदराबाद में एक विशाल महाधरना आयोजित किया जाएगा, जिसमें 50,000 से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के कर्मचारियों में असंतोष पनप रहा है , जो लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर जून में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। कर्मचारी यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति के अनुसार, 9 जून को हैदराबाद में एक विशाल महाधरना आयोजित किया जाएगा , जिसमें

50,000 से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है । इसके अतिरिक्त, 15 जून से सभी जिला मुख्यालयों पर धरने आयोजित किए जाएंगे । सरकारी कर्मचारियों का कहना है कि वे 16 महीने से धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे हैं , लेकिन राज्य सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही बातचीत की है। निराशा अब उबल रही है, शिक्षक, पेंशनभोगी और अन्य कर्मचारी एकजुट होकर कह रहे हैं कि वे अब और इंतजार नहीं कर सकते।

जेएसी ने कई गैर-परक्राम्य मांगें सूचीबद्ध की हैं जिन पर तेलंगाना सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिए:

-9,000 करोड़ रुपये के लंबित बिलों का तत्काल निपटान

-वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) की सिफारिशों का कार्यान्वयन

-पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली

-सभी विभागों को प्रभावित करने वाले विभिन्न अन्य सेवा-संबंधी मुद्दों का समाधान

दबाव बढ़ाने के लिए, कर्मचारियों ने तीव्र विरोध प्रदर्शन शुरू करने की योजना बनाई है , जिसमें शामिल हैं:नियमानुसार कार्य करना - नियम पुस्तिका के अनुसार सख्ती से कार्य करना, अतिरिक्त कर्तव्यों से बचना। पेन डाउन - एक अवधि के लिए काम पूरी तरह से रोक देना।

सामूहिक अवकाश कार्यक्रम - कर्मचारी परिचालन को बाधित करने के लिए सामूहिक अवकाश ले सकते हैं। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि ये विरोध प्रदर्शन योजनानुसार आगे बढ़े तो राज्य भर में सरकारी कामकाज ठप्प हो सकता है ।विभिन्न कर्मचारी संघों, शिक्षक संघों और पेंशनभोगियों के समूहों के बीच बढ़ती एकता राज्य सरकार के लिए एक गंभीर राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौती पेश करती है । चुनावों की पृष्ठभूमि में और बढ़ती सार्वजनिक जांच के साथ, आंदोलन जोर पकड़ रहा है।यह देखना अभी बाकी है कि क्या तेलंगाना सरकार इन लंबे समय से लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए यूनियनों के साथ बातचीत शुरू करेगी या फिर उसे सरकारी सेवाओं में व्यापक बंद के परिणाम भुगतने होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने 3,900 करोड़ की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

तेलंगाना की सड़क परियोजनाओं में 2 लाख करोड़ निवेश करेगी केंद्र सरकार : गडकरी

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना में सोमवार को 3,900 करोड़ रुपए की लागत वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

श्री गडकरी ने कोमाराम भीम जिले के सिरपुर कागजनगर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदिलाबाद जिले के अद्वितीय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को स्वीकार किया तथा कहा कि इस क्षेत्र के लोग लंबे समय से भूमि और आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आदिलाबाद सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है तथा यहां रोजगार के अवसरों की सख्त आवश्यकता है।

राष्ट्र के विकास में अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री गडकरी ने कहा, अच्छी सड़कों वाला देश एक विकसित देश होता है। कृषि, रोजगार, परिवहन और अवसंरचना राष्ट्रीय प्रगति के स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अंतर-राज्यीय संपर्क बढ़ाने के लिए प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएं चला रही है। इसमें चुनौतीपूर्ण इलाकों में पुलों और भूमिगत सुरंगों का निर्माण शामिल है।केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच सड़क संपर्क में सुधार लाने तथा भद्राद्री, बसारा और मेदाराम जैसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थलों को राजमार्गों के माध्यम से जोड़ने के लिए कई

आगामी परियोजनाओं की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार अगले तीन-चार वर्षों में तेलंगाना में दो लाख करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाएं शुरू करेगी।

श्री गडकरी ने सूर्यपेट से देवरापल्ली तक एक नई ग्रीनफील्ड सड़क और विजयवाड़ा-नागपुर कॉरिडोर के निर्माण की योजना के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा, उन्होंने आश्वासन दिया कि जगित्याला-करीमनगर राजमार्ग के विस्तार में तेजी लाई जाएगी।

गडकरी ने कहा, तेलंगाना के 33 जिलों में लगातार सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। अब तक 1.25 लाख करोड़ रुपये के काम पूरे हो चुके हैं। अभी तक आपने जो विकास देखा है, वह तो बस एक झलक है। आने वाले समय में, अगले 3-4 सालों में, हम तेलंगाना में 2 लाख करोड़ रुपये के काम शुरू करने जा रहे हैं। मेरा मानना है कि इन कामों के पूरा होने के बाद तेलंगाना की छवि बदल जाएगी।

उन्होंने कहा कि पीएमजीएसवाई (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के अंतर्गत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, यात्रा समय को कम करने और ग्रामीण संपर्क को बढ़ाने के लिए पूरे देश में सड़क निर्माण प्रयासों में तेजी लाई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, तेलंगाना सहित पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और राज्य के 32 जिले अब राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि श्री गडकरी के नेतृत्व में राज्य में 5,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों का निर्माण किया गया है। इसमें आदिलाबाद और निजामाबाद जिलों में 3,900 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं।

श्री रेड्डी ने रेलवे संपर्क, औद्योगिक विकास और ऊर्जा परियोजनाओं में प्रगति का भी उल्लेख किया। इनमें काजीपेट रेलवे कोच फैक्ट्री, रामागुंडम विद्युत एवं उर्वरक परियोजनाएं और सात राष्ट्रीय मेगा टेक्सटाइल पार्कों में से तेलंगाना को आवंटित एक पार्क शामिल है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने हैदराबाद-करीमनगर-मंचरियल (राजीव) राजमार्ग की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि केंद्र इसे राष्ट्रीय अपग्रेड कर राजमार्ग का दर्जा देने के लिए तैयार है, जब तक कि राज्य सरकार द्वारा मुद्दों का समाधान नहीं किया जाता।

उन्होंने बल देकर कहा कि मोदी सरकार के अंतर्गत हुए अवसंरचना विकास ने आदिलाबाद जैसे पिछड़े क्षेत्रों को बदल दिया है और केंद्र की संपर्क, उद्योग एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं, जिसमें आयुष्मान भारत और मुफ्त अनाज वितरण शामिल हैं, के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना के पंचायत राज मंत्री डॉ. दिनसारी अनसूया सीताक्का, सांसदों, विधायकों और अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

बंडी संजय ने नक्सलियों पर दोहरे मानदंड के लिए कांग्रेस की आलोचना की

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह नक्सलियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद उनसे बातचीत करने के लिए 'दोहरे मानदंड' अपना रही है।

कागजनगर से करीमनगर जाते समय एनटीपीसी, रामागुंडम में एक संक्षिप्त ठहराव के दौरान मीडिया से बात करते हुए बंडी संजय ने कहा, नक्सलियों द्वारा निर्दोष लोगों को मारे जाते देखना चौंकाने वाला और दर्दनाक है, फिर भी कुछ आवाजें अब उनसे बातचीत की वकालत कर रही हैं। कांग्रेस पार्टी ने एक बार उन पर प्रतिबंध लगाया था, और अब वे बातचीत चाहते हैं? यह पाखंड की पराकाष्ठा है, उन्होंने कहा।मंत्री ने प्रोफेसर हरगोपाल और वरवर राव जैसे नागरिक अधिकार नेताओं से आग्रह किया कि वे पहले नक्सलियों को हिंसा छोड़ने और आत्मसमर्पण करने के लिए मनाएँ। उन्होंने सवाल किया, इतने दशकों के रक्तपात के बाद वरवर राव ने वास्तव में क्या हासिल किया है? बंडी संजय ने अतीत में नक्सली हिंसा के कई मामलों को याद किया-पुलिस कर्मियों, पत्रकारों, भाजपा नेताओं और यहां तक कि चित्तम नरसी रेड्डी और रागनायक जैसे कांग्रेस विधायकों पर हमले।क्या हम आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर अलीपीरी में हत्या के प्रयास को भूल गए हैं? (2003) या सिर्फ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए समा जगनमोहन रेड्डी की हत्या? उन्होंने पूछा।उन्होंने कहा कि नक्सलियों ने पुलिस को भी नहीं बख्शा, महामुथरम में एक शादी के दौरान एक एसआई और एक कांस्टेबल की हत्या का हवाला देते हुए।उन्होंने आदिवासियों को मार डाला, उन्हें मुखबिर करार दिया और बम लगाए। क्या पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस पागलपन का समर्थन करते हैं?रेवंत रेड्डी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कि इस मुद्दे को सामाजिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, संजय ने दावा किया कि यह कांग्रेस के दोहरेपन का एक और सबूत है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का नक्सलियों के साथ बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है।उन्होंने कहा, बंदूक छोड़ो, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करो और अपनी मानसिकता बदलो - तभी हम समाज में फिर से शामिल होने की बात कर सकते हैं।

कांग्रेस के हालिया दावों पर टिप्पणी करते हुए कि केंद्र ने तेलंगाना के विकास में कोई योगदान नहीं दिया है, संजय ने नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा दिए गए वित्तीय समर्थन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना के विकास के लिए 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। इसमें राष्ट्रीय राजमार्गों पर 1.25 लाख करोड़ रुपये और रेलवे पर 32,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। फिर भी, कांग्रेस झूठा दावा करती है कि हमने एक रुपया भी नहीं दिया है।

उन्होंने राज्य सरकार की तथाकथित जाति जनगणना की भी आलोचना की और इसे फर्जी सर्वेक्षण करार दिया, जो 50 प्रतिशत घरों तक भी नहीं पहुंच पाया।उन्होंने कहा, उन्होंने पिछड़ी जातियों की जनसंख्या के आंकड़ों को कम करके और आरक्षण का कुछ हिस्सा मुसलमानों को आवंटित करके उनके साथ धोखा किया। मोदी सरकार राष्ट्रीय जनगणना की तरह घर-घर जाकर वास्तविक जाति जनगणना कराएगी और इस अन्याय को ठीक करेगी। बंदी संजय ने दोहराया कि केंद्र राष्ट्रीय सुरक्षा पर दृढ़ है, विकास के लिए प्रतिबद्ध है और धमकियों या हिंसा के आगे झुके बिना कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दृढ़ है।

एम्स रायपुर में पीजी कर रहे तेलंगाना के डॉक्टर ने कथित काम के दबाव के चलते आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडिकल पेशे पर काम के अत्यधिक दबाव का एक और मामला सामने आया है। इस बार, पोस्ट-ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल छात्र डॉ. रवि कुमार आशामोनी, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के आदिलाबाद स्थित रिम्स से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी और एम्स, रायपुर में फोरेंसिक मेडिसिन में पीजी की पढ़ाई कर रहे थे, ने आत्महत्या कर ली।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, 26 वर्षीय डॉ. रवि कुमार रविवार को रायपुर के हर्षित टावर्स स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए।

जब वे समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे तो एम्स रायपुर के जूनियर डॉक्टरों ने उन्हें फोन करना शुरू कर दिया। जब कई बार फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो वे उनके फ्लैट पर पहुंचे, जहां उनका शव पड़ा था।

रिपोर्टों से पता चला है कि डॉ. रवि कुमार ने छत के पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली और उन्होंने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर एम्स रायपुर में अत्यधिक काम के दबाव के बारे में बात की थी।

इस घटना ने हैदराबाद के डॉ. रवि कुमार के वरिष्ठ रेजिडेंट और एमबीबीएस सहकर्मियों को स्तब्ध कर दिया है, जो उनके साथ काम करने और अध्ययन करने के दिनों को याद करते हैं।

तेलंगाना सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीएसआरडीए) के सदस्यों ने कहा, हमारे प्रिय डॉ. रवि कुमार आशामोनी के निधन के बारे में जानकर हमें जो दुख हुआ है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। विभाग के शिक्षकों की ओर से लगातार उत्पीड़न और असहनीय काम के दबाव के कारण उन्हें आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा, जिसके बारे में उन्हें लगा था कि इससे उनकी जिंदगी खत्म हो जाएगी।

एम्स रायपुर के जिम्मेदार अधिकारियों पर त्वरित, निष्पक्ष और उचित जांच की मांग करते हुए, हैदराबाद के वरिष्ठ चिकित्सकों ने मांग की कि अधिकारी दोषियों को शीघ्र दंडित करें और शोक संतप्त परिवार को न्याय दिलाएं।

इस बीच, जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क के आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ध्रुव चौधरी ने भी न्याय की मांग की। डॉ चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट करते हुए कहा, डॉक्टरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों की जांच करने में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को कितना समय लगेगा? संबंधित विभाग जहां ऐसे मामले होते हैं, मूल कारण का पता लगाने के लिए जांच का सामना क्यों नहीं करता?

तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनाव

बढ़ते दबाव के बीच जुलाई में चुनावों कराने की योजना

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काफी टालमटोल के बाद कांग्रेस सरकार ने इस साल जुलाई-अगस्त में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए लंबे समय से लंबित चुनाव कराने का फैसला किया है। यह फैसला बढ़ती वित्तीय प्रतिबद्धताओं और स्थानीय नेताओं के दबाव के बीच लिया गया है।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पार्टी पदाधिकारियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को जाति जनगणना और बीसी आरक्षण बढ़ाने की मांग के कारण हुई पिछली देरी के मद्देनजर प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश जारी किए हैं ।

तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने दो महीने पहले ही मतपत्रों की छपाई और मतदान केंद्रों को अंतिम रूप देने सहित सभी व्यवस्थाएं कर ली थीं। हालांकि, जाति जनगणना और स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के उद्देश्य से विधायी प्रक्रियाओं के कारण चुनाव स्थगित कर दिए गए थे।

विधानसभा ने स्थानीय निकायों, शिक्षा और रोजगार में 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग कोटा मांगने वाले विधेयक पारित कर दिए हैं, लेकिन वे अभी भी केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए लंबित हैं। केंद्र सरकार अब जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की योजना बना रही है, जिसके अगले दो वर्षों तक चलने की उम्मीद है, इसलिए राज्य ने आगे इंतजार न करने का फैसला किया है।

ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पिछले साल जनवरी में समाप्त हो गया था, जबकि मंडल और जिला परिषदों का कार्यकाल पिछले साल जुलाई में समाप्त हो गया था। निर्वाचित स्थानीय निकायों की अनुपस्थिति में, राज्य को केंद्रीय निधि वितरण में देरी का सामना करना पड़ा है, जो सालाना लगभग 1,500 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया और बदले में, उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक की और चुनाव कराने का फैसला किया।केंद्रीय निधियों में देरी, राज्य सरकार की खराब वित्तीय स्थिति के साथ, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और कल्याणकारी गतिविधियों को भारी झटका लगा है। सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार और अधिक वित्तीय नुकसान नहीं उठा सकती है, और अधिकारियों ने कार्यात्मक ग्रामीण शासन को बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग के नेताओं ने आगामी चुनावों में 42 प्रतिशत टिकट आवंटन की मांग की है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार वे जरूरत पड़ने पर मौजूदा आरक्षण प्रणाली के तहत आगे बढ़ने पर सहमत हो गए हैं। सूत्रों ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर केंद्र से मंजूरी नहीं मिलने के कारण कांग्रेस सरकार मौजूदा आरक्षण के साथ आगे बढ़ सकती है।इस बीच, तेलंगाना सरपंच एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि जब तक उनका बकाया भुगतान नहीं किया जाता, वे चुनाव में बाधा डालेंगे। सरकार पूर्व सरपंचों के 1,200 करोड़ रुपये के लंबित बिलों पर सावधानी से कदम उठा रही है।

बंदी संजय ने 22 मई को करीमनगर में विशाल 'हिंदू एकता यात्रा' की तैयारी की

करीमनगर, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने 22 मई को हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली विशाल 'हिंदू एकता यात्रा' से पहले करीमनगर में भाजपा नेताओं के साथ तैयारी बैठक की।रेकुर्थी के महालक्ष्मी गार्डन में सभा को संबोधित करते हुए बंदी संजय ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य हाल की आतंकवादी घटनाओं, विशेष रूप से पहलगाम में हुए हमले के जवाब में हिंदू एकता का प्रदर्शन करना है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे देश भर में आक्रोश फैल गया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व जल्द ही आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई को प्रतिबिंबित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत की ताकत को प्रदर्शित करेगा।बंदी संजय ने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर दिया और करीमनगर संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक हिंदू से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया, उन्होंने एक लाख से अधिक लोगों के आने की भविष्यवाणी की। उन्होंने दावा किया कि पिछली हिंदू एकता यात्राओं के कारण क्षेत्र में जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद में कमी आई है।उन्होंने हैदराबाद में पिछले हमलों का हवाला देते हुए भारत में आतंकवादी कृत्यों के लिए स्थानीय समर्थन का आरोप लगाया और कांग्रेस और बीआरएस शासन के तहत जगतियाल और कोरुतला जैसी जगहों पर पीएफआई की गतिविधियों पर लगाम लगाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने आगामी यात्रा को राज्यव्यापी हिंदू जागरण के लिए एक रैली बिंदु बताया, जिसका उद्देश्य स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जनता की भावनाओं को संगठित करना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जिला अध्यक्षों, पूर्व विधायकों और स्थानीय अधिकारियों सहित पार्टी नेताओं ने इस विशाल आयोजन की रणनीति बनाने के लिए बैठक में भाग लिया।

फलकनुमा पुलिस ने काले जादू के संदेह में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। फलकनुमा पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने 2 मई को दिनदहाड़े वट्टेपल्ली में एक पान दुकान के मालिक की कथित तौर पर हत्या कर दी थी।आरोपियों की पहचान शेख मोहम्मद अली, उसके भाई शेख उस्मान और चचेरे भाई शेख अख्तर अली के रूप में हुई है।

मामले पर बात करते हुए फलकनुमा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) एमए जावेद ने कहा कि मृतक मोहम्मद माजिद 2018 में आरोपियों में से एक मोहम्मद अली का पड़ोसी था। दोनों बंदलागुडा में रहते थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, दोनों के परिवारों के बीच लगातार झगड़े होते थे, क्योंकि अली को लगता था कि माजिद काला जादू करता है।

इस वजह से माजिद ने वट्टेपल्ली में शिफ्ट होने का फैसला किया।हालांकि, मोहम्मद अली की मां की अचानक मौत हो गई और उसके भाई की तबीयत बिगड़ने लगी। एसीपी ने कहा, उसे शक था कि माजिद उसके परिवार के खिलाफ काला जादू कर रहा है और उसने उसे मारने की साजिश रची।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.